छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
:: मंत्रालय ::
महानदी भवन, नया रायपुर

क्रमांक एफ 3-11/16/38-1 रायपुर, दिनांक 07 SEP 2016 /09/2016

प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय,
इंद्रावती भवन, नया रायपुर।

विषय :- मुख्य बजट वर्ष 2016-17 में प्रावधान अनुसार शासकीय स्नातक महाविद्यालयों का स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में उन्नयन एवं नवीन स्नातकोत्तर विषय प्रारंभ किये जाने की स्वीकृति बाबत्।

राज्य शासन, एतद् द्वारा, बजट वर्ष 2016-17 में मांग संख्या 41 एवं 44 में 14 स्नातक महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में उन्नयन हेतु 14 स्नातक प्राचार्य के पद को स्नातकोत्तर प्राचार्य के पद पर उन्नयन एवं प्राध्यापकों के 29 पद, प्रयोगशाला तकनीशियन के 06 पद एवं प्रयोगशाला परिचारक के 06 पद सृजन की स्वीकृति प्रदान करता है, जिसका विवरण निम्नलिखित अनुसार है:-

2/ मांग संख्या-41 में 02 महाविद्यालयों के स्नातक प्राचार्य का स्नातकोत्तर प्राचार्य के पद पर उन्नयन एवं 01 प्राध्यापक पद के सृजन की स्वीकृति निम्नानुसार प्रदान की जाती है:-

क्र.	पदनाम	वेतनबैंड	ग्रेडवेतन	पद संख्या
1	प्राचार्य (स्नातकोत्तर)	37400-67000	10000 वि.वे. 3000	02
2	प्राध्यापक	37400-67000	9000	01
		योग		03

महाविद्यालयवार पद सृजन की स्थिति निम्नानुसार होगी :-

क्र.	महाविद्यालय का नाम	स्नातकोत्तर प्राचार्य	सृजित पद प्राध्यापक	
			विषय	संख्या
1	शासकीय लरंगसाय महाविद्यालय, रामानुजगंज, जिला बलरामपुर	1	–	–
2	शासकीय महाविद्यालय बीजापुर, जिला बीजापुर	1	हिन्दी	1
योग :-		02		01

उक्त पदों पर व्यय मांग संख्या-41-अनुसूचित जनजाति उपयोजना-2202-सामान्य शिक्षा-(03)-विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा-0102- अनुसूचित जनजाति उपयोजना-(103)-सरकारी कालेज और संस्थाएं-798-कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय अनुसूचित जनजाति उपयोजना मद अंतर्गत विकलनीय होगा।

निरन्तर...

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

3/ मांग संख्या–44 में 12 महाविद्यालयों के स्नातक प्राचार्य का स्नातकोत्तर प्राचार्य के पद पर उन्नयन प्राध्यापक 28 पद, प्रयोगशाला तकनीशियन 06 पद एवं प्रयोगशाला परिचारक 06 पद के सृजन की स्वीकृति निम्नानुसार प्रदान की जाती है:–

क्र.	पदनाम	वेतनबैंड	ग्रेडवेतन	पद संख्या
1	प्राचार्य (स्नातकोत्तर)	37400–67000	10000 वि.वे. 3000	12
2	प्राध्यापक	37400–67000	9000	28
3	प्रयोगशाला तकनीशियन	5200–20200	2400	06
4	प्रयोगशाला परिचारक	5200–20200	1800	06
		योग		52

महाविद्यालयवार पद सृजन की स्थिति निम्नानुसार होगी :–

क्र.	महाविद्यालय का नाम	स्नातकोत्तर प्राचार्य	सृजित पद			
			प्राध्यापक		प्रयोगशाला तकनीशियन	प्रयोगशाला परिचारक
			विषय	संख्या		
1	शासकीय डॉ. राधाबाई नवीन कन्या महाविद्यालय रायपुर, जिला–रायपुर	1	हिन्दी	1	–	–
			राजनीतिशास्त्र	1		
			गणित	1		
2	शासकीय बद्रीप्रसाद कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय आरंग, जिला–रायपुर	1	गणित	1		
3	शासकीय कमला देवी कन्या महिला महाविद्यालय राजनांदगांव, जिला–राजनांदगांव	1	–	–	–	–
4	शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर, जिला–बिलासपुर	1	हिन्दी	1	–	–
			इतिहास	1		
			समाजशास्त्र	1		
			राजनीतिशास्त्र	1		
			अर्थशास्त्र	1		
5	शासकीय महर्षि वाल्मिकी महाविद्यालय, भानुप्रतापपुर, जिला–कांकेर	1	–	–	–	–
6	शासकीय दन्तेश्वरी महिला महाविद्यालय जगदलपुर, जिला–बस्तर	1	प्राचीन भारतीय इतिहास	1	–	–
7	शासकीय स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय नारायणपुर, जिला–नारायणपुर	1	अर्थशास्त्र,	1	–	–
			भूगोल	1	1	1
			राजनीतिशास्त्र	1	–	–
			समाजशास्त्र	1	–	–

निरंतर.....

C(L131)a

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

क्र.	महाविद्यालय का नाम	स्नातकोत्तर प्राचार्य	सृजित पद			
			प्राध्यापक		प्रयोगशाला तकनीशियन	प्रयोगशाला परिचारक
			विषय	संख्या		
8	शासकीय डॉ ज्वाला प्रसाद मिश्र महाविद्यालय मुंगेली, जिला-मुंगेली	1	भौतिकशास्त्र	1	3	3
			प्राणीशास्त्र,	1		
			वनस्पतिशास्त्र	1		
			रसायनशास्त्र	1		
9	शासकीय शहीद पापूराव महाविद्यालय सुकमा, जिला-सुकमा	1	हिन्दी	1	–	–
			अंग्रेजी	1		
			अर्थशास्त्र	1		
			भूगोल	1	1	1
10	शासकीय वीर सुरेन्द्र साय महाविद्यालय, गरियाबन्द, जिला-गरियाबन्द	1	राजनीतिशास्त्र	1	–	–
11	शासकीय रेवतीरमण मिश्र महाविद्यालय सुरजपुर, जिला-सूरजपुर	1	अर्थशास्त्र,	1		
			समाजशास्त्र	1		
			वाणिज्य	1		
12	शासकीय गुडाघूर महाविद्यालय, कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव	1	भूगोल	1	1	1
			राजनीतिशास्त्र	1	–	–
	योग :-	12		28	06	06

उक्त पदों पर व्यय मांग संख्या-44-उच्च शिक्षा-2202-सामान्य शिक्षा-(03)-विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा-0101-राज्य आयोजना सामान्य-(103)-सरकारी कालेज और संस्थाएं-798-कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय आयोजना मद अंतर्गत विकलनीय होगा।

4/ उपरोक्त आदेश में किसी प्रकार की विसंगति होने पर या महाविद्यालय में उपरोक्त में से कोई विषय/पाठ्यक्रम पूर्व से स्वीकृत होने, अथवा महाविद्यालय को संबंधित विषय/पाठ्यक्रम की आवश्यकता नहीं होने पर प्राचार्य की जवाबदारी होगी कि आदेश जारी होने के 15 दिवस के भीतर उच्च शिक्षा संचालनालय को ई-मेल से अथवा विशेष वाहक के हस्ते सूचित करेगें।

5/ जिन महाविद्यालयों में उपरोक्त स्वीकृत विषय/पाठ्यक्रम का संचालन जनभागीदारी अथवा स्व-वित्तीय मद से किया जा रहा है, उन्हें इसी सत्र 2016-17 से नियमित विभागीय विषय/संकाय/पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित किया जायेगा तथा जनभागीदारी/स्व-वित्तीय व्यवस्था को तत्काल बंद किया जायेगा।

6/ स्वीकृति जारी होने में विलंब को देखते हुए आदेशित किया जाता है कि संबंधित महाविद्यालय में उपरोक्त विषय/संकाय/पाठ्यक्रम को इसी सत्र 2016-17 से प्रारंभ किया जावे तथा प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए 15.09.2016 तक की तिथि निर्धारित की जाती है।

7/ प्रत्येक विषय में 25 सीट संख्या निर्धारित की जाती है।

निरंतर.....

CH(L)32)a

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

कार्यालय , प्राचार्य शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

पटवारी प्रशिक्षण के पास, सीपत रोड बिलासपुर(छत्तीसगढ़) 495006, महाविद्यालय कोड 2804

e-mail id: gmsngc1989@gmail.com, www.gmsngcbsp.co.in

क्रमाँक /52/स्था./नवीन विषय/2020 बिलासपुर, दिनाँक –11/06/2020

स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत (SELF FINANCE)

स्नातक स्तर पुस्तकालय विज्ञान में बी. लिब. आई.एस.सी कक्षा प्रारंभ करने हेतु प्रस्ताव

1.	स्नातक कक्षा का नाम	–	बी. लिब. आई.एस.सी
2.	पोषक कक्षा में (संबंधित विषय के स्नातक अंतिम वर्ष) में अध्ययरत् एवं गतवर्षो में उत्तीर्ण छात्र संख्या	–	बी.ए./बी.कॉम अंतिम अध्ययनरत् छात्राएं – 286 सत्र 2019–20 में उत्तीर्ण छात्राएं 95 %
3.	अद्योसंरचना –भवन/अध्ययन कक्ष/फर्नीचर संख्या	–	उपलब्ध (पर्याप्त)
4.	महाविद्यालय में संचालित विषय/संकाय	–	कला एवं वाणिज्य
5.	महाविद्यालय में स्वीकृत/कार्यरत् सहा. प्राध्यापक संख्या	–	1. ग्रंथपाल पद :– स्वीकृत 01 कार्यरत् 01
6.	संबंधित विषय में/कक्षा/संकाय प्रारंभ करने हेतु शैक्षणिक/अशैक्षणिक पदों की आवश्यकता वित्तीय भार सहित	–	स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत **बी. लिब. आई.एस.सी** . की कक्षा संचालित होने पर शासन पर किसी भी प्रकार का वित्तीय भार नही पड़ेगा।
7.	ग्रंथालय में पुस्तकों की उपलब्धता	–	(12000 पुस्तके)
8.	संबंधित विषय में कितनी –कितनी सीट संख्या होगी	–	बी. लिब. आई. एस. सी. – 30 सीट

9. **प्राचार्य का अभिमत** :– महाविद्यालय में पदस्थ ग्रंथपाल डॉ. आर. के. तिवारी पुस्तकालय विज्ञान में पी.एच–डी उपाधि प्राप्त की, इनके पास दूरवर्ती/नियमित पाठ्यक्रम बी.लिब. आई.एस.सी कक्षा अध्यापन कार्य करने का लगभग 17 वर्ष का अनुभव है। महाविद्यालय में यदि बी.लिब. आई.एस.सी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति मिल जाती है, तो इनकी सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है, साथ ही इस महाविद्यालय की छात्राओं को बहुत लाभ होगा।

बी.ए./बी.कॉम. अंतिम की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात छात्राओं को पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक कक्षा में अध्ययन के लिए अन्य महाविद्यालय मे प्रवेश लेना होता है। महाविद्यालय में स्नातक कक्षा में अध्ययन की सुविधा नही होने के कारण अनेक छात्राएं प्रवेश से वंचित भी हो पाती है। बिलासपुर जिला एवं संभाग में शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय को छोड़कर, किसी भी शासकीय महाविद्यालय में बी.लिब.आई.एस.सी. पाठ्यक्रम अध्ययन–अध्यापन की सुविधा नही है।

महाविद्यालय में बी.लिब. आई.एस.सी की कक्षा प्रारंभ होने पर ग्रामीण क्षेत्रों से आकर महाविद्यालय से बी.ए./बी. कॉम. अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली छात्राएं पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन जारी रख सकती है।स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत बी.लिब. आई.एस.सी की कक्षा संचालित होने पर शासन पर किसी भी प्रकार का वित्तीय भार नही पड़ेगा।

PRINCIPAL
Govt. M.S. Naveen Girls College
Bilaspur (C.G.)

कार्यालय , प्राचार्य शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

पटवारी प्रशिक्षण के पास, सीपत रोड बिलासपुर(छत्तीसगढ़) 495006, महाविद्यालय कोड 2804

e-mail id: gmsngc1989@gmail.com, www.gmsngcbsp.co.in

क्रमाँक /52 /स्था./नवीन विषय/2020 बिलासपुर, दिनाँक – 19/06/2020

प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय
ब्लॉक –3–सी, द्वितीय एवं तृतीय तल
इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर (छ0ग0)

विषय – **स्ववित्तीय योजना (SELF FINANCES) के अंतर्गत स्नातक स्तर (बी. लिब. आई.एस.सी) पर नवीन विषय प्रारंभ करने हेतु प्रस्ताव।**

——000——

उपरोक्त विषयान्तर्गत में लेख है कि शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0) में स्ववित्तीय योजना (SELF FINANCES) के अंतर्गत **स्नातक स्तर (बी. लिब. आई.एस.सी) नवीन विषय प्रारंभ करने हेतु** दो प्रतियों में संलग्न कर, प्रस्ताव भेजा जा रहा है।

स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत बी. लिब. आई.एस.सी की कक्षा प्रारंभ करने की अनुमति दी जाती है, तो शासन पर किसी भी प्रकार का वित्तीय भार नही आयेगा।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार ।

1. स्नातक स्तर पर – **बी. लिब. आई.एस.सी** कक्षा प्रारंभ करने हेतु प्रस्ताव स्ववित्तीय योजना।

(डॉ.आर.के.वर्मा)
PRINCIPAL
प्राचार्य
Govt. M.S. Naveen Girls College
Bilaspur (C.G.)
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0)

पृ.क्रमांक/ /स्था./2020 बिलासपुर दिनांक / /2020

प्रतिलिपि –

1. स्थापना/लेखा शाखा शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(डॉ.आर.के.वर्मा)
PRINCIPAL
प्राचार्य
Govt. M.S. Naveen Girls College
Bilaspur (C.G.)
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0)

o/c

कार्यालय , प्राचार्य शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
पटवारी प्रशिक्षण के पास, सीपत रोड बिलासपुर(छत्तीसगढ़) 495006, महाविद्यालय कोड 2804
e-mail id: gmsngc1989@gmail.com, www.gmsngcbsp.co.in

क्रमांक / /स्था./नवीन विषय/2020 बिलासपुर, दिनाँक – / /2020

स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत संचालित (SELF FINANCE)

पी.जी.डी.सी.ए. पाठ्यक्रम में सीट वृद्धि करने हेतु प्रस्ताव

1.	स्नातकोत्तर कक्षा का नाम	–	पी.जी.डी.सी.ए. (कम्प्यूटर)
2.	पोषक कक्षा में (संबंधित विषय के स्नातक अंतिम वर्ष) में अध्ययरत् एवं गतवर्षो में उत्तीर्ण छात्र संख्या	–	बी.कॉम/बी.ए. अंतिम अध्ययनरत् छात्राएं – 286
3.	अद्योसंरचना –भवन/अध्ययन कक्ष/फर्नीचर संख्या	–	उपलब्ध (पर्याप्त)
4.	महाविद्यालय में संचालित विषय/संकाय	–	कला एवं वाणिज्य
5.	महाविद्यालय में स्वीकृत/कार्यरत् सहा. प्राध्यापक संख्या	–	1. प्राध्यापक पद :– स्वीकृत 05 कार्यरत् 01(पदो. प्राध्यापक) 2. सहा. प्राध्यापक पद :– स्वीकृत 11 कार्यरत् 13 (सूची संलग्न)
6.	संबंधित विषय/कक्षा/संकाय प्रारंभ करने हेतु शैक्षणिक/अशैक्षणिक पदों की आवश्यकता वित्तीय भार सहित	–	स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत संचालित पी.जी.डी.सी.ए. में सीट वृद्धि होने पर शासन पर किसी भी प्रकार का वित्तीय भार नही पड़ेगा।
7.	ग्रंथालय में पुस्तकों की उपलब्धता	–	पर्याप्त पुस्तके उपलब्ध है।
8.	संबंधित विषय में कितनी –कितनी सीट संख्या होगी	–	वर्तमान में पी.जी.डी.सी.ए.–50 पी.जी.डी.सी.ए. में सीट वृद्धि – 50 सीट

9. **प्राचार्य का अभिमत** :–बी. ए. /बी.कॉम अंतिम की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात इस महाविद्यालय की छात्राओं एवं अन्य महाविद्यालयों से उत्तीर्ण होने वाली छात्रायें बड़ी संख्या में पी.जी.डी.सी.ए. में प्रवेश हेतु आवेदन करती है परंतु निर्धारित सीट संख्या सीमित (मात्र 30 सीट) होने के कारण अनेक छात्राओं को पी.जी.डी.सी.ए. में प्रवेश से वंचित होना पड़ता है। स्ववित्तीय योजनांतर्गत संचातिल इस पाठ्यक्रम में सीट वृद्धि होने पर छात्रायें प्रवेश लेकर उत्तीर्ण होने के पश्चात निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकती है/स्वरोजगार भी प्रारंभ भी कर सकती है।

पी.जी.डी.सी.ए. में सीट वृद्धि की अनुमति दिये जाने की स्थिति में शासन पर किसी भी प्रकार का वित्तीय भार नही आयेंगा।

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. M.S. Naveen Girls College
Bilaspur (C.G.)

कार्यालय, प्राचार्य शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

पटवारी प्रशिक्षण के पास, सीपत रोड बिलासपुर(छत्तीसगढ़) 495006, महाविद्यालय कोड 2804
e-mail id: gmsngc1989@gmail.com, www.gmsngcbsp.co.in

क्रमाँक / /स्था./नवीन विषय/2020 बिलासपुर, दिनाँक – 18/06/2020

113
22/6/2020

प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय
ब्लॉक –3–सी, द्वितीय एवं तृतीय तल
इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर (छ0ग0)

विषय – **स्ववित्तीय योजना (SELF FINANCES) के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर (एम. कॉम.) पर नवीन विषय प्रारंभ करने तथा पी.जी.डी.सी.ए. में सीट वृद्धि हेतु प्रस्ताव।**

——000——

उपरोक्त विषयान्तर्गत में लेख है कि शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0) में स्ववित्तीय योजना (SELF FINANCES) के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर (एम. कॉम.) की नवीन कक्षा, प्रारंभ करने तथा स्ववित्तीय योजनांतर्गत संचालित पी.जी.डी.सी.ए. में सीट वृद्धि हेतु प्रस्ताव दो प्रतियों में संलग्न कर प्रेषित है।

स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत एम कॉम. की कक्षा प्रारंभ करने एवं पी.जी.डी.सी.ए. में सीट वृद्धि होने पर शासन पर किसी भी प्रकार का वित्तीय भार नही पड़ेगा।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार ।

1. स्नातकोत्तर स्तर पर – एम.कॉम. कक्षा प्रारंभ करने हेतु प्रस्ताव – स्ववित्तीय योजना।
2. पी.जी.डी.सी.ए. – 50 सीट की वृद्धि का प्रस्ताव – स्ववित्तीय योजना।

Sd/-
(डॉ.आर.के.वर्मा)
प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt. M.S. Naveen Girls College
Bilaspur (C.G.)
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0)

पृ.क्रमांक /145/स्था./2020 बिलासपुर दिनांक 18/06/2020

प्रतिलिपि –

1. अपर संचालक, उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय शास. ई.राघवेन्द्र विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर को सूचनार्थ।
2. स्थापना/लेखा शाखा शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

18/6/20
(डॉ.आर.के.वर्मा)
प्राचार्य
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0)

आवश्यक कार्यवाही हेतु
22/6/2020
22/06/20
22/6/2020

कार्यालय , प्राचार्य शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
पटवारी प्रशिक्षण के पास, सीपत रोड़ बिलासपुर(छत्तीसगढ़) 495006, महाविद्यालय कोड़ 2804
e-mail id: gmsngc1989@gmail.com, www.gmsngcbsp.co.in

क्रमांक / /स्था./नवीन विषय/2020 बिलासपुर, दिनाँक – / /2020

स्नातक स्तर पर बी.एस–सी. कक्षा प्रारंभ करने हेतु प्रस्ताव

1.	स्नातक कक्षा का नाम	–	बी.एस–सी (बॉयोलॉजी एवं गणित)
2.	पोषक शालाओं में संबंधित संकाय/विषय में छात्र संख्या	–	शालओं में अत्याधिक छात्राएं अध्ययनरत्
3.	अद्योसंरचना –भवन/अध्ययन कक्ष/फर्नीचर संख्या	–	उपलब्ध (पर्याप्त)
4.	महाविद्यालय में संचालित विषय/संकाय	–	..... एवं वाणिज्य कला
5.	महाविद्यालय में स्वीकृत/कार्यरत् सहा. प्राध्यापक संख्या	–	1. प्राध्यापक पद :– स्वीकृत 05 कार्यरत् 01(पदो. प्राध्यापक) 2. सहा. प्राध्यापक पद :– स्वीकृत 11 कार्यरत् 13 (सूची संलग्न)
6.	संबंधित विषय/कक्षा/संकाय प्रारंभ करने हेतु शैक्षणिक/अशैक्षणिक पदों की आवश्यकता वित्तीय भार सहित	–	(अ) शैक्षणिक पद सहा. प्राध्यापक :– 05 (ब) अशैक्षणिक पद प्रयोगशाला शिक्षक :– 04 प्रयोगशाला परिचारक :– 04 सहायक ग्रेड –03 :– 01 (छ0ग0 शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित वेतन भुगतान हेतु लगभग 60 लाख रूपये)
7.	ग्रंथालय में पुस्तकों की उपलब्धता	–	1. बी.एस–सी. विज्ञान, गणित नया विषय पुस्तके अनुपलब्ध 2. कला एवं वाणिज्य संकाय एवं कम्प्यूटर विज्ञान की 12000 पुस्तके उपलब्ध है।
8.	संबंधित विषय प्रारंभ करने पर वित्तीय भार औचित्य सहित	–	30 लाख रूपये पुस्तके एवं प्रयोगित सामग्री, उपकरण एवं प्रयोगशाला कक्ष निर्माण आदि।
9.	संबंधित विषय में कितनी –कितनी सीट संख्या होगी	–	बी.एस–सी (बॉयोलॉजी – 60) बी.एस–सी (गणित – 60)

M.S. Govt. College Naveen Girls Bilaspur (C.G.)

कार्यालय , प्राचार्य शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

पटवारी प्रशिक्षण के पास, सीपत रोड बिलासपुर(छत्तीसगढ़) 495006, महाविद्यालय कोड 2804

e-mail id: gmsngc1989@gmail.com, www.gmsngcbsp.co.in

क्रमाँक / /स्था./नवीन विषय/2020 बिलासपुर, दिनाँक – 18/06/2020

प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय
ब्लॉक –3–सी, द्वितीय एवं तृतीय तल
इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर (छ0ग0)

112
दि 22.6.2020

विषय – **स्नातक स्तर पर नवीन विषय (बी.एस.–सी. – बॉयोलाजी एवं गणित) विज्ञान संकाय प्रारंभ करने हेतु प्रस्ताव।**

——000——

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0) में स्नातक स्तर (बी.एस.–सी. – बॉयोलाजी एवं गणित) विज्ञान संकाय वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए नवीन कक्षायें प्रारंभ करने हेतु प्रस्ताव दो प्रतियों में संलग्न कर प्रेषित है।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार ।

1. स्नातक स्तर पर – बी.एस.–सी (बॉयोलाजी एवं गणित) कक्षा प्रारंभ करने हेतु प्रस्ताव शासन स्तर पर।

–Sd–
(डॉ.आर.के.वर्मा)
प्राचार्य
PRINCIPAL
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर
Govt. M.M.S. Navin Girls College
महाविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0)
Bilaspur

पृ.क्रमांक/43/स्था./2020 बिलासपुर दिनांक 18/06/2020

प्रतिलिपि –

1. अपर संचालक, उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय शास. ई.राघवेन्द्र विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर को सूचनार्थ।
2. स्थापना/लेखा शाखा शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आवश्यक कार्यवाही हेतु
अग्रेषित

18/6/20
(डॉ.आर.के.वर्मा)
प्राचार्य
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0)

क्र. 63
दि. 22/6/2020

24/06/20

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
:: मंत्रालय ::
महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर

क्रमांक एफ 3-42/2020/38-1 नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक /09/2020
प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय,
इंद्रावती भवन,
नवा रायपुर, अटल नगर,
रायपुर, छ0ग0।

विषय – प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सत्र 2020-21 से स्ववित्तीय योजना अन्तर्गत स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर नवीन विषय/पाठ्यक्रम संकाय प्रारंभ करने हेतु अनुमति प्रदान करने बाबत।

संदर्भ – आप का पत्र क्रमांक 313/38/अउशि/वि.वि.अनु./20 दि. 26/08/2020

राज्य शासन एतद् द्वारा आयुक्त कार्यालय द्वारा प्रदेश के 05 शासकीय महाविद्यालयों में सत्र 2020-21 से स्ववित्तीय योजना अन्तर्गत निम्नानुसार स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर नवीन विषय/पाठ्यक्रम संकाय प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान करता है –

स.क्र.	महाविद्यालय का नाम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	वांछित सीट संख्या
1	श्री कुलेश्वर महादेव शास. महा. गोबरा नवापारा	योगा में डिप्लोमा	20
2	शासकीय विश्वनाथ तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग	पी.जी. डिप्लोमा इन योगा एजुकेशन एंड फिलासफी	20
		सर्टिफिकेट कोर्स इन ह्यूमन राइट्स (CHR)	20
		सर्टिफिकेट कोर्स इन डिजास्टर मैनेजमेंट (CDM)	20
		सर्टिफिकेट कोर्स इन एनवायरमेंट साइंस (CES)	20
		सर्टिफिकेट कोर्स इन इन्फारमेशन टेक्नालॉजी(CIT)	20
		सर्टिफिकेट कोर्स इन रूरल डेवलपमेंट(CRD)	20
		सर्टिफिकेट कोर्स इन कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन (CCP)	20
		सर्टिफिकेट कोर्स इन बिजनेस स्कील (CBS)	20

PRINCIPAL
Govt. M.S. Naveen Girls College
Bilaspur (C.G.)

3	शास. टी.सी.एल. स्नातकोत्तर महा. जांजगीर चांपा	एम.एस.सी. (सूक्ष्मजीवविज्ञान)	30
		एम.एस.सी. (वनस्पति शास्त्र)	20
		एम.एस.सी. (बायोटेक्नोलॉजी)	10
4	शास. माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर	एम.कॉम	30
		बैचलर आई.एस.सी	30
5	लक्ष्य जनभागीदारी समिति शास. कन्या [illegible] महा. डौण्डी जिला बालोद	पी.जी.डी.सी.ए	40

उक्त शासकीय महाविद्यालयों द्वारा स्ववित्तीय योजनांतर्गत प्रस्तावित पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने की अनुमति निम्न शर्तों के अधीन प्रदाय की जाती है :-

1. स्ववित्तीय योजना के अन्तर्गत उक्त पाठ्यक्रमों का संचालन किया जावेगा।
2. शैक्षणिक कर्मचारियों की एवं लाईब्रेरी, फर्नीचर तथा उपकरण, कम्प्यूटर आदि की व्यवस्था संस्था को अपने स्वयं के स्त्रोतों से करना होगा, इसके लिये किसी प्रकार का वित्तीय भार शासन द्वारा वहन नहीं किया जावेगा, अर्थात राज्य शासन द्वारा भविष्य में किसी प्रकार का आवर्ती एवं अनावर्ती व्यय हेतु कोई भी अनुदान नहीं दिया जायेगा।
3. शिक्षकों की नियुक्ति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के आधार पर शासन के निर्धारित मापदण्ड के अनुसार की जावेगी।
4. उक्त पाठ्यक्रम प्रारंभ करने पर आय-व्यय की लेखों का सत्यापन विभागीय अंकेक्षण दल/सी.ए.से कराया जाकर प्रतिवर्ष उच्च शिक्षा संचालनालय को प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा।

(सरोज उईके)
अवर सचिव
छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय

क्रमांक एफ 3-42/2020/38-1 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 3/09/20

प्रतिलिपि —

1. विशेष सहायक, मान.मंत्री जी, छ0ग0 शासन, उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर,
2. सचिव, छ0ग0 शासन, उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर
3. संबंधित कलेक्टर जिला ....
4. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर, अटल नगर, रायपुर
5. संबंधित जिला कोषालय छ0ग0,
6. संबंधित प्राचार्य छ0ग0

की ओर सूचनार्थ प्रेषित।

7. आदेश फोल्डर।

अवर सचिव
छ0ग0 शासन, उच्च शिक्षा विभाग

CH(L667)

PRINCIPAL
Govt. M.S. Naveen Girls College
Bilaspur (C.G.)

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छ.ग.)

पुराना हाईकोर्ट भवन, बिलासपुर (छ.ग.) 495001,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in,
वेबसाईट : www.bilaspuruniversity.ac.in

क्रमांक 711 / अका. / 2021 बिलासपुर, दिनांक 29/09/2021

आदेश

विश्वविद्यालय निरीक्षण समिति की अनुशंसा एवं छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, रायपुर की अनुमति के आधार पर शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जिला–बिलासपुर को शैक्षणिक सत्र 2021–22 से नीचे उल्लेखित निम्न विषय/पाठ्यक्रम में सीट वृद्धि एवं अस्थायी सम्बद्धता विश्वविद्यालय/उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित निम्न शर्तों के साथ प्रदान किया जाता है:–

क्र.	विषय/पाठ्यक्रम	पूर्व प्रदत्त छात्र संख्या	सीट वृद्धि	कुल छात्र संख्या
01	एम.कॉम (स्ववित्तीय)	30 छात्र संख्या	20 छात्र संख्या	50 छात्र संख्या
02	बी.लिब. आई–एस.सी.	30 छात्र संख्या	20 छात्र संख्या	50 छात्र संख्या
03	पी.जी.डी.सी.ए.	30 छात्र संख्या	50 छात्र संख्या	80 छात्र संख्या
04	एम.कॉम (अंतिम)			30 छात्र संख्या
05	बी.ए.भाग–अंतिम(अतिरिक्त विषय भूगोल)			50 छात्र संख्या
06	एम.ए.पूर्व (अंग्रेजी साहित्य)			25 छात्र संख्या

निर्धारित शर्तें:–

1. छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग में उल्लेखित शर्तो की पूर्ति यथाशीघ्र की जावे।
2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालयों को संबद्धता) विनियम–2009 एवं 2012 में उल्लेखित की गई शर्तों का पालन किया जावे।
3. पी.जी.डी.सी.ए. कक्षाओं हेतु कम्प्युटर की संख्या (30 लगभग) बढ़ायी जाये।
4. प्रत्येक विषय के लिये 15000/– रूपये की पुस्तकें और कय की जाये।

आदेशानुसार,

(हस्ताक्षर) 29.9.21

कुलसचिव

पृ.कमांक 712 / अका. / 2021 बिलासपुर, दिनांक 29/09/2021

प्रतिलिपि:–

1. कुलपति के निज सहायक को माननीय कुलपति महोदय के सूचनार्थ प्रेषित।
2. अवर सचिव, छ.ग.शासन, उच्च शिक्षा विभाग, सी–30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इंद्रावती भवन, नया रायपुर(छ.ग.) को सूचनार्थ प्रेषित।
3. परीक्षा नियंत्रक, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर को सूचनार्थ प्रेषित।
4. प्राचार्य, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जिला–बिलासपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(हस्ताक्षर)

सहा.कुलसचिव(अका.)

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

2016 Mani-Acad. 273

IV

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
:: मंत्रालय ::
महानदी भवन,नया रायपुर

क्रमांक एफ 3-5/2018/38-1

नया रायपुर, दिनांक 03/08/2018

प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय,
इंद्रावती भवन,
नया रायपुर।

विषय :- प्रदेश के 35 शासकीय महाविद्यालयो में स्नातक स्तर पर नवीन संकाय/ विषय/पाठ्यक्रम प्रारंभ करने हेतु प्रशासकीय स्वीकृति बाबत्।

संदर्भ :- आपकी टीप पं. क्रमांक 18/आउशि/योजना/नवीन विषय/2018-19 दिनांक 31/05/2018

--

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित टीप के परिपेक्ष्य में 35 शासकीय स्नातक महाविद्यालयों में सत्र 2018-19 में नवीन विषय/पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति दी जाती है जो निम्नानुसार है :-

मांग संख्या-44-राज्य आयोजना सामान्य

महाविद्यालयों की संख्या-25

क्र	महाविद्यालय का नाम	पाठ्यक्रम	विषय	सीट	नवीन सृजित पद		
					सहायक प्राध्यापक	प्रयोगशाला तकनीशियन	प्रयोगशाला परिचारक
1	2	3	4	5	6	7	8
1	शासकीय डॉ राधाबाई नवीन कन्या पी.जी महाविद्यालय, रायपुर	बी.ए.	भूगोल	25	1	1	1
		बी.ए.	संगीत	25	1		
2	शासकीय वीर सुरेन्द्र साय पी.जी. महाविद्यालय, गरियाबंद	बी.ए.	भूगोल	30	2	1	1
		बी.ए.	अंग्रेजी साहित्य	30	1		
		बी.ए.	संस्कृत साहित्य	25	1		
3	शासकीय राजीवलोचन महाविद्यालय राजिम	बी.ए.	अंग्रेजी साहित्य	30	1		
4	शासकीय महाविद्यालय सरायपाली	बी.कॉम	वाणिज्य	50	2		

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

5	शासकीय वा.वा.पा. कन्या पी.जी. महाविद्यालय दुर्ग	बी.ए.	फाईन आर्ट एव मूर्तिकला	50	1		
6	शासकीय नवीन महाविद्यालय खुर्सीपार	बी.ए	इतिहास	30	1		
		बी.ए	भूगोल	30	2	1	1
7	शासकीय महाविद्यालय राल्हेवारा	बी.एससी (गणित समूह)	गणित	40	1		
			भौतिकशास्त्र		1	1	1
8	शासकीय गुण्डाधूर महाविद्यालय कोण्डागाव	बी.ए.	भूगोल	40	1	1	1
9	शासकीय दन्तेश्वरी महिला महाविद्यालय जगदलपुर	बी.एससी (बायो समूह)	रसायनशास्त्र	60	1	1	1
			प्राणीशास्त्र		1		1
			वनस्पतिशास्त्र		1	1	
		बी.एससी. (गणित समूह)	गणित	60	1		
			भौतिकशास्त्र		1	1	1
10	शासकीय शहीद बापूराव पी.जी. महा. सुकमा	बी.ए.	भूगोल	40	2	1	1
11	शासकीय भानुप्रतापदेव पी.जी. महाविद्यालय कांकेर	बी.ए	मानव विज्ञान	30	1		
		बी.एस.सी (बायो समूह)	सूक्ष्मजीव विज्ञान	40	1	1	1
12	शासकीय बिलासा कन्या पी.जी.0 महा. बिलासपुर	बी.एस.सी	कम्प्यूटर साईस	30	2	1	1
13	शासकीय महा. सीपत	बी.सी.ए	कम्प्यूटर एप्लीकेशन	40	1	1	1
14	शास. माताशबरी नवीन कन्या महा. बिलासपुर	बी.ए	भूगोल	50	2	1	1

कार्यालय आयुक्त...
ब्लाक सी–30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती ...
नया रायपुर (छ0ग0)

क्रमांक– 33 /05/आउशि/योजना/2016 नया रायपुर, दिनांक 08/07/2016

प्रति, प्राचार्य,
समस्त संबंधित महाविद्यालय
छत्तीसगढ़।

विषय :– प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सत्र 2016–17 से प्रवेश मार्गदर्शिका के कंडिका 3.1 के अनुसार विभिन्न विषय/पाठ्यक्रम में निर्धारित सीट संख्या में सीट वृद्धि बाबत्।

संदर्भ :– अवर सचिव, उच्च शिक्षा विभाग का पत्र कमांक एफ 3–33/2015/38–1 नया रायपुर, दिनांक 05.07.2015

——00——

कृपया उपरोक्त संदर्भित के द्वारा प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सत्र 2016–16 में प्रवेश मार्गदर्शिका की कंडिका 3.1 के अनुसार विभिन्न विषय/पाठ्यक्रम में निर्धारित सीट संख्या में वृद्धि करने की सशर्त अनुमति प्रदान की गई है। पत्र की छायाप्रति संलग्न कर आवश्यक कार्यवही हेतु प्रेषित है।

संलग्न – उपरोक्तानुसार।

(डॉ. किरण गजपाल)
संयुक्त संचालक
उच्च शिक्षा, रायपुर (छ0ग0)

पृ.क. 34 /05 /आउशि/योजना/2016 नया रायपुर, दिनांक 08/07/2016

प्रतिलिपि :–

1. अवर सचिव, छ.ग.शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नया रायपुर की ओर संदर्भित पत्र के संबंध में सूचनार्थ।
2. कुलसचिव, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर/बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर/बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर/सरगुजा विश्वविद्यालय, अम्बिकापुर एवं दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग की ओर सूचनार्थ।
3. प्राचार्य, समस्त अग्रणी महाविद्यालय, छत्तीसगढ़ की ओर सूचनार्थ।

संयुक्त संचालक
उच्च शिक्षा, रायपुर (छ0ग0)

क्र.	महाविद्यालय का नाम	कक्षा का नाम	सीट संख्या
1	2	3	4
		बी.एस.सी. प्रथम वर्ष	40
		बी.ए. प्रथम वर्ष	40
52	शा.पी.जी. महाविद्यालय दन्तेवाड़ा, जिला दन्तेवाड़ा	बी.एस.सी. प्रथम वर्ष (बायो.)	40
		बी.एस.सी. (बायो समूह) प्रथम वर्ष	20
53	शासकीय अरविन्द महाविद्यालय किरन्दुल, जिला दन्तेवाड़ा	बी.एस.सी. (गणित समूह)प्रथम वर्ष	20
		पी.जी.डी.सी.ए.	20
54	शा.ई.रा.रा विज्ञान महा. बिलासपुर, जिला बिलासपुर	बी.एस.सी. आई.टी. प्रथम	10
		एम.ए. हिन्दी	20
		एम.ए. अंग्रेजी	20
		एम.ए. अर्थशास्त्र	20
		एम.ए. भूगोल	20
		एम.ए. इतिहास	20
		एम.ए. समाजशास्त्र	20
55	शासकीय बिलासा कन्या पी.जी. महाविद्यालय बिलासपुर, जिला बिलासपुर	एम.ए. राजनीतिशास्त्र	20
		एम.एस.सी. रसायनशास्त्र	10
		एम.एस.सी. प्राणीशास्त्र	10
		एम.एस.सी. वनस्पतिशास्त्र	10
		एम.एस.सी. गणित	10
		एम.एच.एस.सी. सी.एन.	10
		एम.एच.एस.सी. एच.डी.	10
		बी.ए. प्रथम वर्ष	40
56	शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर, जिला बिलासपुर	बी.कॉम प्रथम वर्ष	40
		पी.जी.डी.सी.ए.	10
		एम.ए. पूर्व हिन्दी	10
57	शासकीय महाविद्यालय लोरमी, जिला मुंगेली.	एम.ए. पूर्व राजनीतिशास्त्र	10
58	शा.महावि., सरगांव, जिला मुंगेली.	बी.एस.सी. (बायो) प्रथम वर्ष	20
59	शासकीय महाविद्यालय कोतरी, जिला मुंगेली.	बी.एस.सी. प्रथम वर्ष	20
		बी.ए. प्रथम वर्ष	20
60	शा.महा. पथरिया, जिला मुंगेली.	बी.एस.सी. (बायो) प्रथम वर्ष	10
61	शासकीय एम.एम.आर. पी.जी. महाविद्यालय, चाम्पा जिला जांजगीर चाम्पा	बी.एस.सी. प्रथम वर्ष	40
		बी.एस.सी. टसर प्रथम वर्ष	10
		बी.एस.सी. कम्प्युटर साईंस प्रथम	10

C1(L89)R

CamScanner

पंजीयन प्रपत्र

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

01 एवं 02 मार्च, 2017

"सामाजिक न्याय युक्त आर्थिक विकास"
"Samajik Nyay Yukt Arthik Vikas"

प्रतिभागी का नाम : ____________

पदनाम एवं विभाग : ____________

जन्म तिथि : ____________

संस्था का नाम : ____________

पत्राचार का पता : ____________

पिन नं. ____________

दूरभाष (कोड नं.सहित) : ____________

मोबाइल नं. : ____________

शोध पत्र का शीर्षक : ____________

नगद / बैंक ड्राफ्ट क्रमांक, तिथि व बैंक : ____________

आगमन तिथि : ____________ प्रस्थान तिथि : ____________

आवास व्यवस्था चाहते हैं - हाँ / नहीं

पंजीयन शुल्क : प्राध्यापक एवं अकादमी गण 600/-
शोधार्थी 300/- विद्यार्थी 200/-

दिनांक .... हस्ताक्षर

नोट : इस पंजीयन प्रपत्र की छायाप्रति भी पंजीयन हेतु मान्य होगी।
सहभागी अपनी सहमति ई-मेल के माध्यम से भी भेज सकते है
E-mail : ecoworkshopgmsngc1989@gmail.com

शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

राष्ट्रीय कार्यशाला

"सामाजिक न्याय युक्त आर्थिक विकास"
"Samajik Nyay Yukt Arthik Vikas"

01 एवं 02 मार्च 2017

प्रति,

श्री / श्रीमती / प्रा. / डॉ. ____________

बुक पोस्ट

Govt. M.S. Naveen Girls College ★ Bilaspur (C.G.)

प्रेषक :
डॉ. श्रीमती मंजु त्रिपाठी
प्राचार्य/संरक्षक
शास. माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

"सामाजिक न्याय युक्त आर्थिक विकास"
"Samajik Nyay Yukt Arthik Vikas"

01 एवं 02 मार्च 2017

प्रायोजक :

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल (म.प्र.)

आयोजक :

शास.माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

संरक्षक :
डॉ. मंजु त्रिपाठी
प्राचार्य
शास.माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.), मो. 9039371036

आयोजन समिति

प्राचार्य एवं संरक्षक
डॉ. मंजु त्रिपाठी
9039371036

संयोजक
डॉ. एस.एन.दुबे
9907965825

सह संयोजक
डॉ. (श्रीमती) नाज बैंजामिन
9039343071

आयोजन सचिव
डॉ. डी.के.शुक्ला
9826340355

तकनीकी सत्र सचिव
प्रो. श्रीमती शोभा महिस्वर
9425548980

डॉ.आरती सिंह ठाकुर
9425219114

आयोजन समिति

डॉ. श्रीमती अर्चना शुक्ला	9826817473
डॉ. शशिकला सिन्हा	9424146362
डॉ. श्रीकान्त मोहरे	9424152496
प्रो. ललिता साहू	9425511552
प्रो. बेला महंत	9406122986

महोदय / महोदया,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय माता शबरी नवीन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 01 एवं 02 मार्च 2017 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के सहयोग से "सामाजिक न्याय युक्त आर्थिक विकास" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे।

प्रस्तावना–

सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक विकास की उपलब्धि भारत की आर्थिक नीति का एक प्रमुख आधार स्तम्भ रहा है। भारत के संविधान के नीति निर्देशक सिद्धान्तों में से यह कहा गया है कि राज्य विशिष्ट रूप से ऐसा नीति अपनायेगा जिससे आर्थिक व्यवस्था प्रशासन से जन साधारण के हितों के विरुद्ध धन एवं उत्पादन के साधनों का संकेन्द्रण ना हो सके। असमानताएं कम करने का यह नीति निर्देशक सिद्धान्त देश के आर्थिक विकास की पंचवर्षीय योजनाओं का एक उद्देश्य बन गया है दूसरी योजना के बाद भारत प्रत्येक पंचवर्षीय योजना में योजनाबद्ध विकास और सामाजिक न्याय के उद्देश्यों जैसे गरीबी उन्मूलन बेरोजगारी दूर करना आय एवं धन की असमानताओं को कम करने पर बल दिया जाता है।

चर्चा के प्रमुख बैचारिक बिन्दु :

1. छ.ग. में पलायन की समस्या एवं सामाजिक न्याय।
2. भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के उपबंधन।
3. आर्थिक विकास में समाज की भूमिका।
4. आर्थिक विकास और औद्योगिकरण।
5. आर्थिक विकास में लघु एवं कुटीर उद्योगों की भूमिका।
6. आर्थिक विकास एवं पर्यावरण।
7. धारणीय कृषि एवं आर्थिक विकास।
8. सामाजिक विकास में मनरेगा की भूमिका।
9. कुपोषण आर्थिक विकास पर प्रभाव।
10. गरीबी एवं आर्थिक विकास।
11. आर्थिक व्यवस्था में कैशलेस प्रणाली की उपादेयता।
12. साहित्य में आर्थिक शोषण की अभिव्यक्ति।
13. ब्रिटिश कालीन भारत में कृषि का वाणिज्यीकरण
14. जनसंख्या वृद्धि एवं खाद्य समस्या का ऐतिहासिक परक अध्ययन।

महाविद्यालय की स्थापना : महाविद्यालय की स्थापना सितम्बर 1989 में हुई। इसके उपरांत 2002 में वाणिज्य एवं बी.सी.ए. पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ वर्तमान में पाँच विषय क्रमशः हिन्दी, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर कक्षाएं संचालित हैं। साथ ही शासन द्वारा उपरोक्त पांचो विषय में प्राध्यापक पद स्वीकृत किया गया। वर्तमान में स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रूप में शासन द्वारा उन्नयन किया गया है।

बिलासपुर एक दृष्टि में :

बिलासपुर मुम्बई हावड़ा रेल लाईन पर राज्य की राजधानी व निकटतम हवाई अड्डा रायपुर से मिर्फ 120 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। बिलासपुर (छ.ग.) राज्य की संस्कारधानी व न्यायधानी के रूप में लोक विश्रुत है। यह एस.ई.सी.आर. व एस.ई.सी.एल. का मुख्यालय है। यह अपने आप में विराट पुरा वैभव को समेटे हुए है। यहां विभिन्न ऐतिहासिक पौराणिक व धार्मिक तीर्थ-स्थल है। यहा का सुरम्य वातावरण चित्ताकर्षक है। दिसम्बर एवं जनवरी का माह पर्यावरण की दृष्टि से यहां अत्यन्त ही रमणीय माना जाता है।

कैसे पहुंचे :

शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर रेल्वे स्टेशन से लगभग 8 कि.मी. दूरी पर बिलासपुर से सीपत जाने वाली रोड पर पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण के समीप स्थित है।

रूकने की व्यवस्था – दूसरे शहर से आने वाले प्रतिभागियों के ठहरने की व्यवस्था की जा सकती है इसके लिए आयोजन सचिव से पूर्व में ही संपर्क करना आवश्यक है।

सारांश एवं पूर्ण आलेख का आमंत्रण :

विषय के संबंध में शोधपरक सारांश 500 शब्दों में तथा पूर्ण आलेख 2000 शब्दों में अंग्रेजी Times New Roman Size 12 & Kruti Dev 010 हिन्दी में सी.डी. अथवा ई-मेल द्वारा 22 फरवरी तक एक हार्ड कॉपी के साथ पेपर आमंत्रित है, जिसमें विषय लेखक, सहलेखक, पूर्ण विवरण हो। निम्न पर मेल करें - **E-mail : ecoworkshopgmsngc1989@gmail.com**

यात्रा व्यय :

यू.जी.सी. के नियमानुसार शोध पत्र वाचक (45 वर्ष उम्र तक के) को ही साधारण द्वितीय श्रेणी रेल/बस का वास्तविक किराया यात्रा देयक के साथ टिकट संलग्न कर प्रस्तुत करने पर ही देय दिया जावेगा।

पंजीयन शुल्क :

1	प्राध्यापक एवं अकादमीशियन	-	600.00
2	शोधार्थी	-	300.00
3	विद्यार्थी	-	200.00

शुल्क का प्रकार :

बैंक ड्राफ्ट, प्राचार्य शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर के नाम से देय अथवा नगद स्वीकार्य है।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक – 28 / 02 / 2017

सूचना

महाविद्यालय के प्राध्यापक / सहा.प्राध्यापक / गन्थपाल / कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला दिनांक 01 एवं 02 मार्च को आयोजित है इस हेतु कल दिनांक 01 / 03 / 2017 को एवं 02 / 03 / 2017, को प्रातः 08:30 बजे उपस्थिति सुनिश्चित करे व सौपे गये कार्य का संपादन करे।

डॉ. श्रीमती मंजू त्रिपाठी
प्राचार्य
शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

नवभारत

बिलासपुर शनिवार 4 मार्च 2017

शिक्षा व्यवस्था न्याय का आधार है : सिं

नवीन कन्या महाविद्यालय में सामाजिक न्याययुक्त आर्थिक विकास विषय पर कार्यशा

बिलासपुर. शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा सामाजिक न्याययुक्त आर्थिक विकास विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई.

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, के कुलपति प्रो. वंश गोपाल सिंह ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा कि आर्थिक विकास का पूर्ण अर्थ है सामाजिक न्याययुक्त विकास विकास का केन्द्र व्यक्ति नहीं अपितु समाज होना चाहिए और शिक्षा व्यवस्था इस न्याय का आधार है विशिष्ट अतिथि के रूप में शा. जे.पी. मिश्रा स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय मुंगेली के प्राचार्य डॉ.ए.के. मुशरिफ, ने कहा कि कार्यशाला में विचार मंथन से निकले निष्कर्ष को क्रियान्वित करना आवश्यक है विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो.आर.के.ब्रम्हे, प्राध्यापक रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर ने भारत के सामाजिक व्यवस्था की तुलना बंगलादेश की सामाजिक व्यवस्था से करते हुए लिंग भेद को सामाजिक न्याय में प्रमुख बाधक तत्व बताया. डॉ.पी. आर.नायडू ने आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को विकास हेतु आवश्यक बताया. डॉ.सुनील कुमार कटनी म.प्र. ने अपना सारगर्भित उद्बोधन सामाजिक न्याययुक्त आर्थिक विकास विषय पर दिया. सत्र के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. गौरीदत्त शर्मा कुलपति बिलासपुर विश्वविद्यालय रहे. कार्यशाला के सफल आयोजन पर विशेष धन्यवाद दिया एवं महाविद्यालय में महाविद्यालय में सामाजिक- आर्थिक विकास पर छोटे कोर्स को लागू करने का सुझाव दिया. अध्यक्ष प्राचार्य डॉ.मंजु त्रिपाठी ने कहा कि कृषि की उपेक्षा से हमारे देश की अर्थ व्यवस्था का पतन हुआ. कार्यशाला के संयोजक डॉ.एल.एन.दुबे विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र ने विषय के चयन और समाज में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला. कार्यशाला के सचिव डॉ.डी.के.गुप्ता विभागाध्यक्ष ... ने धन्यवाद ज्ञापित किया. कार्य... डॉ.नाज बेन्जामिन, डॉ.अर्चना ... डॉ.आरती सिंह, डॉ.शशिकला ... प्रो.शोभा महिस्वर, प्रो.बेला म... ललिता साहू, डॉ.श्रीकान्त मोह... एल.यादव तथा समस्त कर्मचारी... एवं अन्य महाविद्यालयों से... प्राध्यापकगण के साथ बड़ी सं... शोधार्थियों एवं छात्राओं ने भाग ...

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्राध्यापिका.

बाधाओं के उपचा...

तृतीय सत्र में आज 02 मार्च... सागर विश्वविद्यालय से आ... के.डी. जैन ने अपना सारग... व्यवस्था- सामाजिक न्याय... आधारित आर्थिक व्यवस्था... वाली बाधाओं एवं उपचा... उपचार पर प्रस्तुत किया. ... से आये रविशंकर विश्वविद्या... के प्राध्यापक डॉ. सोनवेद ने... आधारित अर्थव्यवस्था पर ... जोर दिया.

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय,बिलासपुर (छ.ग.)

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ एवं प्रतिभागी की सूची

(सामाजिक न्याय युक्त आर्थिक विकास)

अर्थशास्त्र विभाग, दिनाँक –:मार्च 01–02–2017

क्र0	नाम	पद नाम
1	प्रो के. एल . जैन	सेवा नि. प्राध्यपक सागर म.प्र
2	डॉ. सुनील कुमार	प्राध्यापक शास. महा. कटनी म.प्र
3	डॉ. पी. आर. नायडु	सेवा नि. प्राध्यपक रायपुर छ.ग
4	डॉ. आर के ब्रम्हे	प्राध्यापक पं. रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर छ.ग
5	डॉ. बी. एल. सोनकर	ऐसोसियेट पं. रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर छ.ग
6	डॉ. मनीषा दुबे	प्राध्यापक गुरूघासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
7	डॉ. आशाकुमारी प्रसाद	एसोसिएट प्रोफेसर, रॉची वि. वि. रॉची झारखण्ड
8	डॉ. रेखा बागड़ें	सहा. प्रा. एम. एल बी महाविद्या. भोपाल म.प्र
9	कु. रोशनी मिश्रा	शोधार्थी, शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
10	श्री शकील आमिर खान	शोधार्थी, शास. शास. जे. पी. वर्मा. स्नातको. महाविद्यालय
11	डॉ. चंदना मित्तरा	प्रो. शास. महा. चिरमिरी
12	कु. राशि मित्तरा	छात्रा. शास. महा. चिरमिरी
13	कु. रीना तिवारी	शोधार्थी, शास. महा. चिरमिरी
14	कु. ए. भवानी राय	शोधार्थी, शास. महा. चिरमिरी
15	कु. दीपीका सिंह बैस	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
16	कु. भावना प्रसाद	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
17	कु. खुश्बू शाह	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
18	कु. बतीता पाण्डेय	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
19	कु. गरीमा कश्यप	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
20	कु. रूपाली भारद्वाज	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
21	कु. शालिय दीवान	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
22	सौरभ सोनी	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
23	कु. जया सुरिन	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
24	कु.अपूर्वा शर्मा	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
25	श्रीमती कल्पना पाठक	सा. प्रा. शास. महा विद्या. कोतरी
26	कु. सरिता सोनवानी	छात्रा. गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
27	कु. रूखमणी जायसवाल	छात्रा डी. पी . विप्र बिलासपुर
28	कु. कल्याणी रजवार	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
29	डॉ. मोनलिसा शर्मा	सा. प्रा. शास. महा विद्या. खरौद
30	डॉ. बी. आर चौकसे	सा. प्रा. शास. महा विद्या. खरौद
31	श्रीमती सीता रजक	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
32	डॉ. राजेश शुक्ला	सा. प्रा. सी. एम. डी कालेज बिलासपुर
33	डॉ. एम. एल. अग्रवाल	एच. ओ. डी. वाणिज्य, सी . एम. डी कॉलेज
34	डॉ. शारद चंद्र वाजपेयी	सा. प्रा. सी. एम. डी कालेज बिलासपुर
35	डॉ. अरूणंधति शर्मा	एच. ओ. डी. राजनीतिशास्त्र, सी . एम. डी कॉलेज
36	सुति तिवारी	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग

Govt. M. S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

37	कु. शकुतला साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
38	कु.मोनिका यादव	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
39	कु. पुष्पा साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
40	सुहनिल याकूब	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
41	मसरत जबिना	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
42	मौहम्मद सलिम	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
43	कु. सगीता लिबर्टी	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
44	कु. सुधा लिबर्टी	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
45	कु. मोनिका साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
46	कु.शशिकला सूर्यवशी	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
47	कु.शकुतला सूर्यवंशी	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
48	कु.रश्मि सिंह	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
49	कु.पूर्णिमा साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
50	कु.नंदिनी साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
51	डॉ. विष्णु वर्मा	सा. प्रा. शास. महा विद्या. अकलतरा
52	प्रो. जयनारायण कुर्रे	सा. प्रा. शास. महा विद्या. अकलतरा
53	कु.मुक्ता कुमारी	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
54	मजूला जैन	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
55	डॉ. प्रतिमा बैस	सहा. प्रा. सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
56	पूर्णिमा साहू	शोधार्थी बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
57	कु.रूकमणी गेंदले	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
58	कु.पूजा लिबर्टी	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
59	कु.पद्मावती खोभे	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
60	कु.निधि मौर्य	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
61	कु.पुनम गौरहा	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
62	कु.पूजा थवाईत	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
63	कु.सरिता ध्रुव	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
64	कु.त्रिवेणी साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
65	कु.उर्मिला कश्यप	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
66	श्रीमती वदना राठौर	सा. प्रा. शास. महा विद्या. अकलतरा
67	श्रीमती अमिता सक्सेना	सा. प्रा. शास. महा विद्या. अकलतरा
68	डॉ. ऋचा राठौर	सा. प्रा. शास. महा विद्या. अकलतरा
69	श्रीमती सुरेला देवांगन	सा. प्रा. शास. महा विद्या. अकलतरा
70	गीता सिंह	सहा. प्रा. शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय बिलासपुर
71	अर्चना अग्रवाल	सहा. प्रा. शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय बिलासपुर
72	डॉ. नेहा दास	सहा. प्रा. शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय बिलासपुर
73	अमृता पाण्डेय	शोधार्थी शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय बिलासपुर
74	डॉ. आर. के बनर्जी	सा. प्रा. शास. महा विद्या. अकलतरा
75	कु.संतोषी साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
76	डॉ. कमलेश शुक्ला	सा. प्रा. सी. एम. डी कालेज बिलासपुर
77	डॉ. हेमचंद्र पाण्डेय	सा. प्रा. सी. एम. डी कालेज बिलासपुर
78	हंसा तिवारी	शोधार्थी प्रा. सी. एम. डी कालेज बिलासपुर

79	कु.सरिता रजक	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
80	कु.रश्मि देबागन	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
81	कु.अन्नू वैष्णव	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
82	अहमद दास	शोधार्थी शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
83	नम्रता घोरे	शोधार्थी शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
84	शौकत अहमद	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
85	डॉ. आलोक शुक्ला	प्रो. शास. महा. राजिम
86	अरूदपटो	सहा. प्रा. शास. महा. राजिम
87	कु.कविता साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
88	कु.रोशनी यादव	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
89	कु.ममता पटेल	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
90	कु.साधना	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
91	कु.ज्योति कौशिक	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
92	कु.आभा साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
93	कु.कोमल सैनी	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
94	डॉ. मंजूलता कश्यप	सहा. प्रा. शास. टी. सी. एल. महाविद्या. जांजगीर
95	डॉ. सुनिल कुमार शर्मा	सहा. प्रा. जे. पी. वर्मा. महाविद्या. बिलासपुर
96	डॉ. आलोक वर्मा	सहा. प्रा. जे. पी. वर्मा. महाविद्या. बिलासपुर
97	डॉ. रंजना गुप्ता	प्रा. जे. पी. वर्मा. महाविद्या. बिलासपुर
98	डॉ. किरण एक्का	सहा. प्रा. जे. पी. वर्मा. महाविद्या. बिलासपुर
99	प्रतिभा पाठक	शोधार्थी शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
100	ऋतु गौरहा	शोधार्थी शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
101	सुमित्रा मनहर	शोधार्थी शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
102	प्रत्यक्षा तिवारी	शोधार्थी शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
103	काजल ठाकुर	शोधार्थी, शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
104	कु.भुनेश्वरी साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
105	कु.पूनम अहिरवार	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
106	कु.शीला साहू	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
107	सतीश कुमार यादव	शोधार्थी गुरुघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
108	ब्रजकिशोर भारती	शोधार्थी गुरुघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
109	ऋचा श्रीवास्तव	शोधार्थी बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
110	अनुपम कुमार शर्मा	सहा. प्रा. शास. महाविद्या. आरंग
111	डॉ. हरिणी रानी आगर	सहा. प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
112	डॉ.एम. आर. आगर	सहा. प्रा. शास. महाविद्या. बिल्हा
113	श्री राजय कुमार अग्रवाल	सहा. प्रा. शास. महाविद्या. बिल्हा
114	डॉ. डी. एस. ठाकुर	प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
115	कु. शैवाली गोपाल	सहा. प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
116	कु. दामिनी निर्मलकर	शोधार्थी प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
117	कु. श्रुति शुक्ला	शोधार्थी प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
118	सोना राम वर्मा	सहा. प्रा. रविशंकर विश्व विद्यालय, रायपुर
119	कु.निर्मल कुमार बंजारे	छात्र रविशंकर विश्व विद्यालय, रायपुर
120	अरविंद कुमार	छात्र रविशंकर विश्व विद्यालय, रायपुर

Govt. M.S. Girls College Bilaspur (C.G.)

121	प्रताप सिंह नेताम	छात्र रविशकर विश्व विद्यालय, रायपुर
122	कु.वंदना तिवारी	छात्रा रविशकर विश्व विद्यालय, रायपुर
123	कु.लावन्यमयी दास	छात्रा रविशकर विश्व विद्यालय, रायपुर
124	डॉ. शरद देवांगन	सहा. प्रा. डी. पी. विप्र महाविद्या. बिलासपुर
125	वंदना सोनी	छात्रा गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
126	श्रीमती ब्रद्रवती निराला	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
127	थानुराम साहू	छात्रा रविशंकर विश्व विद्यालय, रायपुर
128	रोहित यादव	छात्रा रविशंकर विश्व विद्यालय, रायपुर
129	वैभव शंकर	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
130	यशवंत कुमार	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
131	कु.निकिता देवांगन	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
132	कु.स्नेहलता सिंह	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
133	डॉ. नीरज खरे	एच. ओ. डी. समाजशास्त्र , कला वाणिज्य महाविद्या. बलौदा
134	कु.वैशाली कोठारी	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
135	डॉ. स्वाती शर्मा	सहा. प्रा. डी. एल. एस. महाविद्या. बिलासपुर
136	डॉ. शिवदयाल पटेल	एच. ओ. डी. हिंदी , शा. महाविद्या. बरपाली
137	डॉ. आदित्य दुबे	शोधार्थी प्रा. सी. एम. डी कालेज बिलासपुर
138	डॉ. प्यारेलाल आदिले	प्राचार्य, कला विज्ञान महाविद्या. कटघोरा
139	कु. कमला राठौर	शोधार्थी शास. महाविद्यालय अनुपपुर
140	अभिषेक पाठक	सहा. प्रा. सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
141	डॉ. संगीता शुक्ला	सहा. प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
142	प्रा. इन्दुभानु सिंह	सहा. प्रा.,शास. महाविद्यालय बिल्हा
143	मजीदा	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
144	श्रीमती रेखा मखीजा	सा. प्रा. शास. महा विद्या. अकलतरा
145	प्रो. ललिता साहू	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
146	रमेश पाण्डेय	शास.प्रा. कौशलेन्द्र राव विधि महाविद्या. बिलासपुर
147	एस. आर. वड्डे	सा. प्रा. शास. महा विद्या. गोबरा नवापारा
148	उपेन्द्र कुमार वर्मा	सा. प्रा. शास. महा विद्या. अकलतरा
149	डॉ. के. के. शर्मा	एच. ओ. डी. अर्थशास्त्र, डी. पी. विधि महाविद्या. बिलासपुर
150	डॉ. विनोद अग्रवाल	उपसंचालक, उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर
151	डॉ. मनीष दीवान	सहा. प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय बिलासपुर
152	कु.प्रियंका यादव	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
153	कु.सरिता यादव	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
154	श्रीमती भारती टेकाम	शोधार्थी शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
155	प्रियका यादव	शोधार्थी, शास. महा विद्या. मस्तूरी
156	नसीमा बेगम	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
157	कु. रानु डउसेना	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
158	धर्मेन्द्र यादव	सा. प्रा. शास. नवीन कन्या महाविद्या. रायपुर
159	नमन गुप्ता	शेधार्थी डी. पी. विप्र. महाविद्या. बिलासपुर
160	रघुनंदन पटेल	शोधार्थी उच्चतर विद्या बलौदाबाजार
161	ज्ञानेश कुमार	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
162	अनामिका मिश्रा	छात्रा गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

163	मेघनाथ सिदार	शोधार्थी शा. उच्चतर विद्या. भवनपुर
164	इन्दर केरकेटा	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
165	डॉ. उषा तिवारी	सा. प्रा. शास. विज्ञान महाविद्या. बिलासपुर
166	डॉ. अविनाश कुमार	सा. प्रा. शास. महाविद्या. पण्डातराई
167	डॉ. एस. के. जांगडे	सा. प्रा. शास. महाविद्या. लोरमी
168	आभा तिवारी	सहा. प्रा.डी. पी . विप्र बिलासपुर
169	श्रीमती तोषिमा मिश्रा	सहा. प्रा.डी. पी . विप्र बिलासपुर
170	डॉ. एम. एस. तम्बोली	सहा. प्रा.डी. पी . विप्र बिलासपुर
171	श्रवण कुमार सिंह	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
172	डॉ. सुधीर यादव	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
173	श्रीमती सुषमा उपाध्याय	सहा. प्रा.गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
174	सुमन लकड़ा	शोधार्थी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
175	विक्रम सिंह	सहा. प्रा.गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
176	किरण साहू	शोधार्थी पी. एन. एस. महाविद्यालय बिलासपुर छ.ग
177	डॉ. सजीव कुमार	प्राचार्य पी. एन. एस. महाविद्यालय बिलासपुर छ.ग
178	निखिल यादव	शोधार्थी मोतिलाल नेहरू संस्थान इलहाबाद
179	अनुपम श्रीवास्तव	शोधार्थी
180	श्रीमती अर्चना अग्रवाल	सहासंचालक, उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर
181	डॉ. नमिता शर्मा	सहा. प्रा.गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
182	डॉ. राजभानु पटेल	सीटी मिशन मैनेजर, बिलासपुर नगर निगम
183	श्री अनिल तिवारी	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
184	वेला महंत	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
185	श्रीमती शकुतला राज	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. शक्ति
186	श्रीमती उमा नदिनी	सहा.प्रा. शा. महाविद्या, मालखरौदा
187	डॉ. पी. डी. महंत	प्रभारी प्राचार्य शा. महाविद्या. जैजेपुर
188	सृजन महंत	छात्रा सी. एम. डी महाविद्या. बिलासपुर
189	डॉ. श्रीमती संजू पाण्डेय	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. कोटा
190	प्रों. गितेष जैन	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. कोटा
191	प्रों. पूजा शर्मा	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. कोटा
192	श्रीमती विनयप्रभा मिंज	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. कोटा
193	प्रथा शर्मा	अतिथि व्याख्याता .शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
194	श्रीमती प्रीति पटेल	अतिथि व्याख्याता .शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
195	श्रीमती अनिता बरगाह	अतिथि व्याख्याता .शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
196	डॉ. दीपक शुक्ला	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
197	डॉ. अर्चना शुक्ला	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
198	डॉ. एल. एन. दुबे	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
199	डॉ. नाज बेन्जामिन	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
200	डॉ. मधुमति सरोटे	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
201	डॉ. शशिकला सिंहा	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
202	डॉ. शोभा महिस्वर	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
203	रेखा प्रधान	अतिथि व्याख्याता .शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
204	डॉ. श्रीकांत मोहरे	ग्रंथपाल .शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर

205	विद्या मिश्रा	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
206	डॉ. श्वेता पंड्या	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. सीपत
207	डॉ. आरती सिंह ठाकुर	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
208	कु. नेहा वर्मा	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
209	डॉ. मंजू माधुरी बाजपेयी	सहा.प्रा. शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर
210	डॉ. भावना कमाने	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. रतनपुर
211	आरती तिवारी	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
212	ज्योति नामदेव	सहा. प्रा गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
213	शिवम	सहा. प्रा.गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
214	संदीप	सहा. प्रा.गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
215	संज्ञा	सहा. प्रा.गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
216	पूर्णिमा वैष्णव	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
217	हंसा क्षत्री	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
218	दिव्या श्रीवास्तव	शोधार्थी सी. वी रमण विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग
219	सुश्री डॉ. नीतू हरमुख	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. रतनपुर
220	श्री देवलाल उईके	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. रतनपुर
221	डॉ. जयश्री शुक्ला	प्राध्यापक, शा. जे. पी. वर्मा महाविद्यालय बिलासपुर
222	श्रीमती शिल्पा यादव	सहा.प्रा. शा. महाविद्या. रतनपुर
223	डॉ. माया यादव	सहा. प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
224	डॉ. अम्बुज पाण्डेय	सहा. प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
225	डॉ. प्रतिभा बाजपेयी	सहा. प्रा.,शास. बिलासा कन्या महाविद्यालय
226	कु. दिव्या तिवारी	छात्रा शा. माता शबरी नवीन कन्या बिलासपुर

संयोजक
दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

Govt. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

TWO DAYS NATIONAL WORKSHOP

ON

"SAMAJIK NYAY YUKT ARTHIK VIKAS"

ज्ञान - विज्ञान विमुक्तये

1ST-2RD MARCH, 2017

Organized By :

DEPARTMENT OF ECONOMICS,

GOVT. MATA SHABARI NAVEEN GIRLS P.G. COLLEGE, BILASPUR (C.G.)

Sponsored By :

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION, CRO - BHOPAL (M.P.)

Certificate

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms./Mrs. _____

of _____ has delivered an invited talk/provided hands on / presented paper entitled _____

in Two days National Workshop on **"Samajik Nyay Yukt Arthik Vikas"**, Sponsored by University Grants Commission, Cro-Bhopal held on March 1st -2nd, 2017.

(Dr. L.N. Dubey)
Convenor

(Dr. D.K. Shukla)
Organising Secretary

Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

(Dr. Manju Tripathi)
Principal

एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (मनोविज्ञान विभाग)

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (अर्थशास्त्र विभाग)

S. Naveen Girls College Govt. Bilaspur (C.G.)

एक दिवसीय कार्यशाला

क्रमांक	नाम	पद	संस्था
1.	अपूर्वा शर्मा	शोधार्थी	सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी बि
2.	शिवाकांत इजारदार	सहा० प्रा० (अंग्रेजी)	शा० महात्मा गाँधी कला एवं वा महाविद्यालय खरसिया
3.	श्रीमती रेखा मखीजा	सहा० प्रा० (अर्थशास्त्र)	शा० इन्द्रजीत सिंह महाविद्या अकलतरा
4.	सृजन महंत	विद्यार्थी (एम.एस्सी)	सी० एम० डी० महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
5.	प्रो० डॉ० चन्दना मित्रा	प्रो० (विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र)	शासकीय लहरी महाविद्याल चिरमिरी जिला कोरिया छ
6.	प्रो० डॉ० पी०डी० महंत	प्रभारी प्राचार्य	शा० नवीन महाविद्यालय जैजैपुर, जिला जांजगीर चा
7.	ममता अवस्थी	(विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान)	होली क्रास वुमेन्स महाविद्य अम्बिकापुर
8.	श्रीमती दिव्या सिंह	सहा० प्रा०	होलीक्रास वुमेन्स महाविद्या अम्बिकापुर
9.	श्रीमती निशा अग्रवाला	सहा० प्रा०	होलीक्रास वुमेन्स महाविद्य अम्बिकापुर
10.	प्रो० मंजरी शर्मा	सहा० प्रा०	राजीव गाँधी स्नातक महा अम्बिकापुर

Naveen Girls College Bhaspur (C.G.)

विषय :- मनोविज्ञान INTERPERSONAL PSYCHOLOGY

Page 5

दिनांक :- 15.02.2017, समय :- 8am to 5.30pm

विषय (Topic)	पंजीयन शुल्क	हस्ताक्षर	प्रमाण. वितरण.
Interpersonal relationship of student & teacher	300/-	[signature]	[signature]
सामाजिक समायोजन युवावस्था के सन्दर्भ में	500/-	– [signature]	
मनोचिकित्सा की आवश्यकता	500/-	–	[signature]
साइको किलर - उदयन केस स्टडी	100/-	–	
	500/-	For Ajay [signature]	[signature]
सामाजिक समायोजन बालकावस्था के सन्दर्भ में	500/-	[signature]	
Interpersonal therapy and Interpersonal relationship in a	500/-	Aastha	[signature]
-"-	500/-	Aastha	
-"-	500/-	Aastha	प्रमाण
Necessity of mutual support for heathy child parent relationship	500/-	Aastha	

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

187.	नाम	पद	संस्था
187	Sanjay Dubey	Research Scholar	DLS PG college
188	डॉ कौशिल्या साहू	सहा. प्रा.	शा. महाविद्यालय गेवरा नयापारा
189	डॉ. स्वाति मिश्रा	शोधार्थी	पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय
190	डॉ दिपक शुक्ला	सहा प्रा.	शा. मा. श्र. स्ना. कन्या महाविद्यालय
191	श्री डा. धर्मेन्द्र यादव	सहा. प्रा.	शा. राधाबाई कन्या महाविद्यालय रायपुर

S. Naveen Arts College Bilaspur C.G.

Page 41

Topic	पंजीयन शुल्क	हस्ताक्षर	प्राध्यापक ह.
	300/-	[signature]	[signature]
माता-पिता एवं बच्चों के अंतः संबंध	500/-	[signature]	
	300/-	[signature]	[signature]
मनस्ताप	500/-	[signature]	[signature]
अभिभावक-बालक संबंध			

Govt. M.S. Naveen Girls College ★ Bilaspur (C.G.)

[signature]
HOD Psychology

ONE DAY

NATIONAL WORKSHOP

ON

ज्ञान - विज्ञान विमुक्तये

"INTERPERSONAL PSYCHOLOGY THERAPY"

15th FEBRUARY 2017

Organized By :

GOVT. MATA SHABARI P.G. NAVEEN GIRLS' COLLEGE,

BILASPUR (C.G.)

[NAAC Accredited 'B', CGPA. 2.53]

Sponsored By :

UNIVERSITY GRANT COMMISSION, CRO - BHOPAL (M.P.)

One Day
NATIONAL WORKSHOP
(15th February 2017)
ON
"INTERPERSONAL PSYCHOLOGY THERAPY"

Name _____

Institute _____

GOVT. MATA SHABARI
P.G. NAVEEN GIRLS' COLLEGE,BILASPUR (C.G.)

Naveen Girls College ★ Govt. M.S. Bilaspur (C.G.)

UGC SPONSORED NATIONAL WORKSHOP

(February 15, 2017)

GOVT. MATA SHABARI P.G. NAVEEN GIRLS' COLLEGE, BILASPUR (C.G.)

(NAAC ACCREDITED 'B', CGPA. 2.53)

REGISTRATION FORM

1. Name : ____________
2. Mailing Address & : ____________

   Phone No. ____________

   ____
3. Accompanying Person (s) : ____________
4. Name of the isntitution : ____________

   ____
5. Title of the Research Paper : ____________

   ____

   ____
6. Whether accomodation is needed : Yes/No.
7. Registration Fees with detial : (DD/Bank Draft)

   ____

   ____
8. Date and Time of arrival : ____________
9. Date of Departure : ____________
10. Date of Birth : ____________

Govt. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

Date __/__/2017 **(Signature of the Participant)**

(Xerox Copy of this form can also be used)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक – 27/01/2017

सूचना

महाविद्यालय के प्राध्यापक/सहा.प्राध्यापक/ग्रन्थपाल/कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि कल दिनांक 28/01/2017 को प्राचार्य कक्ष में दोपहर 03:15 बजे मनोविज्ञान कार्यशाला के संबंध में बैठक आयोजित की गई है जिसमें सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

27.01.17

डॉ. श्रीमती मंजु त्रिपाठी
प्राचार्य
शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

Convenor

Benjamin

27.01.17

27/1/17

27.1.17

27/1/2017

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

patrika.com
पत्रिका . बिलासपुर . बुधवार .15.02.2017

अन्तः वैयक्तिक मनोविज्ञान चिकित्सा पर कार्यशाला आज

बिलासपुर @ पत्रिका. शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग द्वारा अन्तः वैयक्तिक मनोविज्ञान चिकित्सा विषय पर 15 फरवरी को कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिलासपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जीडी शर्मा होंगे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य

Govt. M.S. Naveen Girls College ★ Bilaspur (C.G.)

(2)

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

पुराना हाईकोर्ट भवन, बिलासपुर (छ.ग.) 495001,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : bilaspur.university2012@gmail.com,
वेबसाईट : www.bilaspuruniversity.ac.in

बिलासपुर दिनांक 28/9/2015

क्र. 2984 /अका./2015

आदेश

महाविद्यालय से प्राप्त आवेदन एवं विश्वविद्यालय निरीक्षण समिति की अनुशंसा को मान्य करते हुए शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) को राजनीति विज्ञान, इतिहास एवं समाजशास्त्र विषय में शोध केन्द्र के रूप में आदेश जारी होने की तिथि से तीन वर्ष के लिये मान्यता प्रदान किया जाता है।

महाविद्यालय को अध्यादेश कमांक–42 के प्रावधानानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए शोध केन्द्र की स्थापना हेतु निर्धारित सम्बद्धता शुल्क की राशि विश्वविद्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।

आदेशानुसार,

कुलसचिव

बिलासपुर, दिनांक 28/9/2015

पृ.कमांक 2985 /अका./2015

प्रतिलिपिः–

1. कुलपति के निज सहायक को माननीय कुलपति महोदय के सूचनार्थ प्रेषित।
2. परीक्षा नियंत्रक / उप–कुलसचिव (परीक्षा/गोपनीय) को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।
3. डॉ. पी.के. पाण्डेय, प्राचार्य एवं अधिष्ठाता– समाज विज्ञान संकाय, शास. महाविद्यालय, हसौद, जिला–जांजगीर–चांपा को सूचनार्थ प्रेषित ।
4. प्राचार्य, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

कुलसचिव

विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, इतिहास, समाजशास्त्र मान्य शोध केन्द्र स्वीकृति ... फाइल 01/10/15

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

BILASPUR UNIVERSITY, BILASPUR (C.G.)

Old High Court Building Bilaspur
Phone-07752-220033 Fax 07752-220031
Email-bilaspur.University2012@gmail.com Website: bilaspurunversity.ac.in

No. 1816 /DRC/ACAD/2015 Bilapsur, Dated 16.12.21

Notification

As per the provision of section 3(e) of the ordinance 42 of Bilaspur Vishwavidyalaya, Bilaspur the Departmental Research Committees of different subjects are hereby constituted as follows:

S.No.	Subject	Name of the college approved for conducting DRC of the Subject	Members
1	Physics	Govt. E.R.R. Science College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
2	Chemistry	Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur (C.G.)	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
3	Botany	Govt. E.R.R. Science College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
4	Microbiology	Bilaspur University, Bilaspur (UTD)	Head Deptt. Of Microbiology Bilaspur University, Bilaspur – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
5	Zoology	Govt. E.R.R. Science College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
6	Mathematics	Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
7	English	Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
8	Hindi	Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
9	Sociology	Govt. J.P. Verma P.G. College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
10	Political Science	Govt. J.P. Verma P.G. College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
11	Commerce	Govt. J.P. Verma P.G. College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members

HOD Deptt of History 21/12/15

Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

12	Geography	Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
13	Education	Institute of Advance Studies in Education, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
14	Economics	Govt. T.C.L. College, Janjgir	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
15	History	Govt. Mata Shabari Girl College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
16	Home Science	Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur	Principal of the college – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members
17	Computer Science	Bilaspur University, Bilaspur (UTD)	Head Deptt. Of Computer Science Bilaspur University, Bilaspur – Chairperson All supervisors of the subject approved by Research Degree Committee - Members

By Order,

Registrar
Bilaspur Vishwavidyalaya,
Bilaspur (C.G.)

Endt.No. 1817 /DRC/ACAD/2015 Bilapsur, Dated 16/12

Copy forwarded for information to –

1. Honourable V.C., Bilaspur Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)
2. Principal, Govt. E.R.R. Science College, Bilaspur / Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilsapur / Govt. J.P. Verma P.G. College, Bilaspur / Govt. Mata Shabari Girls College, Bilaspur / Govt. T.C.L. College, Janjgir / Institute of Advance Studies in Education Bilaspur (C.G.)
3. Head, Deptt. of Microbiology / Computer Science UTD, Bilaspur University, Bilaspur (C.G.)
4. Controller of Examination, Bilaspur University, Bilaspur (C.G.)
5. Finance officer, Bilaspur Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)
6. All approved supervisors of Bilaspur University, Bilaspur (C.G.)
7. Principals of all research centres.
8. Deputy Registrar (Acad.) for information & necessary action.

Registrar

3.1.2.1

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

ATAL BIHARI VAJPAYEE VISHWAVDYALAYA, BILASPUR (CHHATTISGARH)

Website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Ref. No. 1569/Acad./Ph.D./2019 **Bilaspur, Date 26-12-2019**

NOTIFICATION

As per decision taken in the meeting of Research Degree Committees of different subjects held on 06th February, 2015 under clause - 4 of Ph. D. ordinance – 42 that later approved in the meetings of Academic council & Executive council held on 06:02:2015 and 21:04:2015 respectively, subject wise list of the recognized Research Supervisors, existed as on date are given below –

Subject	Sl. No.	Name & Designation of Research Supervisor	Research center of Research Supervisor
Mathematics	01	Dr. U. K. Shrivastava Professor	Govt. E. Raghavendra Rao PostgraduateScience College, Bilaspur
	02	Dr. Aradhana Sharma Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College Bilaspur
	03	Dr. Smt. Premlata Verma Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College Bilaspur
	04	Dr. G. S. Sao Asstt. Professor	Govt. E. Raghavendra Rao Postgraduate Science College, Bilaspur
	05	Dr. Chandrajeet Singh Asstt. Professor	Govt. Jajwalyadev Girls College Janjgir
Physics	01	Dr. Rajiv Shankar Kher Professor	Govt. E. Raghavendra Rao Postgraduate College, Bilaspur
	02	Dr. Manendra Mehta Professor	Govt. E. Raghavendra Rao Postgradnate Science College, Bilaspur
	03	Dr. P. S. Chaudhary Asstt. Professor	C. M. Dubey PG. College Bilaspur
	04	Dr. Vinit Nayar Asstt. Professor	C. M. Dubey PG. College Bilaspur
	05	Dr. P. K. Shrivastava Asstt. Professor	C. M. Dubey PG. College Bilaspur
Botany	01	Dr. A. N. Bahadur Professor	Govt. E. Raghavendra Rao Postgraduate Science College, Bilaspur
	02	Dr. MrsVeenapani Dubey Asstt. Professor	C. M. Dubey PG. College Bilaspur
	03	Dr. N. K. Singh Asstt. Professor	Govt. Science & Arts College Sargaon
	04	Dr. D. K. Shrivastava Asstt. Professor	Govt. E. Raghavendra Rao Postgraduate Science College, Bilaspur
	05	Dr. Uttara Tiwari Asstt. Professor	Govt. E. Raghavendra Rao Postgraduate Science College, Bilaspur
	06	Dr. M. L. Jaiswal Asstt. Professor	D. P. Vipra College Bilaspur
	07	Dr. R. P. Sharma Asstt. Professor	D. P. Vipra College Bilaspur
	08	Dr. Shikha Pahare Asstt. Professor	D. P. Vipra College Bilaspur
	09	Dr. K. P. Namdeo Asstt. Professor	Govt. N. K. College Kota

M.S. Mayeen Girls College Govt. Bilaspur (C.G.)

Zoology	01	Dr. ShubhadaRahalkar Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	02	Anju Tiwari Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	03	Dr. Rashmi Sao Professor	Govt. E. R. R. PG. Science College, Bilaspur
	04	Dr. K. R. Sahu Asstt. Professor	Govt. E. R. R. PG. Science College, Bilaspur
	05	Dr. Vinod Kumar Gupta Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
Chemistry	01	Dr. Mrs. Kiran Bajpai Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	02	Dr. Pramod Kumar Singh Asstt. Professor	Govt. T. C. L. College, Bilaspur
	03	Dr. Marshal Reni Augur Asstt. Professor	Govt. College, Bilha
	04	Dr. Mukul Kumar Singh Asstt. Professor	Govt. College, Bilha
	05	Dr. Sharad Kumar Vajpai Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	06	Dr. Manish Kumar Tiwari Asstt. Professor	D. P. Vipra College, Bilaspur
	07	Dr. Mrs. Kiran Thakur Asstt. Professor	Govt. College, Masturi
	08	Dr. Ambuj Pandey Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	09	Dr. A. L. S. Chandel Asstt. Professor	Govt. E. R. R. PG. Science College, Bilaspur
	10	Dr. RenuNayer Asstt. Professor	D. P. Vipra College, Bilaspur
	11	Dr. Madan Murari Asstt. Professor	Gramya Bharti Vidyapith Hardi Bazar
	12	Dr. Dhanesh Singh Asstt. Professor	K. G. College, Raigarh
	13	Dr. Mrs. Rita Bajpai Asstt. Professor	Govt. J. P. M. College, Mungeli
	14	Dr. Ku.Chinmoyee Rani Das Professor	Govt. College, Saragaon
Microbiology	01	Dr. D. S. V. G. K. Kaladhar Associate Professor	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur
	02	Dr. D. K. Shrivastava Asstt. Professor	Govt. E. R. R. PG. Science College, Bilaspur
	03	Dr. Smt. Rashmi Parihar Asstt. Professor	Govt. E. R. R. PG. Science College, Bilaspur
Computer Science	01	Dr. H. S. Hota AssociateProfessor	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur
Education	01	Dr. Smt. Nishi Bhambri Professor	Govt. Edu. College, Bilaspur
	02	Dr. Kshama Tripathi Asstt. Professor	Govt. Edu. College, Bilaspur
	03	Dr. Rajana Chaturvedi Asstt. Professor	Govt. Edu. College, Bilaspur
	04	Dr. B. V. Ramana Rao Asstt. Professor	Govt. Edu. College, Bilaspur
	05	Dr. A. K. Poddar, Asstt. Professor	Govt. Edu. College, Bilaspur

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

Political Science	01	Dr. S. K. Yadav, Professor	Govt. College, Katghora
	02	Dr. Smt. Naaz Benjamin Professor	Govt. Naveen Girls College, Bilaspur
	03	Dr. S. L. Nirala, Professor	Govt. College, Barpali
	04	Dr. Smt. Arundhati Sharma Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	05	Dr. Sanjay Kumar Tiwari Asstt. Professor	Govt. J. P. Verma College, Bilaspur
	06	Dr. Smt. Maya Yadav, Asstt. Prof.	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	07	Dr. Govardhan Singh Dhruwe Asstt. Professor	Govt. College, Patharia
	08	Dr. Hemchandra Pandey, Asstt. Prof	C. M. D. College, Bilaspur
	09	Dr. Smt. Deep Shikha Shukla Professor	Govt. J. P. Verma College, Bilaspur
	10	Dr. Mukta Dubey, Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
Hindi	01	Dr. Rajesh Chaturvedi, Professor	Govt. College, Masturi
	02	Dr. D. S. Thakur, Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	03	Dr. Nandini Tiwari , Asstt. Professor	Govt. J. P. Verma College, Bilaspur
	04	Dr. Alka Pant, Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	05	Dr. Shivendra Narayan Tiwari, Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	06	Dr. P. D. Mahant, Asstt. Professor	Govt. College, Jaijaipur
	07	Dr. Smt. Harini Rani Augur Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	08	Dr. Heera Lal Sharma Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	09	Dr. Devendra Shukla Asstt. Professor	JLN College, Sakti
	10	Dr. Smt. Archana Singh Asstt. Professor	K. N. College, Korba
	11	Dr. Smt. Kamaljit Shrivastava Asstt. Professor	Govt. College, Patharia
Economics	01	Dr. P. K. Pandey, Professor	Govt. College, Hasod
	02	Dr. Smt. Manjulata Kashyap Asstt. Professor	Govt. T. C. L. College, Janjgir
	03	Dr. K. K. Sharma, Asstt. Professor	D. P. Vipra College, Bilaspur
History	01	Dr. Kamlesh Shukla Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	02	Dr. Smt. Shashikala Sinha Asstt. Professor	Govt. Naveen Girls College, Bilaspur
Commerce	01	Dr. Sudhir Kumar Sharma Professor	Govt. J. P. Verma College, Bilaspur
	02	Sa[illegible] Kumar Agrawal, Professor	Govt. M. D. P. College, Katghora
	03	Dr. [illegible] K. [illegible]rma, Professor	P. N. S. College, Bilaspur
	04	Dr. Rajesh Kumar Shukla Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	05	Dr. Sh[illegible] Chandra Bajpai Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	06	Dr. [illegible] Agrawal, Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	07	Dr. [illegible]ya Kumar Dubey Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	08	Dr. [illegible] M. Dandekar, Asstt. Professor	Govt. M. M. R. College, Champa
	09	Dr. [illegible] Singh, Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	10	Dr. Sha[illegible] Kumar Dewangan Asstt. Professor	D. P. Vipra College, Bilaspur

Govt. M.S. Naveen Girls College, Bilaspur (C.G.)

Sociology	01	Dr. Kamal Kishore Agrawal Professor	Govt. J. P. Verma College, Bilaspur
	02	Dr. Smt. Tara Sharma Professor	Govt. Minimata Girls College, Korba
	03	Dr. J. K. Mehta Asstt. Professor	Govt. College, Haldibazar
	04	Dr. Kaleshwar Prasad Kurrey Asstt. Professor	Govt. T. L. C. College, Jajgir
	05	Dr. Smt. Archana Shukla Asstt. Professor	Govt. Naveen College, Bilaspur
	06	Dr. Smt. Durga Bajpai Asstt. Professor	Govt. College, Masturi
	07	Dr. Sharad Dubey Asstt. Professor	Govt. College, Lormi
	08	Dr. K. B. Singh Asstt. Professor	D. P. Vipra College, Bilaspur
	09	Dr. U. S. Shrivastava Asstt. Professor	Govt. College, Patharia
	10	Dr. Smt. Nishi Singh Asstt. Professor	Govt. J. P. Verma College, Bilaspur
	11	Dr. Chandana Mitra Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	12	Dr. Mahesh Pandey Asstt. Professor	Govt. J. P. Verma College, Bilaspur
	13	Dr. Anil Kumar Asstt. Professor	Govt. College, Patharia
	14	Dr. Smt. Sadhana Khare Professor	Govt. E. V. P. G. College, Korba
	15	Dr. Mrs. Vrinda Sengupta Asstt. Professor	Govt. T. C. L. College, Janjgir
	16	Dr. Abhijit Bhowmick Professor	Lal Bahadur College, Baloda
	17	Dr. Smt. Anju Shukla Asstt. Professor	D. P. Vipra College, Bilaspur
Home Science	01	Dr. Smt. Seema Mishra Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
Geography	01	Dr. Santram Kamlesh Professor/Principal	Govt. College, Seepat
	02	Dr. D. D. Kashyap, Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	03	Dr. Vijay Kumar Tiwari Assitt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	04	Dr. Smt. Geeta Singh Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	05	Dr. Vimal Kumar Patel Asstt. Professor	D. P. Vipra College, Bilaspur
	06	Dr. Smt. Sangeeta Shukla Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	07	Dr. Smt. Kaveri Dabhadker Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	08	Dr. Smt. Manju Pnadey Asstt. Professor	Govt. J. P. Verma College, Bilaspur
	09	Dr. Smt. Sushila Ekka, Asstt. Prof.	Govt. Bilasa Girls PG. College, Bilaspur
	10	Dr. C. P. Nand, Asstt. Professor	Govt. Naveen Girls College, Bilaspur
	11	Dr. P. L. Chandrakar Asstt. Professor	C. M. D. College, Bilaspur
	12	Dr. Rupnarayan Yadav Asstt. Professor	D. P. Vipra College, Bilaspur

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

English	01	Smt. Savitri Tripathi Professor	Govt. J.P. Verma PG College, Bilaspur
	02	Dr. Vibha Singh Thakur Asstt. Professor	C.M.D. College, Bilaspur
	03	Dr. S.K. Tiwari Asstt. Professor	D.P. Vipra College, Bilapsur
	04	Dr. Salini Chakraborty Asstt. Professor	Govt. J.P. Verma PG College, Bilaspur
	05	Dr. Sunita Tiwari Asstt. Professor	C.M.D. College, Bilaspur
	06	Dr. Archana Singh Asstt. Professor	Govt. Bilasa Girls PG College, Bilaspur
	07	Dr. Madhuri Lata Agarwal Asstt. Professor	Govt. E.V.PG College, Korba

22-12-19

REGISTRAR

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

3.3.3 Number of books and chapters in edited volumes/books published and papers published in national/ international conference proceedings per teacher during last five ye

Sl. No.	Name of the teach	Title of the book/chapters published	Title of the paper	Title of the proceedings of the conference	Name of the conference	National / International	Year of publication	ISBN/ISSN number of the proceeding	Affiliating Institute at the time of publication	Name of the publisher
1	Dr.Shashikala Sinha	**Janjatiya Vikas Ki Avdharana(Book Editor)**	-			**National**	2016	**ISBN-978-93-80511-39-9**	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	**Samta Prakashan Kanpur UP**
2	Dr.Shashikala Sinha	**Puratatvik sthal Ratanpur- Ek Adhyayan(Book)**				**National**	2016	**ISBN-978-93-80511-38-2**	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	**Samta Prakashan Kanpur UP**
3	Dr.Shashikala Sinha	**Mahila Sashaktikaran Ka Vartman Paridrishy(Editor)**	-			**National**	2016	**ISBN-978-93-80511-47-4**	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	**Samta Prakashan Kanpur UP**
4	Smt.Bela Mahant	Samkalin Sahitya Chintan Vividh Swar	Samajik Sarokar aur lekhak ki pida			National	2016-17	978-93-82119-51-7	Govt.Kranti Kumar Bhartiya College Sakti	Navbharat Prakashan Delhi
5	Dr.Deepak Shukla	Economic Development and Environment	Natural Resources Economy and Livelihood pattern of Chhattishgarh			National	2017-18	ISBN-978-93-84029-14-2	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	Vashundhara Publication Gorakhpur
6	Dr.Deepak Shukla	Dandkaryanya	Dandkaryanya paripekshye me basat ke aadivashi janjati samaj ki sanskriti			National	2017-18	ISBN-978-93-5300-222-0	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	Anakhar Jagdalpur Bastar, Chhattisgarh
7	Smt.Bela Mahant	Bhartiya Rashtra vaad swaroop avam Vikash	Sahitya aur Patrakarita-Vertmaan Paripekshya			National	2018-19	978-81-939871-5-5	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	Sankalp Prakashan Kanpur(UP)
8	Dr.Archana Shukal	Chhattisgarh Ka samarga Itihas	Second Edition-2018 (Book)			National	2018-19	978-81-939385-0-8	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	Matushree publication Raipur (C.G.)

9	Dr.Deepak Shukla	Jalgrahan Prabhandan Ka Krishi Bhoomi Ke Badalte Pratirup Par Prabhaw(Book)	–			National	2019-20	978-81-949150-9-6	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	Sankalp Prakashan Kanpur(UP)
10	Smt. Shobha Mahiswa	Education and Social Science Research	Importance of Early Childhood Educatiion			National	2019-20	ISBN-978-93-85-304-41-5	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	GIMS Publishers Jabalpur (M.P.)
11	Dr.Ishabela Lakra	Anuvad Ki Samasayen	Anuvad ki Prasangikta			National	2019-20	ISBN:978-81-89495-72-5	Govt.Mata Shabari Naveen Girls PG College Bilaspur	Matushree publication Raipur (C.G.)
12	Dr.Archana Shukal	Chhattisgarh Ka samarga Itihas	Third Edition-2018 (Book)			National	2020	978-81-939385-0-8	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	Matushree publication Raipur (C.G.)
13	Smt. Bela Mahant	Viklang-Divyang-Vimarsh	Viklangon-Ke Jeevan Par Samajik Parivesh Ka Prabhav			National	2020-21	ISBN-978-81-8135-163-0	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	Pankaj Books Delhi
14	Smt. Bela Mahant	Rangmanch Ka Bhartiya Paridrishya	Chhattisgarhi Natko ka Vikas - Dasha Aur Disha			National	2020-21	ISBN-978-93-91007-83-9	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	Sarvapriya Prakashan Delhi
15	Dr. Archana Shukla	Chhattisgarh Ka samarga Itihas	Fourth Adition (Book)			National	2020-21	ISBN-978-81-9393-85-0-8	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	Matushree publication Raipur (C.G.)
16	Smt. Bela Mahant	Chhatisgarhi Bhasha Aour Sahitya Me Yugin Chetna ka Vikas	Chhattisgarhi Sahitya Me Abhivyakta Lok Sanskriti			National	2020-21	ISBN-9788194591702	Govt.Mata Shabari Navven Girls PG College Bilaspur	GEEL INFIX PUBLISHING SERVICES

3.3.2 Number of research papers per teachers in the Journals notified on UGC website during the last five years (10)

Title of paper	Name of the author/s	Department of the teacher	Name of journal	Year of publication	ISSN number	Link to the recognition in UGC enlistment of the Journal /Digital Object Identifier		
						Link to website of the Journal	Link to article/paper/abstract of the article	Is it listed in UGC Care list/Scopus/Web of
Self concept and academic stress among boys and girls students	**Dr.Lalita Sahu**	**Psychology**	**Indian Journal Of Heallth and Wellbeing**	**Vol.7 Issue 5, May 16**	**P-2229-5356E-2321-3698**	www.iahrw.com	www.iahrw.com Vol.7 Issue 5, May 16	UGC Approved 7(5) 540-542
Arundhati's India in the God of small things	Dr.Aarti Singh Thakur	English	Langlit	Vol.4 Issue 1, Augst 17	2349-5189	www.langlit.org	www.langlit.org Vol.4 Issue 1, Agust 17	UGC Aprpoved Journal Sr.No-49124
Chhattisgrah Me paryatan ki apar sambhawanayen(Baster Ke vishes sandharbh me)	Dr.Archana Shukla	Sociology	Shodh Prakalp	Vol.LXXXi Oct.-Dec 17	2278-3911	www.sodhprakalpreserach.com	www.sodhprakalpreserach.com Vol. LXXXi Oct-Dec.17	UGC Approved Journal No-633535
Sant Kavya me dalit chetna,dalit kaun -paribhasha ,arth	Smt.Bela Mahant	Hindi	Chhattisgarh Vivek	Ank.58, Year 17 , Oct.-Nov. ,	0972-9909	www.kalayancollege.org	www.kalayancollege.org Ank.58,Year 17, Oct.-Nov.,17	UGC Approved Journal No.63540
Mahilayon ke prati Apradh aur media ki bhumika	Dr.Nazz Benjamin	Political Science	Shodh Prakalp	Vol.LXXXII Jan.-March 18	2278-3911	www.shodhprakalpresrch.com	www.shodhprakalpresrch.com Vol.LXXXII Jan.-March 18	UGC Approved Journal No.63535
Sabhyata,sanskriti,sahitya aur samaj	Dr.Shashikala Sinha	History	Shodh Prakalp	Vol.LXXXV Oct.-Dec 18	2278-3911	www.shodhprakalpresrch.com	www.shodhprakalpresrch.com Vol.LXXXV Oct.-Dec 18	UGC Approved Journal No.63535
Janjatiyon ki sanskritik virasat	Dr.Shashikala Sinha	History	Shodh Prakalp	Vol.LXXXIV July-Sep 18	2278-3911	www.shodhprakalpresrch.com	www.shodhprakalpresrch.com Vol.LXXXIV Jul.-Sep.18	UGC Approved Journal No.63535
Hindi ka vaishvik Paridrishya	Dr.Archana Shukla	Sociology	Shodh Prakalp	Vol.LXXXV Oct.-Dec 18	2278-3911	www.shodhprakalpresrch.com	www.shodhprakalpresrch.com Vol.LXXXV Oct.Dec. 18	UGC Approved Journal No.63535
Bhartiy samaj aur naari	Smt.Shobha Mahiswar	Home Science	Shodh Prakalp	Vol. LXXXII Jan.-March 18	2278-3911	www.shodhprakalpresrch.com	www.shodprakalpresrch Vol.LXXXII Jan.-March 18	UGC Approved Journal No.63535
Lok sahitya Ka samajik Jivan Me Mahtwa	Dr.Aarti Singh Thakur	English	Shodh Prakalp	Vol. LXXXII Jan.-March 18	2278-3911	www.shodhprakalpresrch.com	www.shodprakalpresrch Vol.LXXXII Jan.-March 18	UGC Approved Journal No.63535
Rashtra Vikas me naari ki bhumika	Dr.Ishabela Lakra	Hindi	Shodh - Dhara	Vol.2 June 18	0975-3664	www.shoddhara.com	www.shodhara.com Vol.2 June 18	UGC Approved Journal No-41386
Upbhokta avam jagrukta	Dr.Archana Shukla	Sociology	Shodh Prakalp	Vol. LXXXIX Oct.-Dec.19	2278-3911	www.shodhprakalpresrch.com	www.shodhprakalpresrch.com Vol. LXXXIX Oct.-Dec.19	UGC Approved Journal No.63535
Ratanpur-Yug Yuge	Dr .Shashikala Sinha	History	Shodh Prakalp	Vol. LXXXIX Oct.-Dec.19	2278-3911	www.shodhprakalpresrch.com	www.shodhprakalpresrch.com Vol.LXXXIX Oct.-Dec.19	UGC Approved Journal No.63535

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

No. of Seminars / Workshops Attented by Faculties from 2016-17 to 2019-20

	Seminar / Workshope	Inernational Level	National Level	State Level	Local Level
Session - 2016-17	Attended Seminars / Workshop	0	32	15	5
	Presented Papers	1	59	6	1
	Resource Person	0	1	0	2
Session - 2017-18	Attended Seminars / Workshop	5	13	1	3
	Presented Papers	8	40	1	0
	Resource Person	0	0	0	1
Session - 2018-19	Attended Seminars / Workshop	0	27	3	1
	Presented Papers	7	39	0	0
	Resource Person	0	0	0	0
Session - 2019-20	Attended Seminars / Workshop	8	63	1	4
	Presented Papers	5	47	1	1
	Resource Person	0	3	0	0
	Total -	**34**	**324**	**28**	**18**
		Grand Total - 404			

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G)

Tele : 0771-2262802 (Acad.) 0771-2262540 (Registrar) Fax 0771-2262(?), 2262607

No. 12304 /Acad./Ph.D./2013 Raipur, Dated 08/10/2013

ORDER

As per the provisions of Ordinance 45 (in accordance with UGC regulation 2009) and the decision taken by the RDC of **Psychology** in its meeting held on 28.06.2013, the registration for Ph.D. of the applicant is notified as follows :-

Sr. No	Name/Address	Category	Topic of Ph.D. Registration	Supervisor/ Co-supervisor	Research Centre	Date of Registration
Psychology (Faculty of Social Scienc)						
01	Joby P.A Qr. No. 2/A street No.27 Sector-7 Bhilai, Durg (C.G) 490006	Gen.	Effects of a Cognitive-Behavioral Stress Management Intervention Among middle age Woman survivors of Stage II&III Breast Cancer on Coping strategy and Quality of life	Dr. Prabhavati Shukla Professor SOS in Psychology Pt.R.S.U.Raipur	School of Studies in Psychology, Pt. R.S.U. Raipur	14-05-2013
02	Vijendra Singh Rastogi C/O- Dr. P.N. Chandravansti opp. Vishal Megamart, Amapara, Raipur (C.G)	SC	Depressive Tendencies and Attributional Style Among Leprosy Patients In Chhattisgarh	Dr. Usha Kiran Agrawal Professor Govt. D.B. Girls P.G. College, Kalibadi, Raipur (C.G) Co-sup.-Dr. B. Hasan SOS in Psychology Pt.R.S.U.Raipur	School of Studies in Psychology, Pt. R.S.U. Raipur	30.06.2012
03	Smt. Gurpreet Kour 222-C, New Ruabancha Sector, Bhilai, Dist.-Durg (CG)	Gen.	A Psychological analysis of the Comprehensive Evaluation System of CBSE Board and the Corrective Measures	Dr. Meeta Jha Professor SOS in Psychology Pt.R.S.U.Raipur (C.G)	School of Studies in Psychology, Pt. R.S.U. Raipur	14.05.2013
04	Umeshwari Thakur 2891K Risali sector Bhilai Nagar, Durg (C.G)	ST	Psychological correlates of anger expression in Delinquent	Dr. Prabhavati Shukla, Professor SOS in Psychology Pt.R.S.U.Raipur (C.G)	School of Studies in Psychology, Pt. R.S.U. Raipur	14.05.2013

N.Goswami
8-10-13

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

Desk T/Goswami/Registration Order

You are hereby instructed to submit the C.D. (With cover) of your synopsis in PDF format within 5 days of geting this letter.

16	Khan Abrar uz zaman Khan C/O Zaman printing press college road Jashpur (CG)	Gen.	Psychological Predictors of Acculturative Stress among North Indian Engineering Students	Dr. B. Hasan Professor, SOS in Psychology Pt. R.S.U, Raipur, (C.G)	SOS in Psychology Pt. R.S.U, Raipur, (C.G)	30.06.2012
17	Ku. Lalita Sahu C/O Shri C.S Sahu H.No. 66412, Gudiyari Road, Raipur	OBC	Psycho-Social Predictors of Academic Stress	Dr. Meeta Jha Professor, SOS in Psychology Pt. R.S.U, Raipur, (C.G)	SOS in Psychology Pt. R.S.U, Raipur, (C.G)	14.05.2013
18	Deepak Pandey Arvind Nagar, Balihari Chowk Bandhwapara, Sarkanda, Bilaspur (CG)	Gen.	Social Suport, Personality Traits and Immune Response in HIV Patients	Prof. Priyamvada Shrivastava, Professo SoS in Psychology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur	SoS in Psychology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur	30.06.2012

Note :-

1. If the number of registered candidates with proposed supervisor exceeds six, the registration would be treated cancelled.
2. The supervisor/co supervisor will ensure submission of six monthly progress report of the candidate duly forwarded by Chairman DRC alongwith attendance certificate and receipt of fees paid to the Research Centre.
3. In case any discripency is observed in this order, it must be intimated to this office within 15 days from the issue of order otherwise it will be assumed that the contents are correct.

By order,

Deputy Registrar,(Acad.)

Endorsement No. 12365/Acad./Ph.D./2013

Raipur, Dated 08/10/2013

Copy forwarded to -

Respective Supervisors/Research Scholors/Head, Research Centre/ Confidential/Library/Finance Controllor (Research Felloship Unit), Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur for information & necessary action.

Deputy Registrar (Acad.)

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

Desk T/Goswami/Registration Order

ATAL BIHARI VAJPAYEE VISHWAVIDYALAYA BILASPUR (C.G.)
Old High Court Building, Near Gandhi Chowk, Bilaspur (C.G.)
Tel. : 07752-220031, Fax : 07752-220031 Website : www.bilaspuruniversity.ac.in.
E-mail.: registrar@bilaspuruniversity.ac.in,

No. 40/Acad./Ph.d.2015-RDC-1/2021

Bilaspur,Date: 04/05/2021

Notification

As per the provisions of Ph.D. Ordinance 42 & Ph.D. regulation 13 [In accordance with UGC (Minimum Standard and Procedure For award of M.Phil /Ph.D. Regulation 2009 & 2016)] and the decision taken by the Research Degree Committee (RDC) of Home Science under the Faculty of Science in its meeting held on 16/02/2021 the registration for Ph.D of the applicant is notified as follows:-

S.No	Name	Category	Topic of Ph.D. Registration	Supervisor / Co - Supervisor	Research Center	Date Registration
01	Ms.Sushma Ghai	UR	Effect of Stress on Occurrence and Severity of Polycystic Ovary Syndrome: A Study in Reference to Bilaspur District	Dr. Seema Mishra	Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur	01/11/2019
02	Mrs.Shobha Mahiswar	SC	Lipid Profile – A Bio-marker of Depression and Suicidal Tendency - Its Relation with Hypocholesteromic Drugs, Dieting and Stress- A Study in Reference to Bilaspur District	Dr. Seema Mishra	Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur	01/11/2019
03	Ms.Shweta Tamrakar	OBC	Cardiovascular disease in patients with chronic kidney disease : a study in reference to Bilaspur District	Dr. Seema Mishra	Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur	01/05/2020

Naveen Girls College Govt. M.S. Bilaspur (C.G.)

Note-

1. If the number of registered candidate with proposed supervisor exceeds sanctioned intake (as per Ph.D. Ordinance 42 & Ph.D. regulation 13), the registration would be treated cancelled.
2. The Supervisor / Co- Supervisor will ensure submission of six monthly progress report in the prescribed proforma of the candidate duly forwarded by Chairman DRC alongwith attendance certificate and receipt of fees paid to the Research Center.
3. In case of any discrepancy is observed in this order, it must be intimated to this office within 15 days from the issue of this notification, otherwise it will be assumed that the contents are correct.
4. Chairman Departmental Research Committee (DRC) Home Science Govt. Bilasa Girls P.G. College, Bilaspur

By Order

Registrar

No. 41/Acad./Ph.d.2015-RDC-1/2021

Bilaspur,Date: 04/05/2021

Copy to:-

1. P.A. to Vice – Chancellor, for Kind Information to Hon'ble Vice – Chancellor Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur.
2. Controller of Examination Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur for Information.
3. Smt. ..... Research Scholar for Information.
4. Office Copy.

04/05/21

Asst. Registrar (Acad.)

Govt. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

गांधी चौक के पास, बिलासपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) 495001
फोन 07752-220097, 220031, 220032, 220033, 220037, 220034 फैक्स 07752-220031, 260294
ई–मेल :– phdcell@bilaspuruniversity.ac.in Website – www.bilaspuruniversity.ac.in

क्रमांक / 142 /अका./2021

बिलासपुर, दिनांक 13/08/2021

प्रति,

समस्त शोधार्थी
विषय हिंदी

विषय:– **हिन्दी विषय की शोध उपाधि समिति के समक्ष साक्षात्कार के लिये उपस्थित होने बाबत्।**

—00—

उपरोक्त विषयान्तर्गत कला संकाय के अंतर्गत **हिन्दी** विषय की शोध उपाधि समिति की बैठक **दिनांक 24/08/2021** दिन **मंगलवार एवं 25/08/2021** दिन **बुधवार**, को पूर्वान्ह 11:00 बजे से आयोजित की जाएगी।

अतः आप शोध उपाधि समिति के समक्ष शोध पंजीयन हेतु **ऑनलाइन** साक्षात्कार के लिये पॉवर पाईंट प्रेजेंटेशन के साथ निर्धारित समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करें।

टीपः–

1. शोध रूपरेखा (Synopsis) पूर्णतः "Plagiarism" से मुक्त हो, यह सुनिश्चित कर लेवें।
2. यदि आप किसी जॉब में हैं या शोध कार्य के दौरान किसी जॉब में जाते हैं तो नियोक्ता अधिकारी से अनापत्ति/अनुमति पत्र संबंधित शोध केन्द्र में जमा कराया जाना सुनिश्चित करें।

आदेशानुसार

कुलसचिव

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

विषय : हिन्दी (Hindi)

स. क्र.	शोधार्थी का नाम	शोध निदेशक का नाम	शोध विषय	शोधार्थी के परीक्षा का वर्ग
1.	श्रीमती अंजु महिलांग	डॉ. श्रीमती हरिणी रानी आगर	शिवनारायण सिंह की बोध कथाओं में बाल मनोविज्ञान	CWE
2.	कु. रश्मि पाण्डेय	डॉ. श्रीमती नंदिनी तिवारी	हिन्दी पत्रकारिता की शब्दावली नए प्रयोग नयी संरचनाये : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	CWE
3.	श्रीमती हेमपुष्पा नायक	डॉ. डी.एस. ठाकुर	छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का आनुष्ठानिक अनुशीलन	CWE
4.	श्रीमती सरोज मिश्रा	डॉ. डी.एस. ठाकुर	मेहरून्निसा परवेज के कथा साहित्य में अभिव्यक्त नारी चेतना।	CWE
5.	कु. सीमा अंचल	डॉ. कल्याणी जैन	"महादेवी वर्मा के साहित्य में नारी चेतना"	CWE
6.	कु. मधु प्रेमा तिर्की	डॉ. अल्का पंत	विष्णु प्रभाकर की कहानियों में नारी विमर्श (कहानी संग्रह 'मै नारी हूँ' के विशेष संदर्भ में)	CWE
7.	कु. शिवांगनी परिहार	डॉ. नंदिनी तिवारी	हिन्दी हास्य–व्यंग्य साहित्य परंपरा में डॉ. सुरेन्द्र दूबे का योगदान	CWE
8.	कु. माहेश्वरी गढ़ेवाल	डॉ. देवेन्द्र शुक्ला	साठोत्तरी महिला कथाकारों की कहानियों में स्त्री विमर्श : एक विश्लेषण	CWE
9.	श्रीमती माग्रेट कुजूर	डॉ. श्रीमती हरिणी रानी आगर	छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति रायगढ़ जिले के विषेष संदर्भ में	CWE
10.	श्रीमती चैताली सलूजा	डॉ. श्रीमती नंदनी तिवारी	प्रवासी कथाकार सुषम बेदी के कथा साहित्य में अभिव्यक्त प्रतिभा पलायन	CWE
11.	नकुल प्रसाद टेंगवार	डॉ. पी.डी. महंत	नरेन्द्र कोहली के राम कथा पर आधारित उपन्यासों में मानवीय संवेदनाओं का अनुशीलन	CWE
12.	श्रीमती रजनी शर्मा	डॉ. राजेश चतुर्वेदी	वारकरी संप्रदाय एवं मराठी नारी संत काव्य : एक अध्ययन	CWE
13.	लक्षेश्वरी	डॉ. श्रीमती हरिणी रानी आगर	21वीं सदी के चुनिंदा महिला रचनाकारों के उपन्यासों में नारी–विमर्श	CWE
14.	बेला महंत	डॉ. डी.एस. ठाकुर	वर्तमान युगीन संदर्भो में कबीर की प्रासंगिकता।	CWE
15.	किशोर कुमार शर्मा	डॉ. श्रीमती राजेश चतुर्वेदी	मनु शर्मा के उपन्यासों का समसामयिक अध्ययन : वर्तमान संदर्भ में।	CWE
16.	बाल किशोर राम भगत	डॉ.अर्चना सिंह	कुँडुख पहेलियों का सांस्कृतिक एवं साहित्यिक अनुशीलन।	CWE
17.	सुशील कुमार तिवारी	डॉ. श्रीमती हरिणी रानी आगर	शिवनारायण सिंह की बोध कथाओं में जीवन दृष्टि।	CWE
18.	दासरथी जांगड़े	डॉ. श्रीमती अर्चना सिंह	गुरू घासीदास के उपदेशों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन।	CWE

Govt. M.S. Naveen Girls College ★ Bilaspur (C.G.)

	खाखा		ममता कालिया के उपन्यासों में आधुनिकता एवं यथार्थबोध।	CWE
20.	श्रीमती शशि पाण्डेय	डॉ. हीरालाल शर्मा	हिन्दी साहित्य एवं समाज में मिथक : एक अध्ययन।	CWE
21.	वंदना पाण्डेय	डॉ. नंदिनी तिवारी	छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य में नारी विमर्श।	CWE
22.	दिगंबर दास महंत	डॉ. हीरालाल शर्मा	छत्तीसगढ़ी काव्य को कपिलनाथ कश्यप का प्रदेय	CWE
23.	ओमप्रकाश जायसवाल	डॉ. पी.डी. महंत	समकालिन हिन्दी उपन्यासों में किन्नर विमर्श	CWE
24.	नरेन्द्र कुमार सलूजा	डॉ. डी.एस. ठाकुर	छायावाद के प्रवर्तक पं. मुकुटधर पाण्डेय एवं समकालीन साहित्यकारों का काव्य अनुशीलन	CWE
25.	हरिशंकर सिंह राज	डॉ. देवेन्द्र शुक्ला	छत्तीसगढ़ी साहित्यकार पं. श्यामलाल चतुर्वेदी का काव्य अनुशीलन	CWE
26.	संजय मधुकर	डॉ. नंदिनी तिवारी	प्रेमचंद की कहानियों में मानव मूल्य	CWE
27.	श्रीमती सीता टंडन	डॉ. अर्चना सिंह	दुष्यंत के काव्य में राजनैतिक चेतना	CWE
28.	संगीता तिवारी	डॉ.श्रीमती राजेश चतुर्वेदी	20वीं शताब्दी का हिन्दी गीति काव्यः एक अनुशीलन	CWE
29.	विवेक सिंह	डॉ.श्रीमती राजेश चतुर्वेदी	अमरकांत एवं प्रेमचंद की कहानियों में ग्रामीण परिवेश का तुलनात्मक अध्ययन	CWE
30.	राजकुमार बंजारे	डॉ.फुलदास महंत	21वीं शताब्दी की हिन्दी दलित आत्मकथाओं का बदलता स्वरूप	CWE

Govt. M... Girls College ★ Bilaspur (C.G.)

ONE DAY NATIONAL WORKSHOP
ON
"INTERPERSONAL PSYCHOLOGY THERAPY"

15th FEBRUARY 2017

Organized By

GOVT. MATA SHABARI P.G. NAVEEN GIRLS' COLLEGE,
BILASPUR (C.G.)

[NAAC Accredited 'B', CGPA. 2.53]

Sponsored By

UNIVERSITY GRANT COMMISSION, CRO - BHOPAL (M.P.)

Certificate

This is to certify that Mr. / Ms. / Mrs. / Dr. मीनाक्षी साहू , विद्यार्थी

of शा॰ माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ॰ग॰) has participated in the National Workshop. She/he has delivered Keytone/invites lectures/Resource person/Presented the session/presented paper entitled "भाई - बहिन का रिश्ता एवं अभिभावक की भूमिका"

in the Seminar.

(Prof. Lalita Sahu)
Convenor

Govt. M.S. Naveen Girls' College Bilaspur (C.G.)

(Prof. S. Mahiswar)
Organising Secretary

(Dr. Manju Tripathi)
Principal/Patron

TWO DAYS NATIONAL WORKSHOP

ON

"SAMAJIK NYAY YUKT ARTHIK VIKAS"

ज्ञान - विज्ञान विमुक्तये

1ST-2ND MARCH, 2017

Organized By :

DEPARTMENT OF ECONOMICS,

GOVT. MATA SHABARI NAVEEN GIRLS P.G. COLLEGE, BILASPUR (C.G.)

Sponsored By :

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION, CRO - BHOPAL (M.P.)

Certificate

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms./Mrs. शशिकला सूर्यवंशी, छात्रा

of शा॰माता शबरी नवीन कन्या मह॰ बिलासपुर has delivered an invited talk/provided hands on / presented paper entitled "आर्थिक व्यवस्था में कैसलेश प्रणाली की उपादेयता"

in Two days National Workshop on **"Samajik Nyay Yukt Arthik Vikas"**, Sponsored by University Grants Commission, Cro-Bhopal held on March 1st-2nd, 2017.

(Dr. L.N. Dubey)
Convenor

Naveen Girls College M.S. Bilaspur (C.G.) Govt.

(Dr. D.K. Shukla)
Organising Secretary

(Dr. Manju Tripathi)
Principal

शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

6 जनवरी 2017

प्रमाण पत्र

एक दिवसीय छत्तीसगढी राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशाला

शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर द्वारा एवं राजभाषा आयोग छत्तीसगढ़

के सौजन्य से 6 जनवरी 2017 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में

प्रो./डॉ./श्री/श्रीमती/कु. शशिकला सूर्यवंशी, एम.ए. अंतिम हिन्दी.................ने अपनी पूर्ण सहभागिता प्रस्तुत की।

प्रो. बेला महन्त	डॉ. विनय कुमार पाठक	डॉ. एल.एन. दुबे
आयोजन सचिव	अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग छत्तीसगढ़ शासन	संयोजक एवं प्रभारी प्राचार्य

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययपन शाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) एवं
सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़, रायपुर

द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी

दिनांक : 23 एवं 24 दिसम्बर 217

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री/डॉ. मिताक्षी साहू - छात्रा संस्था शास. भारतमाता नवीन कन्या स्नातकोत्तर महा. बिलासपुर ने प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर एवं सरस्वती शिक्षा संस्थान, रायपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में भाग लिया/शोध पत्र का वाचन किया।

शोध पत्र का शीर्षक " राष्ट्रीयता एवं शिक्षा नीति की भूमिका "

डॉ. शिव कुमार पाण्डेय	डॉ. दिनेश नन्दिनी परिहार	श्री जुडावन सिंह ठाकुर
कुलपति	संयोजक	सचिव
पं.र.वि.वि.रायपुर	अध्यक्ष, प्रा.भा.इ.सं.पु.अ.शा., पं.र.वि.वि.रायपुर	विद्या भारती, रायपुर

क्रमांक : 122

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

शाश्वत भारत

विषय पर तीन दिवसीय

ICSSR राष्ट्रीय-संगोष्ठी

(सहयोग : संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन)

18-20 नवम्बर, 2017

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शशिकला सूर्यवंशी
संस्था पं सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि॰ वि॰ (बिलासपुर)
ने दिनांक 18.11.2017 से 20.11.2017 तक 'शाश्वत भारत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की / अपना शोध-आलेख प्रस्तुत किया।

प्रतिपादित विषय : भारतीय संस्कृति के गौरवशाली तत्व

डॉ. राजकुमार सचदेव
कुलसचिव

Naveen Girls College Govt. M.S. Bilaspur (C.G.)

डॉ. बंश गोपाल सिंह
कुलपति

Ministry of Electronics and Information Technology
Government of India

Certificate of Participation

Digital India
Power To Empower

Workshop on Digital India

Educate | Engage | Empower

This certifies that

Mr./Ms. Akanchu Pathak registered with the college/university Govt M.S.N. Girls College has actively participated in university workshop on Digital India. This effort goes a long way to create a culture of volunteering amongst all sections of society and enhance access and understanding of online services/initiatives taken under Digital India.

M.S. Nayeen Girls College Govt. Bilaspur (C.G.)

Authorised Signatory

NeGD

सत्यमेव जयते

Ministry of Electronics and Information Techn[illegible]
Government of India

Certificate of Partic[illegible]pation

Digital India
Power To Empower

Workshop on Digital In[illegible]

Educate | Engage | Empow[illegible]

This certifies that

Mr./Ms. Nandani Darve *re[illegible]istered with the college/university* Govt. M. S. N. girls c[illegible]llege *has actively participated in university workshop on Digital India. This effort goes a long way to create a culture of volunte[illegible]ing amongst all sections of society and enhance access and [illegible]nderstanding of online services/initiatives taken under [illegible]igital India.*

20-12-16.
Date of Issue

Govt. M.S. Naveen Girls College ★ Bilaspur (C.G.)

Authorised Signatory

NeGD

ONE DAY NATIONAL WORKSHOP

ON

"INTERPERSONAL PSYCHOLOGY THERAPY"

15th FEBRUARY 2017

Organized By :

GOVT. MATA SHABARI P.G. NAVEEN GIRLS' COLLEGE,

BILASPUR (C.G.)

[NAAC Accredited 'B', CGPA. 2.53]

Sponsored By :

UNIVERSITY GRANT COMMISSION, CRO - BHOPAL (M.P.)

Certificate

This is to certify that Mr. / Ms. / Mrs. / Dr. मीनाक्षी साहू , विद्यार्थी

of शा॰ माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ॰ग॰) has participated in the National Workshop. She/he has delivered Keytone/invites lectures/Resource person/Presented the session/presented paper entitled "भाई-बहिन का रिश्ता एवं अभिभावक की भूमिका"

in the Seminar.

(Prof. Lalita Sahu)	(Prof. S. Mahiswar)	(Dr. Manju Tripathi)
Convenor	Organising Secretary	Principal/Patron

शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

6 जनवरी 2017

प्रमाण पत्र

एक दिवसीय छत्तीसगढी राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशाला

शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर द्वारा एवं राजभाषा आयोग छत्तीसगढ़

के सौजन्य से 6 जनवरी 2017 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में

प्रो./डॉ./श्री/श्रीमती/कु. मिनाक्षी साहू, एम.ए. पूर्व हिन्दी ....ने अपनी पूर्ण सहभागिता प्रस्तुत की।

प्रो. बेला महन्त
आयोजन सचिव

Govt. M.S. Naveen Girls College ★ Bilaspur (C.G.)

डॉ. विनय कुमार पाठक
अध्यक्ष
छत्तीसगढ राजभाषा आयोग
छत्तीसगढ शासन

डॉ. एल.एन. दुबे
संयोजक एवं प्रभारी प्राचार्य

UGC SPONSORED
NATIONAL WORKSHOP
on

INTERPERSONAL PSYCHOLOGY THERAPY

February 15, 2017

Organised by

GOVERNMENT MATA SHABARI P.G. NAVEEN GIRLS' COLLEGE

BILASPUR (CHHATTISGARH)

INDEX

S.No.	Title	Writer	Page No.
1	THE ROLE OF PARENTING STYLE IN	PROF. MEETA JHA, MRS. ANAMIKA MODI	1
2	SOCIAL FACTORS OF INTERPERSONAL	DR. DEEPTI DHURANDHER	2
3	ADOLESCENT DILEMMA : STORM OR SMOOTH SAILING THROUGH INTERPERSONAL	DR.ARCHANA SINGH	3
4	POSITIVE PARENT CHILD RELATIONSHIP	DR. SWATI MISHRA	4
5	ROLE OF INTERPERSONAL THERAPY TO IMPROVE CHILD PARENT RELATIONSHIPS	DR. TRIPTI BISWAS, MRS. JYOTI LAKRA	5
6	INTERPERSONAL THERAPY AND INTERPERSONAL RELATIONSHIP IN A	DR. MAMTA AWASTHI DIVYA SINGH, NISHA AGRAWAL	6
7	MARITAL ADJUSTMENT	DR.SMT.BABITA DUBEY MRS. KHUSHBOO JAIN	7
8	"IMPACT OF HOME ENVIRONMENT ON EMOTIONAL INTELLIGENCE OF	DR. TRIPTI BALA	9
9	NECESSITY OF MUTUAL SUPPORT FOR HEALTHY PARENT - CHILD RELATIONSHIP	MANJARY SHARMA	10
10	INNOVATION IN THE CLASSROOM	DR PUSHPA SHARMA	11
11	WAYS TO DEVELOP INTERPERSONAL SKILL	DR. GAUTAMI BHATPAHARI	12
12	MARITAL ADJUSTMENT: A STUDY	SUMITA SINGH	13
13	VOCATIONAL ADJUSTMENT IN MIDDLE AGE	DR. RUPAM AJEET YADAV MRS. JYOTI BALA CHOUBEY	13
14	PROBLEM PERCEPTION -A COMPARATIVE STUDY OF ADOLESCENTS (WITH RESPECT	DEVI TANDIYA	14
15	INTERPERSONAL PSYCHOLOGY THERAPY	DR. U.K. SHRIVASTAV	15
16	INTERPERSONAL PSYCHOTHERAPY FOR OLD AGE DEPRESSION	DR.AARTI SINGH THAKUR	17
17	THERAPEUTIC SOLUTIONS FOR CHRONIC DEPRESSION: THE INTERPERSONAL	DR. S. RUPENDRA RAO	18
18	"A CASE STUDY : TEACHERS' PREFERRED TEACHER–STUDENT INTERPERSONAL	DR.NISHA TIWARI	19
19	MARITAL ADJUSTMENT: IN CONTEXT OF	DR. NEHA SINGH THAKUR	20
20	IMPROVING STUDENTS' RELATIONSHIPS WITH TEACHERS IN CONTEXT TO MATHEMATICS	DR. PREMLATA VERMA	22
21	THE TEACHER STUDENT RELATIONSHIP	DR. ARADHANA SHARMA	23
22	INTERPERSONAL RELATIONSHIP AND CRIME	DR. SUCHI CHOUDHARI JYOTSNA RANI PATEL	23
23	ENDORPHINS: NATURAL PAIN AND STRESS	SHUBHADA RAHALKAR, ANJU TIWARI	25
24	MARITAL SPATS AND SUPPORTIVE TALKS	BELA MAHANT	27
25	MARITAL ADJUSTMENT	SMT . PRATIBHA DUBEY	27
26	INTERPERSONAL RELATIONSHIP OF STUDENT AND TEACHERS	KU. APURVA SHARMA	28
27	IMPACT OF SHIFT WORK AND SEX ON SOCIAL AND MARITAL ADJUSTMENT	MRS. ALKA AGRAWAL	29
28	CHILD PARENT RELATIONSHIP	SMT. SEEMA JAYSI	30
29	CHILD PARENTS RELATIONSHIP	DR.SUCHI CHOUDHAI	31
30	CHILD - PARENTS RELATIONSHIP	SUMITRA MANHAR	32
31	ACHIEVEMENT GOALS IN THE CLASSROOM	DR. SANGEETA SHRIVASTAVA	32
32	SOCIAL ADJUSTMENT	ALISHA PARVEEN	33
33	बालक अभिभावक संबंध	डॉ. भावना रमैया	34

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

34	"राँची जिले के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालय	डॉ. आशा प्रसाद, रश्मि प्रभा	35
35	परिवारिक अलगाव एवं बालमन एक मनोवैज्ञानिक	डॉ. रेखा बागडे	36
36	अभिभावक बालक संबंधों में असंतुलन और	श्रीमती ज्योति बाला चौबे डॉ. श्रीमती रूपम अजीत यादव	38
37	समाजिक समायोजन बालकावस्था के संदर्भ में	डॉ. पी.डी. महंत	39
38	किशोर अपचारिता किशोर न्याय अधिनियम 2000	डॉ.भावना कमाने, डॉ.शशिकला सिन्हा	41
39	मनोचिकित्सा की आवश्यकता	श्रीमती रेखा मखीजा	42
40	मनोविकारों का निवारण एवं अन्तर्व्यतित्वसम्बध........	डॉ. जयश्री शुक्ला	43
41	मानसिक रूप से स्वस्थ कैसे रहें	डॉ. आशा सिंह	44
42	वैवाहिक समायोजन की समस्या	डॉ. प्रतिभा शर्मा	45
43	सामाजिक समायोजन अन्तवैयक्तिक चिकित्सा	प्रो. मोनिका शर्मा	46
44	समाजिक समायोजन एक आवश्यकता	श्रीमती आस्था गौरहा	47
45	बच्चों के विकास में माता–पिता की भूमिका	डॉ. हरिणी रानी आगर, डॉ. एम. आर. आगर	48
46	अपराध को रोकने में परिवार की भूमिका	डॉ. श्रीमती नाज बेन्जामिन	49
47	" बच्चे और माता–पिता के बीच संबंध"	डॉ. एल. एन. दुबे, कु. रेखा प्रधान	51
48	मनस्ताप	डॉ. दीपक शुक्ला, डॉ. संगीता शुक्ला	53
49	परिवारिक संबंधों का बदलता स्वरूप	डॉ. श्रीमती अर्चना शुक्ला	54
50	भगोड़ापन एक मनोवैज्ञानिक समस्या	शोभा महिस्वर	55
51	सामाजिक समायोजन का अभाव	डॉ. श्रीमती शशिकला सिन्हा	56
52	मानसिक स्वास्थय पर अन्तरवैयक्तिक संबंध का प्रभाव	सुश्री ललिता साहू	56
53	मनोचिकित्सा	डॉ. श्रीकान्त मोहरे	57
54	शिक्षक और छात्र के बीच आपसी संबंध	प्रतीक्षा तिवारी	58
55	"छात्र–शिक्षक अंतर सम्बन्ध"	प्रीति पटेल	59
56	वैवाहिक सामायोजन	ऋतु गौरहा	61
57	अभिभावक एंव संतानों के मध्य एक मनोवैज्ञानिक समस्या	कु. प्रथा शर्मा	61
58	शिक्षक – छात्र संबध में संवाद का महत्व	श्रीमती स्नेहलता सिंह, कु. राजकुमारी साहू	62
59	परिवारिक विघटन	कु. आरती साहू	63
60	साइको किलर उदयन–केस स्टडी	सृजन महंत	64
61	"परिवार अलगाव"	डॉ. एल. एन. दुबे, नेहा मौर्य एवं निधि मौर्य	66
62	अन्तरव्यक्तित्व संबंध और अपराध	कु.रोशनी मिश्रा	68
63	"बच्चे और माता पिता अन्तः संबंध"	कु. प्रियंका यादव	69
64	मानसिक विकास –शौशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था	कु.गीता अचारी, अनिता बरगाह	70
65	घरेलू हिंसा का शिकार होती महिलाएँ	त्रिवेणी साहू, सरिता ध्रुव	71
66	समाज में महिलाओं के प्रति बढ़ता अपराध	मोनिका साहू , सरिता सूर्यवंश	72
67	वर्तमान परिवेश में बढ़ता युवा तनाव	सुनिता साहू , आरती ताम्रकार	73
68	वर्तमान समाज में तलाक की बढ़ती प्रवृत्ति	रश्मि सिंह ठाकुर, पूर्णिमा साहू	74
69	युवाओं में बढ़ता असंतोषः कारण व निदान	कु. प्रज्ञा शर्मा, कु.विजेता ठाकुर	75
70	भाई–बहिन का रिश्ता एवं अभिभावक की भूमिका	कु. मिनाक्षी साहू, हेमलता साहू	76
71	मनोवैज्ञानिक समस्या के निदान में भाषा की भूमिका	कु. निकिता देवांगन, कु. बैंजंती कोठारी	77
72	परिवारिक विघटन	कु. आरती साहू	78
73	अभिभावक और बच्चों के बीच सम्बन्ध	शशिकला सूर्यवंशी, शकुन्तला साहू	79
74	तनाव में जीती युवा पीढी	सालिक राम पटेल	80
75	माता पिता के लिये जरूरी है बच्चो की मनोविज्ञान	श्रवण कुमार साहू	80
76	व्यवहारगत समस्याएं एवं पारिवारिक संबंध	डॉ (श्रीमती) सीमा मिश्रा, सुश्री सुषमा घई	81
77	DOPAMINE –A CHEMICAL RESPONSIBLE FOR	Dr Seema Mishra	83
78	ACADEMIC & ADMINISTRATIVE SETUP OF		85

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

नयी वस्तु के बारे में जानना चाहते है और अनेक प्रश्न अपने माता–पिता के समक्ष वे करते है किन्तु माता–पिता यदि प्रश्नो का यथोचित उत्तर नही देते है तो बच्चो पर उसका गलत प्रभाव पड़ता है और उनके मन में खिन्नता एवं तनाव उत्पन्न होता है आत्मविश्वास में भी कमी आती है इसके फलस्वरूप उचित समायोजन उनके मध्य नही हो पाता है और निकट भविष्य में विषाद मे जाने की सम्भावना बढ़ जाती है।

कुछ माता–पिता अपने बच्चो से उनकी अभियोग्यता से भी अधिक अपेक्षा रखते है वे उनकी रूचि परिस्थिति व्यक्तित्व का ध्यान नही कर पाते है तो उन्हे माता–पिता की डॉट एव उपेक्षा का सामना करना पड़ता है जिनसे उनमें सम्प्रत्यय विकसित हो जाता है जो आगे चलकर विभिन्न मनोवैज्ञानिक समस्याओं को जन्म देता है।

...

शिक्षक – छात्र संबध में संवाद का महत्व

श्रीमती स्नेहलता सिंह, कु. राजकुमारी साहू
एम.ए.पूर्व (हिंदी), शा.माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर

मानव समाज में शिक्षा प्रदान करना और शिक्षा ग्रहण करना दोनो ही महत्वपूर्ण कार्य माने जाते रहे है। ज्ञान अथवा शिक्षा प्रदान करने और ग्रहण करने के लिए ही गुरू शिष्य का संबंध बना है । गुरू शिष्य अथवा शिक्षक छात्र का संबंध इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है, इस संबंध के उपरान्त ही पशु समान मनुष्य के ज्ञानी बनने की प्रक्रिया आरंभ होती है। प्राचीन काल में शिक्षा ग्रहण करने के लिए छात्र गुरूकुल अथवा आश्रम में जाया करते थे । उस काल में गुरू शिष्य का संबंध बहुत महत्व पूर्ण होता था । शिक्षा प्रदान करने वाले गुरू हो भगवान तुल्य माना जाता था अपने शिष्यो के प्रति गुरू का व्यवहार भी पिता तुल्य हुआ करता था गुरू अपने संतान कें भाँति शिष्यों के भविष्य के प्रति चिंतित रहते थे और उन्हे शिक्षित करने के लिए यथा स्वभाव प्रयत्न किया करते थे एक पिता के समान गुरू गलती करने पर शिष्यो को सख्त सजा भी दिया करते थे। ताकी अपनी गलती का अनुभव करके शिष्य उसे दोहराने का प्रयत्न न कर सके उस काल में शिष्य भी गुरू द्वारा दि गयी सजा को सहर्ष स्वीकार किया कर लेते थे अपने गुरू पर पूर्व विश्वास होता था।

गुरूकुल परम्परा समाप्त होने के साथ ये गुरू शिष्य के संबंधी में गिरावट आने लगी आश्रमों के स्थान पर विद्यालय – महाविद्यालय बनाने लगे छात्रो के लिए शिक्षा ग्रहण करना जीवन की आवश्यकता बनी रही । परन्तु शिक्षको के लिए विद्यालय में जाना मात्र नोकरी करना रह गया । अब शिक्षा छात्र के संबंध व्यावसायिक हो गया शिक्षक मनाने लगे कि छात्रो की पढ़ना उनकी विवशता है क्योकि इसी कर्य के लिए उन्हे वेतन मिलता है । स्नेह विचार धारा का शिक्षक छात्रो के संबंधो पर प्रतिकुल प्रभाव पडा और शिक्षक छात्रो के संबंध की गरिमा बिखरने लगी। शिक्षक को छात्रो के प्रति

M.S. Naveen Girls College Govt. Bilaspur (C.G.)

पिता तुल्य व्यवहार नही रहा और छात्रो के हृदय में शिक्षक के प्रति आदर भाव घटने लगे ऐसी स्थिति में छात्रों के गलती पर शिक्षको के सख्त व्यवहार का भी व्यवहार का विरोध करने लगा, शिक्षको द्वारा छात्रो को सजा देना तो स्वपना की बात रह गयी।

आज शिक्षक छात्रो के संबंधो को पूर्णतया पतन हो चुका है। शिक्षा छात्र के संबंध में हुये पतन का दुष्परिणाम भी नई पीढ़ी को भुगतना पड रहा है। नई पीढ़ी में नैतिक – शिक्षा और संस्कार का भी अभाव देखने को मिल रहा है।

शिक्षक – छात्रों संबंधो में सुधार हेतु कदम –

(1) प्रशासनिक तौर पर छात्रों के अनुपात में शिक्षको की संख्या पर्याप्त हो ताकि शिक्षक प्रत्येक छात्र के नाम एवं स्वभाव से पुर्णतः परिचित हो एवं शिक्षक – छात्र के बीच संवाद के अवसर अधिक हो।

(2) संवाद और भाव संप्रेषण ही संबंधों के आधार होते हैं। समय समय पर विषयगत व्याख्यांत के अतिरिक्त विद्यार्थियो कि समस्या निवारण हेतु स्वस्थ वातावरण में शिक्षक छात्रो में सकारात्मक बातचीत होनी चाहिए।

परिवारिक विघटन

कु. आरती साहू
एम.ए. (सेमेस्टर) राजनीतिक विज्ञान, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

परिवारिक विघटन आज के आधुनिक युग में बहुत ही हो रहा है क्योंकि आज के समय में परिवारिक संबंधों का बड़ा ही प्रभाव पड़ रहा है। प्रत्येक बालक के व्यक्तित्व के विकास के क्षेत्र में भी परिवार का महत्व होता है, माँ से अगर बालक वंचित रखा जाता है तो बालक पर प्रारम्भिक परिवारिक अनुभवो का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। जन्म के बाद बालक का पहला वातावरण परिवार ही होता है, यही वातावरण बालक में कुछ अभिवृत्तियो का निर्माण करता है। बालको के विकास में परिवारिक संबंधो के महत्वपूर्ण स्थान देखने को मिलता है। अभी के समय में परिवार का आकार छोटा ही देखने को मिलता है। गांव की अपेक्षा शहरों के परिवार अधिक छोटे होते है, गांव और शहरों की अपेक्षा बहुत कम पढ़े – लिखे लोगो की अपेक्षा पढ़े – लिखे लोगो के परिवर अपेक्षाकृत अधिक छोटे होते है। भारतीय परिवारो में तालाक की प्रथा आज एक सामान्य सी बात हो गई वर्तमान समय में पुर्नविवाह भी पहले की अपेक्षा अधिक होने लगी है, बच्चा के जन्म के बाद पिता का कार्य पहले से बढ़ जाता है। परिवारिक विघटन के अनेक कारण है, औधौगिकरण और नगरीकरण है, बेरोजगारी सुविधाओ का अभाव, अन्य संस्कृतियो का प्रभाव आदि कुछ कारण है, जिनके

M.S. Naveen Girls College Govt. Bilaspur (C.G.)

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। मनुष्य का अस्तित्व समाज से जुड़कर ही सार्थक होता है। बौद्धिक, आर्थिक उन्नति की सामाजिक महत्व है। समाज से कटकर व्यक्ति के विघटन का परिणाम है–उदयन एक साइको किलर।

"परिवार अलगाव"

डॉ. एल. एन. दुबे
विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र

नेहा मौर्य एवं निधि मौर्य
एम.ए. अंतिम

शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

अकेलेपन के कारण – अकेलेपन का कारण आनुवांशिकता से संबंधित है किन्तु इसके अनेक बाहरी कारण भी है जिसके कारण अनेक लोगो मे सामाजिक अकेलापन इतना अधिक बढ़ जाता है।कि लोग अवसादग्रस्त होकर आत्म –हत्या भी कर लेते है।

एक व्यक्ति जिसे उसके परिवार तथा मित्रो ने ठुकरा दिया या उपेक्षित किया है उसमें अवसाद तथा अकेलापन तेजी से बढ़ सकता है, यह तब भी हो सकता है जब किसी ने मजाक उडाया हो।

- शारीरिक अक्षमता तथा अत्यधिक अन्तर्मुखी ,स्वभाव व्यक्तियो को यह सोचने पर मजबुर कर सकता है कि वह समाज या किसी समूह में घुलने मिलने में असक्षम है। यद्यपि ये व्यक्ति जनसमूह या समाज में घुलने मिलने की हर संभव कोशिश करते है किन्तु वे उन बेड़ियो तथा बाधाओ को तोड़ने में समर्थ नही हो पाते , जो उन्हे समूह का हिस्सा बनाए।
- वे व्यक्ति जो अत्यधिक संवेदनशील तथा भावात्मक होते है,यदि उनके जीवन मे कोई ऐसी घटना जैसे तलाक या साथी से अलगाव हो जाए तो इसका प्रभाव उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा होता है।
- अपने जीवन साथी की मृत्यु तथा तलाक किसी भी व्यक्ति को अकेलेपन तथा अवसाद की ओर धकेल सकते है।
- अवसाद बढ़ती उम्र की सबसे सामान्य समस्या है यह शारीरिक शक्ति व गति को कम करके उम्रदराज व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव ड़ालता है।
- पुराने परम्परागत समय में बुजुर्ग लोगो की सर्वोच्च स्थिति होती थी वे समाज की परम्पराओं तथा संस्कृति के रक्षक होते थे। परन्तु आधुनिक समय मे सब कुछ बदल गया है, और बुजुर्ग लोग हाशिए पर ढकेल दिए गए है वे परिवार तथा पडोस दोनो मे ही उपेक्षित किए जा रहे है। यही उपेक्षा उनमे अकेलापन और दुःख बढा रही है।

Govt. M.S. Naveen Girls College Bhaspur (C.G.)

अकेलेपन का बुरा प्रभाव

अकेलापन एक गंभीर अवस्था है लम्बे समय तक अकेलापन तथा अपनो से दूर होना स्वास्थ्य के लिए अत्याधिक घातक हो सकता है।

- यह अल्कोहल लेने की प्रवृत्ति बढ़ा सकता है। लोग आत्म हत्या तक कर लेते है तथा अनेक मानसिक बीमारियो के शिकार हो जाते है।
- अकेलापन मानसिक बीमारियो का मुख्य कारण है यह मस्तिस्क की कार्यप्रणाली को प्रभावित करता है इससे व्यक्ति शारीरिक दर्द का भी अनुभव करता है।
- अकेलापन में तनाव देने वाला हारमोन कोर्टिसोल सुबह के समय असामान्य रूप से अधिक सकिय होता है तथा पूरे दिन भर में ही यह समान्य नही हो पाता है
- लगातार अकेलेपन जब मस्तिस्क की सामान्य प्रणाली से मिल जाता है तब मानसिक बिमारिया जैसे–डिमेनशिआ का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है।
- लम्बे समय तक अकेलेपन के कारण हृदय उत्तको को एंव रक्त धमनियो को क्षति पहुचती है इसके कारण हृदयघात , पक्षघात एंव हृदय संबंधी अन्य बिमारियो का खतरा बढ़ जाता है।
- अनेक अध्ययन यह सिद्ध करते है कि जो व्यक्ति बिना किसी साथी के जीवनयापन करते है उनमे लकवा , हार्ट अटैक , समय पूर्व मृत्यु आदि अनेक जटिलताए हो सकती है, उन व्यक्तियो की तुलना मे जो अपने परिवारो के साथ रहते है।
- यह देखा गया है कि जो व्यकित अकेले रहते है उन्हे नींद संबंधित अनेक समस्याए होती रहती है लगातार रहने वाला अवसाद तथा बेचेनी इन्सोमेनिया तथा नींद से संबंधित बिमारियो का कारण है।

अकेलापन दूर करने के लिए टिप्स

अकेलापन तथा दूसरे लोगो से अलग होकर रहना उदासी का भाव केवल एक मानव संवेग नही है बल्कि यह एक जटिल भाव है जो साथी की कमी या अभाव से उत्पन्न होता है।

- सामाजिक गतिविधियो में भागीदारी तथा लोगो में घुलने से अकेलापन दूर होता है तथा मानसिक स्वास्थ्य मे सुधार होता है।
- अकेलेपन की भावना को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। अकेलापन एक भावना है जिससे मनुष्य दुःखी रहता है तथा दर्द का अनुभव करता है तथा इसके कारण को ढूढने की कोशिश करता है। कि मैं अकेला क्यो हूँ। इसका कारण यह है कि कोई भी मुझसे प्यार नही करता है क्योकि मे जीवन मे कभी कुछ नही पा सकता यह बाते व्यक्ति को तंग कर देती है।
- अपने आपको अलग–अलग करने की बजाय लोगो से अपने परिवार के सदस्यो तथा अपने दोस्तो से मेल – जोल रखे । स्वस्थ्य रिश्ते आपको अकेलेपन से लड़ने , उदासी दूर करने में बहुत सहायक सिद्ध होंगे।

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

घरेलू हिंसा का शिकार होती महिलाएँ

त्रिवेणी साहू एवं सरिता ध्रुव
एम.ए. अंतिम (समाजशास्त्र), शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

आज केवल भारत में ही नही अपितु सभी देशो में करोड़ो स्त्रियाँ घरेलू हिंसा का शिकार है ऐसा लगता है कि यह एक ऐसाा सार्वभौमिक तथ्य बन गया है। जिस पर संस्कृति धर्म अथवा नृजातीयता का कोई प्रभाव नही पढ़ता है रोजाना अनगिनत स्त्रियों से उनके पतियों तथा परिजनों द्वारा मनोवैज्ञानिक शारीरिक एवं लैंगिक रूप में दुव्यवहार किया जा रहा है। यद्यपि भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498 में पत्नी एवं बच्चों के साथ इस प्रकार के दुव्यवहार के लिए शिकायत का प्रावधान किया गया है तथापि यह धारा बहुत कम प्रचलन में है अमेरिका जैसे देश में स्त्रियों के प्रति हिंसा अमान्य एवं दण्डनीय अपराध है। घरेलू हिंसा की जड़े बहुत गहरी होती जा रही है तथा इसका कोई एक कारण बता पाना कठिन है।

न्यायमूर्ति डा. वेनूगोपाल ने हमारा इस ओर आकर्षित करने का प्रयास किया है कि अनेक कामकाजी स्त्रियों का अपनी आय पर किसी प्रकार का नियंत्रण नही है प्रति माह जितना वेतन उन्हे मिलता है वह पति द्वारा डरा धमकाकर या अन्य किसी दबाव से उनसे ले लिया जाता है उन्हे घर का सारा काम करने के साथ – साथ अपने व्यवसाय संबंधी दायित्वों को भी पूरा करना पड़ता है।

घरेलू हिंसा का संबंध घर गृहस्थी में नारी का किया जाने वाला शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न है, विवाह के समय स्त्री सुनहरे स्वप्न देखती है कि अब प्रेम, शान्ति व आत्म उपलब्धि का जीवन प्रारंभ होगा। परन्तु इसके विपरीत सैकडों विवाहित स्त्रियों के यह सपने क्रूरता से टूट जाते है। वे पति द्वारा मार – पीट और यातना की अन्त हीन लम्बी अंधेरी गुफाओं में अपने आपको पाती है। जहॉ उनकी चीख–पुकार सुनने वाला कोई नही होता।

सोनल का कहना सही है कि इस घरेलू हिंसा के विरूद्ध संगठित प्रयास किया जाना जरूरी है। नगरों में स्त्रियों को परस्पर बातचीत करना सीखना चाहिए और एक – दूसरे के अनुभवों से फायदा उठाना चाहिए। सबसे बड़ी जरूरत तो ऐसे संरक्षण गृहों की है जहॉ ऐसी परिस्थिति में स्त्री अपने बच्चों के साथ सिर छिपा सके और फिर इसी दशा में आवश्यक कदम उठा सके। यहॉ यह बता दिशा जाना आवश्यक है कि कानून की दृष्टि से स्त्री के प्रति यह घरेलू हिंसा एक अपराध है और पुलिस का यह दायित्व है कि ऐसे मामलो की जॉच करे। ऐसा न करना उनकी कार्य के प्रति लापरवाही समझी जाती है जो दण्डनीय है किसी भी व्यक्ति के प्रति हिंसा निजी विषय नही हो सकता। यह तो सार्वजनिक मामला है।

समाज में महिलाओं के प्रति बढ़ता अपराध

मोनिका साहू एवं सरिता सूर्यवंश

एम.ए. अंतिम (समाजशास्त्र), शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

नारी तुम केवल श्रद्धा हो, जीवन रजत मद परद तल में।

पीयूश श्रोत सी बहा करो, जीवन के सुन्दर समतल में।।

पहले जिस समाज में मलिाओं की पूजा की जाती थी, आज उसी समाज में महिलाओं की न केवल अपेक्षा की जाने लगी है। अपितु महिलाएँ उत्पीड़न और प्रताड़ना का शिकार होने लगी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि देश में 54 मिनट में एक बलात्कार, 26 मिनट में एक छेड़छाड़, 43 मिनट में एक अपहरण और 102 मिनट में एक दहेज, हत्या का अपराध होता है। आज समाज में स्त्रियों के प्रतिजो घृणित प्रवृत्ति का विकास होता जा रहा है, यह स्वस्थ समाज की निशानी नही, एक बिमार, विकारग्रस्त समाज की तस्वीर पेश करने वाले तथ्य है। आज समाज में स्त्रियों को इससे उबारने की आवश्यकता है। इन अनेक अपराध की समस्याओं में स्त्रियों के विरूद्ध अपराध की समस्या सबसे अधिक ज्वलंत और जटिल है।

यह समस्या समाज वैज्ञानिको तथा शोधकर्ताओं का जितना ध्यान आकर्षित करती है। अन्य कोई समस्या नही करती है। महिलाओं के विरूद्ध अपराध भारतीय समाज की कोई नई समस्या नही है। भारतीय समाज की महिलाएँ लम्बे समय से यातना और शोषण का शिकार रही है।

आजादी के बाद संवैधानिक अधिकारों की गारण्टी दी गयी है, फिर भी महिलाओं के विरूद्ध अपराधो की संख्या में किसी प्रकार की कोई कमी नही आयी है। आज भी महिलाओं को पीटा जाता है। उनका अपहरण किया जाता है। उनके साथ बलात्कार किया जाता है। उनको जला दिया जाता है। उनकी हत्या कर दी जाती है। इसी प्रकार आज भारतीय समाज महिलाओं के विरूद्ध किये जाने वाले अपराधों का जीता जागता नमूना है।

महिलाओं के विरूद्ध अपराधों का विवरण –

1.	धारा 376	–	बलात्कार
2.	धारा 363 – 376	–	अपहरण
3.	धारा 302 – 304 बी.	–	हत्या तथा दहेज हत्या
4.	धारा 498 – ए. –		शारीरिक तथा मानसिक प्रताड़ना
5.	धारा 354	–	कष्ट देना
6.	धारा 509	–	यौवन उत्पीड़न
7.	धारा 366 – बी. –		21 वर्ष से कम की लड़की को भगाना

महिला अपराधों का प्रतिशत –

क्र. संख्या	वर्श	महिलाओं के प्रति अपराधों का प्रति ात
1	1995	6.4
2	1996	6.8
3	1997	6.4

उपरोक्त आकडे यह दर्शाती है कि समाज में महिलाओं के प्रति अपराध लगातार बढ़ रहे है। उपरोक्त आकडे केवल वही है जोदर्ज है इसके अलावा कई अपराध परिवार के सदस्यों द्वारा किये जाते है जो दर्ज नही हुए है। आज आवश्यकता इस बात की है कि व्यक्तियों की मनोवृत्ति को बदलना है ताकि सदस्य समाज की रचना हो सके व महिलाएँ भी पूरें सम्मान के साथ अपना जीवन जी सके। कई महिलाएँ ऐसी होती है जिन पर इस प्रकार घटना घटित होती है वे आत्महत्या तक कर लेती है। उन्हे आत्महत्या करने से रोकना है यह कार्य स्वयं के माध्यम से ही संभव है।

वर्तमान परिवेश में बढ़ता युवा तनाव

सुनिता साहू एवं आरती ताम्रकार

एम.ए. पूर्व (समाजशास्त्र), शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

प्रत्येक समाज में युवा वर्ग का पाया जाना स्वाभाविक बात है, देश की उन्नति या विकास के क्षेत्र में युवा वर्ग का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। वास्तव में एक स्थिर समाज पूर्वजों के अनुभव पर चलता है। जबकि एक प्रगतिशील समाज नवयुवकों के विचारों पर। इसका अभिप्राय यह है कि युवक वर्ग में नवीनता के प्रति लगाव होता है। यह वर्ग में उत्साही होता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में यह वर्ग परिवर्तन चाहता है। परिवर्तन आधुनिक समाज की एक घटना मानी जा सकती है। देश का युवा वर्ग अपने कार्य जब पूरा करने में अपने आपको असमर्थ पाता है तो ऐसी स्थिति में निराशा तथा असंतोष की भावना जागृत होती है। यही युवाओं में तनाव पैदा करता है जिससे की युवा तनाव के नाम से जाना जाता है।

आज देश में युवा तनाव ने एक जटिल समस्या का रूप धारण कर लिया है। वैसे तो देश में अनेको समस्याएँ आयी, लेकिन कुछ न कुछ हल उनका अवश्य किया गया, लेकिन युवा तनाव की समस्या एक ऐसी समस्या है जो दिन प्रतिदिन जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में इसका स्वरूप प्रत्येक्ष एवं अप्रत्येक्ष दोनो ही रूपों में परिलक्षित होता है। जिनका निराकरण करना महा कठिन है। अभी हाल में ही देश में घटित होने वाली घटनाऐं इसकी ज्वलंत उदाहरण है। विद्यार्थी अनुशासन की घटनाये, बंगाल में मजदूर आंदोलन की घटनाये तथा स्थान – स्थान पर युवकों द्वारा आयोजित सभायें, जुलूस आदि युवा तनाव के रूप में नही देखा जा सकता है।

Govt. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं में दिन–प्रतिदिन बढ़ते तनाव के कारणों को समझा जाये और उनका निदान करके युवाओ की शक्ति को रचनात्मक दिशा में आगे बढ़ाया जाये तथा समाज व देश में विकास किया जाये। यह समाज एक युवा वर्ग है, जो देश की विकास गंगा को निरंतर आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे सकता है।

...

वर्तमान समाज में तलाक की बढ़ती प्रवृत्ति

रश्मि सिंह ठाकुर एवं पूर्णिमा साहू

एम.ए. अंतिम (समाजशास्त्र), शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

यह एक सार्वभौमिक तथ्य है कि विवाह अपने में एक सम्पूर्ण व्यवस्था नही है इसमें कुछ असफलताएँ भी होती है तथा कुछ विवाह टूटते भी हैं इसीलिए सभी समाजों में असफल विवाहों के निपटाने के लिए कुछ विधियाँ विकसित की जाती है। तलाक एक ऐसी ही विधि है जिसके द्वारा समाज असफल दम्पति को पुनः विवाह करने का अवसर प्रदान करता है।

तलाक शब्द अंग्रेजी के 'Divorce' शब्द का हिन्दी रूपांतरण है 'Divorce' शब्द लैटिन भाषा के शब्द Divortiam से बना जिसका अर्थ है अलग हो जाना।

तलाक के प्रकार :– तलाक सार्वकालिक और सार्वदेशिक क्रिया है इसलिए इसके स्वरूप और प्रकार में भिन्नताएँ पाई जाती है। इलियर और मैरिल ने तलाक के दो प्रकार बतलाएँ है–

1. पूर्ण तलाक :– यह तलाक का वह प्रकार है जिसमें वैवाहिक अधिकार और दायित्व पूरी तरह समाप्त हो जाते है और स्त्री पुरूष का पूरी तरह सम्बंध विच्छेद हो जाता है। वे प्रथम अस्तित्व के रूप में निवास करते है।
2. आंशिक तलाक :– आंशिक तलाक को दूसरे शब्दों में वैधानिक तलाक भी कहा जाता है इसके द्वारा विवाह समाप्त नही होता है अपितु केवल यह पति और पत्नी को कानूनी पृथकता प्रदान करता है जिसके द्वारा एक बिस्तर और एक भोजनालय से पृथक हो जाते है। यह तलाक तब तक साथी रहता है जब तक कि स्त्री और पुरूष एक ही निवास में रहने को सहमत नही हो जाते है।

वर्तमान समाज में भौतिकता की चकाचौंध, शक्तिवादी, दृष्टिकोण तलाक के प्रतिशत को लगातार बढ़ा रहा है आवश्यकता इस बात कि है कि तलाक की प्रवृत्ति को कम करने के लिए पति पत्नी में समायोजन हो तथा उनके बच्चों का ठीक तरह से परवरिश हो सकते है। परिवार की पुरातन व्यवस्था को बनाये रखे।

...

Govt. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

युवाओं में बढ़ता असंतोषः कारण व निदान

कु. प्रज्ञा शर्मा एवं कु.विजेता ठाकुर
छात्रा – बी.ए.द्वितीय, शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

आज के युवाओं में बढ़ता असंतोष, बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति का कारण क्या है? क्यों युवाओं को उनका भविष्य अनिश्चित नजर आता है? युवा वर्ग में ही सबसे ज्यादा ऊर्जा भरी हुई है किन्तु उस ऊर्जा के प्रयोग के लिए युवा सही राह क्यों नही चुन पाते? क्यो 15–29 वर्ष की आयु वर्ग के युवा हो हिन्सक गतिविधि अपन लेते है और परिणाम होता है .....

युवा वर्ग क्यों असंतुष्ट है? इसके अनेक कारण हमें स्पष्ट परिलक्षित होते है जैसे –

- आज माता–पिता अपने बच्चो से अधिक अपेक्षाएँ रखते है जिसके कारण भी उन पर सामाजिक दबाव बढ़ता जाता है। समाज की कसौटियो पर खरा न उत्तर पाने के कारण उनमें हीन भावना आ जाती है। बच्चो के साथ किस तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए? उनकी भावनाओं को कैसे समझे, इसके लिए अभिभावको को भी विशेष ध्यान देना होगा।
- हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली में भी बहुत बड़ी कमी है जिससे कि छात्रो को अपने पैरो में खड़े होने पर काफी समय लग जाता हैं। शिक्षा व्यवस्था ऐसी हो कि छात्रो के भीतर छिपी कलात्मक प्रतिभाओं को उभारा जा सके। जिससे कि वो अपने पैरो पर खडे हो सके। आज की शिक्षा से छात्रो में विवके बढ़े ताकि छात्र के अन्दर अच्छे बुरे को पहचानने की क्षमता उत्पन्न हो सके। अध्यापको को केवल विषय ज्ञान ही नही अपितु व्यावहारिक ज्ञान व बाल मनोविज्ञान से परिचित करना होगा।
- आज की युवा पीढ़ी में कुशाग्रता का अभाव है जिसके कारण भी वो उपराध की ओर रूख करते है।
- आज के भौतिकवादी युग में माता–पिता बच्चो को समय नही दे पाते हैं और उनकी पूर्ति तो पैसो से करना चाहते है। यह प्रवृत्ति भी गलत है क्योंकि माता–पिता से मिलने वाले संस्कार व शिक्षा कही और से नही मिल सकती है।
- हमारी व्यवस्था भी दोषी है युवाओं के इस कृत्य के पीछे वो व्यवस्था जिसको हम नजरअंदाज कर जाते है पर उनका ही परिणाम युवा वर्ग भुगत रहे है।

अतः आज आवश्यकता है नये चिंतन की भागदौड भरी दिनचर्या में भी अपने बच्चो के लिए कुछ समय की उन्हे संस्कारो से परिचित कराने की सही दिशा–निर्देश देने की ताकि वो अपने राह पर भटके न व समाज के नागरिक होने के कारण आवश्यकता है कि हम सब युवाओं के मनोविज्ञान को समझे व उन्हें सही दिशा दिखाने का प्रयास करें व एक स्वस्थ समाज की कल्पना को सम्भव बनाये।

Govt. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

भाई–बहिन का रिश्ता एवं अभिभावक की भूमिका

कु. मिनाक्षी साहू एवं हेमलता साहू
छात्रा – एम.ए.पूर्व हिन्दी, शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

वैसे तो हर घर में भाई–बहनों का रिश्ता बड़ा ही विशेष होता है। जहां इस रिश्ते में प्यार इतना अधिक होता है कि एक को आंच आने पर दूसरा मरने–मारने को तैयार हो जाता है, वहीं कभी–कभी ठीक इसके विपरीत भी हो जाता है। कई भाई–बहन भाग्यशाली होते है कि वे आपस में पक्के दोस्त होते है, पर भाई–बहनों में झगड़ा होना बहुत आम है। कई बार भाई–बहनों में मन का बैर दूसरे बच्चे के जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है और बड़े होते होते बढ़ता ही जाता है। उनमें खिलौनों, चॉकलेट्स, जगह, परिवारजन के ध्यान और प्यार हर चीज के लिए प्रतिस्पर्धा होती है। वयस्क होते भाई–बहनों में कभी–कभी शादी–ब्याह, पढ़ाई, करियर में तुलना और प्रतिस्पर्धा इतनी अधिक हो जाती है कि वह सधारण मतभेद या तू–तू, मैं–मैं न रहकर दूश्मनी या बिगड़ते रिश्ते में परिवर्तित हो जाती है।

1. **दूरिया दूर करे :–** जीवन के किसी भी पड़ाव पर अपने भाई–बहन से मन मुटाव होने पर कलह दूर करने की पहल करे। यदि बातचीत बंद हो तो सारी पुरानी बाते बिसराकर बातचीत शुरू करें। आपके बच्चों को मामा–बुआ की जरूरत होती है, आपको स्वयं जीवन के किसी मोड़ पर किसी अपने की जरूरत होती है। हमारे बुजुर्ग कहते है कि खून का रिश्ता सबसे अटूट होता है, वह गलत नही है। गिले–शिकवे भुलाकर संबंध सुधारने का प्रयास करे।

2. **कहकर तो देखें :–** मन में जो भी है उसे अपने भाई–बहन से कहकर देखे। यदि आपको किसी व्यवहार का कारण जानना है तो पूछें या आप चाहते है कि वह आप से क्षमा मांगे, तो वह भी उसे जाहिर करें। मन में रखने से किसी समस्या का हल नही होता। अव्वल तो सम्भावना है कि आपकी समस्या का समाधान मिल जाएगा, नही तो कह देने से भी कम से कम दिल का बोझ हल्का हो ही जाएगा।

3. **इसमें उसकी क्या गलती ? :–** कई बार एक बच्चे की अधिक प्रशंसा होने के कारण दूसरा उसके प्रति नकारात्मक और ईर्ष्यापूर्ण हो जाता है। कम प्रशंसा पाने वाले को सोचना चाहिए कि सबका नजरिया ऐसा है। इसमें प्रशंसा प्राप्त कारने वाले भाई–बहन का क्या दोष, अत: अपने रिश्ते में क्यो क्लेश पनपने दें ? यह रिश्ता तो ईश्वर का अनमोल देन है। इसे किसी कीमती मोती की तरह सहेज कर रखे।

1. **हर बच्चे का अपना अस्तित्व है:–** कभी भी दो बच्चों में तुलना करने की भूल न करें और न कभी उनमें प्रतिस्पर्धा का भाव आने दे । हमेशा एक की जीत में दूसरे को खुश होने का रास्ता दिखाए। हर बच्चे को अपना लक्ष्य दें, जो सिर्फ उसी को ध्यान में रख कर बनाया गया हो। हर बच्चे का अपना अस्तित्व है उसे उसी तरह से विकसित होने दे।

2. **बीच में न पड़े :–** जितना हो सके अभिभावकों को बच्चों का झगड़ा सुलझाने के लिए बीच में नही आना चाहिए, जब तक बच्चों को जोर से चोट आने का डर न हो। आपके दखल देने से बच्चे हर बार आपसे अपेक्षा करेंगे कि आप उन्हे बचाये जबकि होना यह चाहिए कि उन्हें अपनी

उलझनें स्वयं सुलझाना आना चाहिए। एक अन्य जोखिम यह है कि जिस बच्चे को अधिकांशतः बचाया जाता है तो डांट खाने वाले बच्चे को यही लगता है कि उसका भाई या बहन ही माता पिता का फेवरेट है।

...

मनोवैज्ञानिक समस्या के निदान में भाषा की भूमिका

कु. निकिता देवांगन . कु. बैंजंती कोठारी

एम.ए. पूर्व हिन्दी, शा. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर छ.ग.

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहने के नाते उसे आपस में सर्वदा ही विचार विनिमय करना पडता है। कभी वह शब्दो या वाक्यो द्वारा अपने आपको प्रकट करता है, तो कभी सिर हिलानें से उसका काम चल जाता है।

'भाषा वह साधन है , जिसके माध्यम से हम सोचते है तथा अपने विचारो को व्यक्त करते हैं, 'किन्तु भाषाविज्ञान, में हम भाषा का अध्ययन विश्लेषण करते हैं।

भाषा और मनोविज्ञान :— भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान का बहुत गहरा संबंध है, भाषाविज्ञान की वाहिका है, और विचारों का सीधा संबंध मस्तिस्क तथा मनोविज्ञान से है। इस प्रकार भाषा की आंतरिक गुत्थियो को सुलझाने में भाषाविज्ञान मनोविज्ञान से बहुत अधिक सहायता लेता है , विशेषतः अर्थविज्ञान तो पूर्णतः मनोविज्ञान पर ही आधारित है। वाक्य विज्ञान कें अध्ययन में भी मनोविज्ञान से पर्याप्त सहायता मिलती है। इसी प्रकार कभी कभी ध्वनि–परिवर्तन के कारण जानने के लिए भी हमें मनोविज्ञान की शरण लेनी पड़ती है। भाषा की उत्पत्ति और प्रारंभिक रूप की जानकारी में भी मनोविज्ञान , विशेषताः बाल–मनोविज्ञान और अविकसित लोगो का मनोविज्ञान हमारी बहुत सहायता करता है। दूसरी और मनोविज्ञान भी भाषाविज्ञान से कम सहायता नहीं लेता । पागलों के मनोवैज्ञानिक उपचार में उनके द्वारा कही गई ऊलूल –जलूल बातो के विश्लेषण जिसमें भाषा विज्ञान से पर्याप्त सहायता मिलती है– के द्वारा ही उनकी मानसिक गुत्थियों एंव ग्रंथियो का पता लगाया जाता है।

किसी भी मनोवैज्ञानिक समस्या का निदान बातचीत के द्वारा ही संभव हैं और बातचीत में भाषा महत्वपूर्ण साधन हैं। शब्द और अर्थ के माध्यम से ही मनोवैज्ञानिक विश्लेषण कर समस्या का निदान करते हैं।

...

S. Haveen Girls College Govt. Bilaspur (C.G.)

परिवारिक विघटन

कु. आरती साहू
एम.ए. (सेमेस्टर) राजनीतिक विज्ञान, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

परिवारिक विघटन आज के आधुनिक युग में बहुत ही हो रहा है क्योंकि आज के समय में परिवारिक संबंधों का बड़ा ही प्रभाव पड़ रहा है। प्रत्येक बालक के व्यक्तित्व के विकास के क्षेत्र में भी परिवार का महत्व होता है, माँ से अगर बालक वंचित रखा जाता है तो बालक पर प्रारम्भिक परिवारिक अनुभवो का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। जन्म के बाद बालक का पहला वातावरण परिवार ही होता है, यही वातावरण बालक में कुछ अभिवृत्तियो का निर्माण करता है। बालको के विकास में परिवारिक संबंधो के महत्वपूर्ण स्थान देखने को मिलता है। अभी के समय में परिवार का आकार छोटा ही देखने को मिलता है। गांव की अपेक्षा शहरों के परिवार अधिक छोटे होते है, गांव और शहरों की अपेक्षा बहुत कम पढ़े – लिखे लोगो की अपेक्षा पढ़े – लिखे लोगो के परिवर अपेक्षाकृत अधिक छोटे होते है। भारतीय परिवारो में तालाक की प्रथा आज एक सामान्य सी बात हो गई वर्तमान समय में पुर्नविवाह भी पहले की अपेक्षा अधिक होने लगी है, बच्चा के जन्म के बाद पिता का कार्य पहले से बढ़ जाता है। परिवारिक विघटन के अनेक कारण है, औद्योगिकरण और नगरीकरण है, बेरोजगारी सुविधाओ का अभाव, अन्य संस्कृतियो का प्रभाव आदि कुछ कारण है, जिनके फलस्वरूप परिवारिक विघटन हो रहा है। व्याक्तियो के संबंध स्थिर कम तथा परिवर्तनशील अधिक होते है।

जब बालक अपना अधिकांश समय परिवार से बाहर व्यतीत करने लग जाता है तब उसमें नये मुल्यों के रूढ़ियो का विकास होने लगता है। आज माता पिता और पुत्र के दुर्बल संबंध के कारण भी परिवारिक संबंधों में हर्ष होता है। वर्तमान समय में नये बच्चे के पैदा होने के बाद पति – पत्नि और परिवार के सदस्यो के बीच व्यवहारो में में परिवर्तन आ जाता है। मनोविज्ञान के अध्ययन करने से पता चलता है कि अनेक कई संरक्षको का तिरस्कार बालको में अनेक लक्षण उत्पन्न करता है, जैसे कुछ सहायता की भावना, कुछ सामायोजन, समाज विरोधी व्यवहार, झूठ बोलने की आदत आदि तिरस्कार के कारण परिवारिक संबंधो को प्रभावित करता है। हम यह भी जानते है कि माँ अपने बेटे का बेटीयों की अपेक्षा अधिक पक्ष लेता है। पिता अपने बेटा की अपेक्षा बेटीयों का अधिक पक्ष लेते है। परिवार के कोई मुखिया व्यक्ति का व्यवहार सही होता है परिवार पर अच्छी दृष्टिकोण बना रहता है और गलत होने पर परिवार का विघटन हो जाता है अभी के वर्तमान समय में परिवार को तोड़ने के अनेक कारण देखा जा सकता है। आधुनिक परिवार न्यूक्लियर परिवार बढ़ता है। इस परिवार में पति – पत्नि और बच्चे ही सम्मिलित होते है।

Naveen Girls College Govt. M.S. Bilaspur (C.G.)

अभिभावक और बच्चों के बीच सम्बन्ध

शशिकला सूर्यवंशी
कक्षा–एम.ए.अन्तिम वर्ष (हिन्दीसाहित्य) अध्यक्ष,

शकुन्तला साहू,
कक्षा–एम.ए.अन्तिम वर्ष (हिन्दीसाहित्य)
शा.माता शबरी स्नातकोत्तर नवीन कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर

अमेरिकी चाइल्ड साइकोलॉजिस्द एलिजाबेथ हर्थले ने हाल ही में वहां के बच्चों पर एक षोध किया और वह इस निश्कर्श पर पहुंची कि जीवनशैली की बढ़ती व्यस्तता की वजह से पैरेंट्स अपने बच्चों को समय नही दे पाते जिससे उनका आत्मविश्वास कमजोर पड़ता जा रहा है। भले ही यह षोध अमेरिका मे किया गया है लेकिन भारत मे भी स्थितियां कमोवेश ऐसी ही है।

एक अन्य सर्वेक्षण में पाया गया कि भारत मे 5 में से 4 बच्चे (2–14 वर्श) अनुषासन के नाम पर घारों और विद्यालयों में सजा पाते है तथा 17प्रतिशत बच्चे गंभीर षारीरिक/मानसिक सजा के षिकार होते हैं।

हमारे यहां परवरिष के दौरान 'डर' नामक तत्व,अनुषासन के नाम पर इतना कूट–कूट कर भरा जाता है कि बच्चे अपना आत्मसम्मान ही खो बैठते है।

ऐसी समस्या से बचाव के लिए मनोवैज्ञानिक हर्थले ने यह सुझाव दिया कि पेरेंट्स को नियमित रूप से अपने बच्चे के साथ क्वॉलिटी टाइम जरूर बिताना चाहिए। भले ही आप अपने बच्चे के साथ क्वॉलिटी टाइम न बिता पाएं पर थोड़े से वक्त में उसे ढेर सारा प्यार तो दिया ही जा सकता है। फुर्सत के पलों में आप बच्चे की रूचि से जुड़ा कोई भी कार्य कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले आप यह पहचानने की कोषिष करें कि रोजमर्रा की कौन – सी ऐसी एक्टिविटीज है, जिन्हें आपके साथ बच्चे भी एंजॉय कर सकते हैं। मसलन मॉर्निंग वॉक, टीवी देखना, पौधों को पानी देना, घर की सफाई और कुकिंग जैसे छोटे–छोटे घरेलू कार्यो में अपने साथ बच्चों को भी जरूर षामिल करें। इसके साथ ही–

- पैरेंट्स को चाहिए कि बच्चों कि सराहना सबके सामने करें डांटना–मारना आदि अकेले में हो। बच्चों को गलत व्यवहार के लिए सजा की बजाय सही व्यवहार क्या है वो बताएं।
- किसी भी प्रकार का डर,गिल्ट न दें।
- अपषब्दों का प्रयोग, चीखना, चिल्लाना, इमोषनल ड्रामा न करें।
- आप बहुत कड़े नियम,कानून – कायदे बच्चों पर लागू करने से बचें। नियम सभी पर एक जैसे लागू होने चाहिए।
- आप स्वयं क्लीयर रहें तथा अपने कमिटमेंट्स को फॉलो करे।
- अगर बच्चा छोटा है तो पैरेंट्स को चाहिए कि रोज सोने से पहले बच्चे को कम से कम एक कहानी जरूर सुनाएं।
- बच्चों के साथ अपनी दिनचर्या षेयर करने से भावनात्मक रूप से खुद को सुरक्षित महसूस करते है और उनमें सहयोग की भावना विकसित होती है।

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

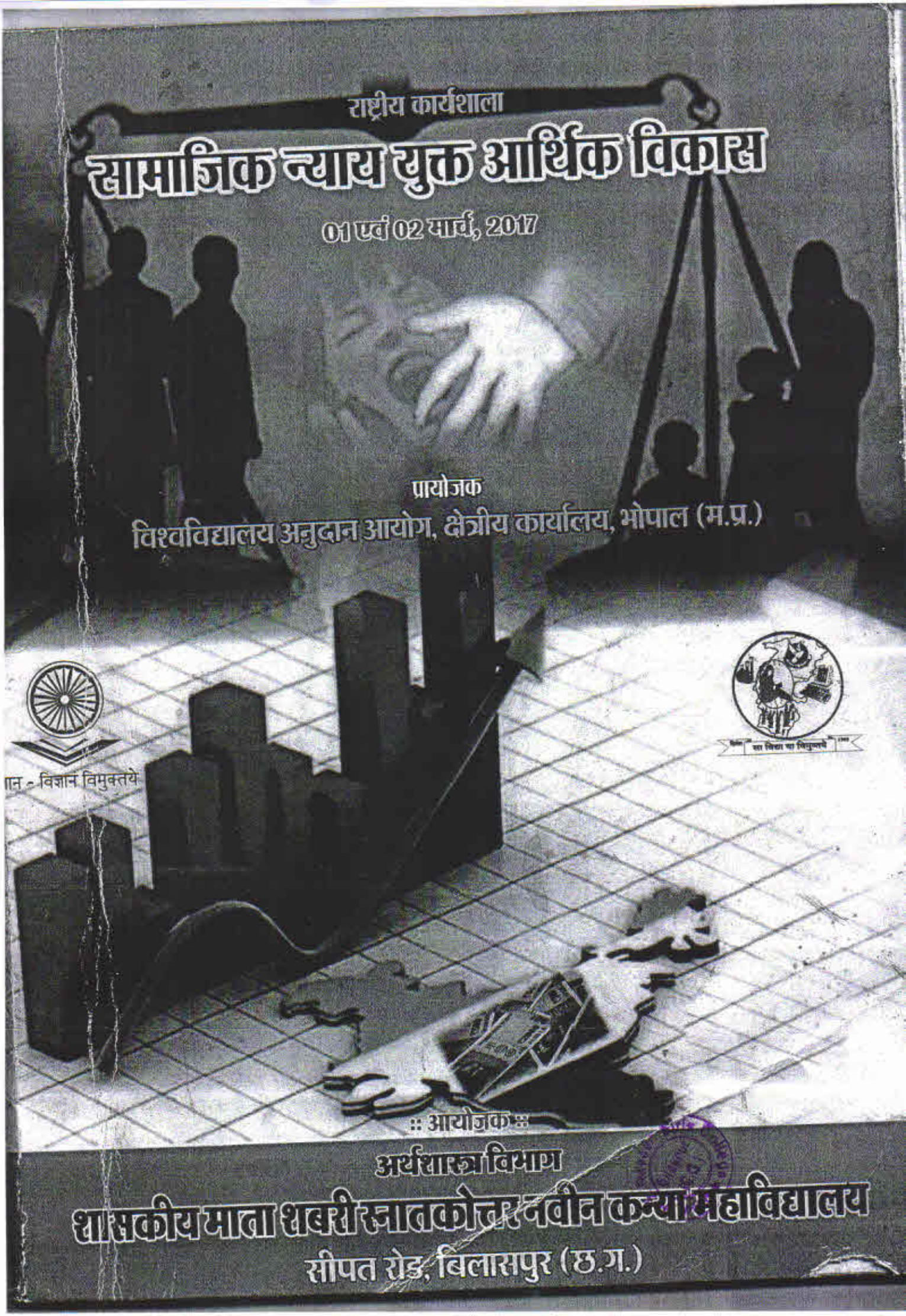

राष्ट्रीय कार्यशाला

सामाजिक न्याय युक्त आर्थिक विकास

01 एवं 02 मार्च, 2017

प्रायोजक

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल (म.प्र.)

ान - विज्ञान विमुक्तये

:: आयोजक ::

अर्थशास्त्र विभाग

शासकीय माता शबरी स्नातकोत्तर नवीन कन्या महाविद्यालय

सीपत रोड, बिलासपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

S.No.	Title	Writer	Page No.
1	भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय की अवधारणा	भूपेन्द्र करवंदे	1
2	आर्थिक विकास के सामाजिक परिवर्तन में महिलाओ की भूमिका	डॉ. रेखा वागडे	2
3	छत्तीसगढ़ में पलायन की समस्या एवं सामाजिक न्याय	श्रीमती अर्चना अग्रवाल	3
4	आर्थिक विकास और औद्योगिकरण	डॉ. प्रतिमा बैस, रूकमणी गेंदले	4
5	गरीबी एवं आर्थिक विकास	श्रीमती रेखा मखीजा	5
6	नवगीतों में – आर्थिक शोषण की अभिव्यक्ति	डॉ. पी.डी.महंत	7
7	समाजिक विकास में मनरेगा की भूमिका	डॉ. आदित्य कुमार दुबे, कु.ऋचा श्रीवास्तव	8
8	छत्तीसगढ़ के श्रमिकों का पलायन	डॉ. हरिणी रानी आगर	9
9	आर्थिक विकास एवं गरीबी	डॉ. एम. आर. आगर, दामिनी निर्मलकर	10
10	गरीबी एवं आर्थिक विकास	कल्पना अभिषेक पाठक	11
11	छत्तीसगढ़ में पलायन की समस्या : एक सामाजिक पहल	श्रीमती आस्था गौरहा	13
12	भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के उपबंध	पूर्णिमा साहू, रूकमणी गेंदले	14
13	न्याय और आर्थिक विकास	डॉ. श्रीमती नाज बेन्जामिन	15
14	आर्थिक विकास और औद्योगिकरण	डॉ.एल.एन. दुबे, कु. निधि मौर्य	16
15	मानव एवं आर्थिक विकास	डॉ. श्रीमती अर्चना शुक्ला	17
16	आर्थिक विकास पर कुपोषण का प्रभाव	श्रीमती शोभा महिस्वर	18
17	जनसंख्या वृद्धि एवं खाद्य समस्या का इतिहास परक अध्ययन	डॉ. श्रीमती शशिकला सिन्हा	19
18	निराला काव्य में पूंजीवाद पर व्यंग्य	श्रीमती बेला महंत	21
19	विमुद्रीकरण एवं कैशलेस प्रणाली की उपादेयता	कु. ललिता साहू	22
20	आर्थिक व्यवस्था में कैषलेस प्रणाली की उपादेयता	डॉ. श्रीकांत मोहरे	23
21	धारणीय कृषि एवं आर्थिक विकास	डा.एल.एन.दुबे, कु. रेखा प्रधान	25
22	भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के उपबंध	कु. प्रथा शर्मा	26
23	दलितों का आर्थिक विकास एवं सामाजिक विमुक्ति	प्रीति पटेल	27
24	सामाजिक विकास मे मनरेगा की भूमिका	रघुनंदन पटेल	28
25	जनसंख्या तथा पर्यावरण–एक ऐतिहासिक एवं भौगोलिक अध्ययन	अनिल तिवारी	30
26	कुपोशण आर्थिक विकास पर प्रभाव	कु. प्रियंका यादव, सुरेखा कौशिक	31
27	ब्रिटिष कालीन भारत में कृषि का वाणिज्यीकरण	कु.रोशनी मिश्रा	32
28	गरीबी एवं आर्थिक विकास	श्रीमति भारती टेकाम	33
29	आधुनिक भारतीय अर्थव्यवस्था एवं कैषलेस प्रणाली का विकास	शकील आमिर खान	35
30	सहित्य में आर्थिक शोषण की अभिव्यक्ति	सृजन महंत	36
31	कुपोषण आर्थिक विकास पर प्रभाव	नेहा मौर्य (समाजषास्त्र)	37
32	आर्थिक विकास में लघु और कुटीर उद्योग की भूमिका	मोनिका यादव, शकुन्तला साहू	38
33	आर्थिक विकास में लघु एवं कुटीर उद्योग की भूमिका	गौरव दुबे, कु. नेहा वर्मा	39
34	आर्थिक विकास और औद्योगीकरण	नंदनी साहू, सरिता ध्रुव	40
35	भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु एवं कुटीर उद्योगों का महत्व	मिनाक्षी साहू, हेमलता साहू	41
36	गोदान में आर्थिक शोषण की अभिव्यक्ति	कु. निकिता देवांगन, कु. बैजंती कोठारी	43
37	छत्तीसगढ़ के आर्थिक विकास में कृषि का योगदान	कु. पूनम गौरहा, कु. संतोषी साहू	44
38	धारणीय कृषि एंव आर्थिक विकास	ज्योति कौषिक, साधना यादव	45
39	ब्रिटिष काल में भारतीय हस्तषिल्प उद्योगो की स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था और भारतीय पूँजीपति वर्ग	उषा साहू, ज्योति साहू	46

M.S. Govt. College Naveen Girls Bilaspur (C.G.)

40	आर्थिक विकास और औद्योगिकीकरण	कु. संगीता लिबर्टी, कु. सुधा लिबर्टी	47
41	छ.ग. के रायगढ़ जिले मे पलायन पावर हब से डाइंग सिटी	श्रीमती स्नेहलता सिंह, राजकुमारी साहू	48
42	भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के उपबन्धन	दुर्गेश्वरी राजपूत, अमृता देवांगन	49
43	ब्रिटिश कालीन भारत में कृषि का वाणिज्यीकरण	पद्मावती खोभे	50
44	आर्थिक विकास एवं पर्यावरण	पूनम अहिरवार, पूर्णिमा साहू	52
45	कुटीर उद्योग एवं आर्थिक विकास	त्रिवेणी साहू	53
46	छत्तीसगढ़ में पलायन की समस्या और सामाजिक न्याय	कु. आरती साहू कु. ममता चन्द्राकर	54
47	आर्थिक व्यवस्था में कैषलेस प्रणाली की उपादेयता	कु. दुर्गा साहू कु. सावित्री देवांगन	54
48	जनसंख्या वृद्धि एंव खाद्य समस्या का इतिहास परक अध्ययन	ममता पटेल, उर्मिला कष्यप	55
49	ब्रिटिश कालीन भारत में कृषि का वाणिज्यीकरण	कु. प्रज्ञा शर्मा, कु. विजेता ठाकुर	56
50	CASHLESS ECONOMY: OPPORTUNITIES & CHALLENGES AHEAD FOR INDIA	ARUN VADYAK KALPANA KANWAR DEEPIKA DARSHAN	57
51	SAFEGUARDS OF PLANT VARIETIES & FARMER'S RIGHTS IN INDIA: INTERPRETING THE ROLE OF IPRS IN RURAL DEVELOPMENT	VIKRAM SINGH	58
52	ROLE OF POPULATION GROWTH IN ECONOMIC DEVELOPMENT	DR. DEEPAK SHUKLA DR. SANGEETA SHUKLA	60
53	CASHLESS SOCIETY	DR. SHRIKANT MOHRE	61
54	MGNREGA: REALITY OR MYTH	DR.AARTI SINGH THAKUR	63
55	IMPACT OF ECONOMICAL DEVELOPMENT ON ENVIRONMENT	DR. MONALISA SHARMA DR. B.R CHOUKSEY	64
56	UTILITY OF CASHLESS SYSTEM IN ECONOMIC SYSTEM	MISS APURVA SHARMA	65
57	ROLE OF SMALL SCALE INDUSTRIES IN ECONOMIC DEVELOPMENT OF INDIA	PRIYANKA SHRIVAS YASHWANT KUMAR YADAV	67
58	IMPACT OF SOCIAL EXCLUSION IN HAMPERING ECONOMIC GROWTH	KHUSHBOO SHAH BABITA PANDEY	67
59	EFFECT OF MALNUTRITION ON ECONOMIC GROWTH	SHAILY DEEWAN	68
60	MAPPING VULNERABILITIES OF TRIBAL WOMEN: CONTEXTUALIZING ISSUE OF FORCED MIGRATION	SARITA SONWANI DEEPIKA SINGH BAIS	69
61	THE SOCIO-ECONOMIC IMPACT OF CHILD MALNUTRITION IN INDIA	BHAWNA PRASAD	70
62	MIGRANT PROBLEMS IN CHHATTISGARH & SOCIAL JUSTICE	DR. RAJESH SHUKLA	71
63	ग्रामीण विकास	डा. अंबुज पाण्डे	72
64	आर्थिक स्थिति–एक समीक्षा	रेणुका दुबे, रागिनी सिंह, हिमानी सिंह	74
65	छत्तीसगढ में पलायन की समस्या एवं सामातिक न्याय	प्रत्यक्षा तिवारी	75
66	धारणीय कृषि एवं आर्थिक विकास	कु. गरिमा दुबे	76
67	POPULATION AND ECONOMIC DEPARTMENT	RITU GAURAHA, PRATIBHA DUBEY	77
68	INDUSTRIALIZATION IN ECONOMIC DEVELOPMENT	AJAZ AHMAD DASS	77
69	WOMEN EMPOWERMENT THROUGH MGNREGA IN CG	SHRADDHA DAS	80
70	भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के उपबंधन	डॉ. उषा तिवारी	82
71	आर्थिक विकास एवं पर्यावरण	डॉ. संजीव कुमार शर्मा, रानु डड़सेना	83
72	गरीबी एवं आर्थिक विकास	डॉ. शरद देवांगन, कु. शिला साहू	84
73	जनसंख्या वृद्धि समस्या एवं समाधान	डॉ. एल.एन.दुबे, डॉ. विनोद अग्रवाल सुनंदा कश्यप	85
74	महिला एवं बाल विकास: स्थिति एवं प्रयास	डॉ. आशा कुमारी प्रसाद	87
75	महिला सशक्तिकरण में मनरेगा की भूमिका	डॉ.भावना कमाने	89

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

श्रमिकों की संख्या एवं यान्त्रिक दूषित के प्रयोग आदि के आधार पर लघु उद्योगो का वर्गीकरण किया जात है किन्तु सन् 1967 से श्रमिकों की संख्या एवं भक्ति के प्रयोग की पूर्ति को हटा दिया गया तथा केवल प्लाण्ट एवं मशीनों में किए गए पूंजी विनियोग की मात्रा को ही लघु आधार माना जाने लगा ।

लघु उद्योगों की प्रमुख भूमिका :–

ग्रामीण एवं लघु उद्योगों के लिए सरकार द्वारा नियोजन काल में अनेक सुविधाएं एवं लघु उत्प्रेरणाएं दी गई है तथा उनकी सहायता एवं मार्गदर्शन के लिए अनेक संस्थाओं की स्थापना की गई है जिसका वर्णन आगे उसी अध्याय में किया जाएगा। फिर भी उन उद्योगों के समझ अनेक प्रकार की कठिनाइयॉं एवं बाधाएँ है। कुटीर उद्योगों की सबसे बड़ी बाधा कच्चे माल को पर्याप्त मात्रा में प्राप्त करने के विषय में है। आयातित अथवा नियंत्रित माल की दशा में यह कठिनाई और अधिक बढ़ जाती है। प्रायः यह देखने में आता है कि लघु उद्योगों को निर्धारित की गई मात्रा उन्हे नहीं मिल पाती वित्त का अभाव दूसरी प्रमुख बाधा पर्याप्त साख या वित्तीय सुविधाओं का अभाव है लघु उद्योगपति की जोखिम पूंजी सीमित होती है। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की स्थापना अप्रेल 1990 में की गई तकनीकी सुविधाओं का अभाव कुटीर उद्योगों की उपयोगिता की बनायें रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है संगठन की दृष्टि से लघु उद्योगो एवं बड़े उद्योगो में विशेष अंतर नही किया जा सकता। यदि कोई अंतर है भी तो वह केवल स्तर का है जैसा कि उनके नाम से ही स्पष्ट है।

निष्कर्ष :– आर्थिक विकास में लघु एवं कुटीर की उद्योगों द्वारा उत्पादित माल के विक्रय के विषय मे भी राजकीय राष्ट्रीय एवं अन्तर्राराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट संगठनों की जरूरत है।

—00—

आर्थिक विकास और औद्योगीकरण

नंदनी साहू, सरिता ध्रुव
एम.ए.अंतिम (समाजशास्त्र), शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर

औद्योगीकरण आर्थिक विकास की एक सतत् प्रकिया है। वर्तमान युग औद्योगिक युग है उद्योग ही आर्थिक विकास का आधार है। आर्थिक विकास के रूप मे औद्योगिक कांति इंग्लैड से जन्मी कांति का ही परिणाम है। इस कांति से मशीनो का प्रयोग बढा तथा उद्योग का विशाल पैमाने पर विस्तार हुआ। और धीरे धीरे औद्योगीकरण व नगरीयकरण का विकास हुआ जिससे शिक्षा वैज्ञानिक प्रगति गतिशीलता जनसंचार का विकास और राजनीतिक चेतना आदि इसके तत्व है । उद्योग का आशय आर्थिक विकास के साथ उद्योगो में यंत्रो और मशीनो को

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

अपनाने की प्रकिया प्रारंभ होती गयी। इसी प्रकिया प्रांरभ होती गयी इसी प्रकिया का यंत्रीकरण (Mechnization) के नाम से जाना जाता है।

"औद्योगीकरण आर्थिक विकास की व्यापक प्रकिया का केवल अंग मात्र है जिसका उद्देश्य उत्पादन के साधनो की क्षमता में वृद्धि करके जन–जीवन स्तर को ऊँचा उठाना है" आर्थिक विकास में औद्योगीकरण से उत्पन्न लाभ राष्ट्रीय आय में वृद्धि कृषि की उन्नति संतुलित अर्थव्यवस्था पूँजी निर्माण में वृद्धि बेकारी की समस्या का हल आदि।

औद्योगीकरण का आर्थिक विकास के रूप मे कई प्रदेश विकसित हुए है। कोलकाता , अहमदाबाद , मुम्बई , दिल्ली , मेरठ , अमृतसर आदि। आर्थिक विकास में औद्योगिक प्रबंध तथा संगठन का विशेष महत्व है। शॉप परिषदे तथा संयुक्त परिषदे (shop) Councils and Joint Councits में अक्टूबर 1975 मे श्रम मंत्रालय (ministry of Labour) ने श्रम विभाजन का महत्व को बताया है।

—00—

भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु एवं कुटीर उद्योगों का महत्व

मिनाक्षी साहू, हेमलता साहू

एम. ए. (पूर्व हिन्दी) शा.माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

किसी भी राष्ट्रका विकास जब तक पूर्ण नहीं माना जा सकता जब तक कि उस राष्ट्र के गॉवों का विकास नहीं हो जाता। यह कथन भार के परिपेक्ष्य में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि हमारे देश कि अधिकांश जनता गाव में निवास करती है या दुसरे शब्दो में कहे तो भारत गॉवों में बसता है।

ग्राम्य विकास को प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण क्षेत्रो में ऐसे उद्योगों के बढावा दिया जाता है। जो स्थानीय अवश्यकताओ कि पूति कर सके व कच्चा माल असानी से उपलब्ध हो सके ऐसे कार्यो के लिए विशेष प्रशिक्षण या तकनिकी जानकारी कि आवश्यकता नही होती सामान्यतया उद्योग तीन प्रकार के होते हैं, वृहद् उद्योग, लघुस्तरीय उद्योग व कुटीर उद्योग एवं ग्रामीण उद्योग।

भारतीय औद्योगिक आयोग के अनुसार – उन उद्योगों का कुटीर उद्योगों की श्रेणी में रखा जाता है जिन्हें श्रम जीवी अपने घरों में चलाते हैं और जिनके कार्य का आकार छोटा तथा स्थानीय मॉग के अनुरूप होता है। इस सम्बन्ध में विद्युत् शक्ति का प्रयोग करना अथवा न करना कोई महत्व नहीं रखता, किन्तु वही उद्योग अन्य श्रमिकों की सहायता से चलायें जाये तो वह लघु उद्योग कहलायेगा।

Naveen Girls College Govt. M.S. Bilaspur (C.G.)

भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु व कुटीर उद्योगों का महत्व

विश्व के समस्त राष्ट्र लघु व कुटीर उद्योगों के महत्व को स्वीकार करते हैं, बल्कि विकसित देशों में उनके आर्थिक ढॉचे का ताना –बाना ही इन उद्योगों के आधार पर बुना हुआ है। लघु उद्योगों की सर्वव्यापकता एवं सार्वभौमिकता पर प्रकाश डालते हुए भारतीय प्रशुल्क आयोग ने स्पष्ट लिखा है। कि यह आधुनिक लघु उद्योगों की सापेक्षिक सुदृढ़ता ही है। जिसके कारण इग्लैण्ड,अमेरिका, ब्रिटेन, और जापान जैसे विश्व के प्रगतिशील देशों की अर्थव्यवस्था में भी उन्हें एक व्यापक और सम्मानित स्थान मिला है।

इसके महत्व को हम निम्न बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं।

1. **बेकारी में कमी** – भारत के बेकारी एक अभिशाप के रूप में व्याप्त है। लघु एवं कुटीर उद्योगों के विकास से हीं इससे मुक्ति पाना सम्भव हैं। क्योंकि कम पूँजी से अधिक व्यक्तियों को रोजगार दे पाने में ये उद्योग समर्थ हैं।
2. **ग्रामीण अर्थव्यवस्था क अनुकूल** – भारत कि अधिकांश जनता ग्रामों में ही निवास करती है और ये जनसंख्या कृषि पर ही आधारित हैं। कृषकों को पूरे वर्ष भ कार्य न मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहती है। अतः ऐसी स्थिति में कुटीर उद्योगों का महत्व और भी बढ़ जाता है।
3. **रोजगार** – वर्तमान समय में रोजगार की दृष्टि से भी लघु उद्योगों का स्थान उँचा हैं।
4. **आय के समान वितरण में सहायक** – पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के कारण समस्त पूँजी व शक्ति का केन्द्रीकरण हो जाता है जबकि ग्रामीण एवं लघु उद्योगों के विकास होने से पूँजी व शक्ति का समान वितरण होता है।
5. **कला का विकास :–** भारत में क्षेत्रीयता के आधार पर संस्कृति व कला पायी जाती है तथा ये क्षेत्रीय कलाएँ वहॉ रहने वाले लोगो कि एक प्रकार से मनोभावों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इनके विकास से राष्ट्रीय कला व प्रतिभा का विकास होता हैं।
6. **देश की आत्मनिर्भरता में सहायक** – लघु व कुटीर उद्योगों के विकास से स्थानिय आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, लोगों को रोजगार मिलता है, इससे जुड़े हुए व्यक्तियों को आर्थिक लाभ पहूँचता हैं।
7. **बड़े उद्योगों के लिये सहायक** – लघु उद्योग बड़े उद्योगों के लिये आवश्यक कलपुर्जे व सहायक सामान का उत्पादन करते हैं।
8. **औद्योगिक समस्याओं से मुक्ति** – बड़े उद्योगों में आजकल कोई–न– कोई समस्या रहती है, जिसके कारण वे अचानक बन्द हो जाते हैं। जिससे उसमें कार्य कर रहे श्रमिकों को अचानक कार्यमुक्त होना पड़ता हैं। लघु एवं कुटीर उद्योगों के विकास से इन समस्याओं से मुक्ति पायी जा सकती हैं। इनके अलावा और भी बातें हैं जो कि इनके महत्व को स्पष्ट करती हैं। जैसे लघु व कुटीर उद्योगों में रोजगार की स्थिरता व सुरक्षा रहती हैं तथा इनमें उत्पादन इकाई की स्थापना में कम समय लगने के कारण उत्पादन शीघ्र होने लगता हैं।

—00—

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

गोदान में आर्थिक शोषण की अभिव्यक्ति

कु. निकिता देवांगन, कु. बैजंती कोठारी
एम.ए. पूर्व हिन्दी, शा. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर छ.ग.

'गोदान' में युग जीवन को उद्वेलित करने वाली विविध समस्याओ का चित्रण करना प्रेमचन्द का मुख्य उद्देश्य था। जीवन के कुछ अनुभवो से प्रेमचन्द इस परिणाम पर पहुँचते हैं कि सामन्त एवं पूंजीवादी दोनो प्रकार के शोषण से मुक्ति मिलने पर ही भारतीय जनता का उद्धार हो सकता है। इसलिए 'गोदान' मे उन्होने एक साथ सामन्ती और पूँजीवादी शोषण की प्रतारणाओ का चित्रण किया है। प्रतारणाओं का अन्त होने पर ही समानता के आधार पर जो वर्ग–हीन समाज स्थापित होगा, उसमें ही होरी का स्वप्न साकार होगा और सभी सुखी होंगे।

'गोदान' में युग–संस्कृति का एक समग्र और समवेत चित्र उपस्थित हुआ है।सन् 1935 में राष्ट्रीय–कांग्रेस ने पहली बार श्रमिकों और कृषकों की संगठित शक्ति को मान्यता प्रदान की। देश में श्रमिक और कृषक आन्दोलन के अंग होते हुए पृथक स्वतन्त्र और संगठित अस्तित्व बन गये। अस्तित्व के प्रभाव मे वर्ग–वैषम्य को समाप्त कर वर्ग–हीन समाज की स्थापना की चेतना स्पष्ट हो चली थी। भविष्य श्रमिक वर्ग की संगठित शक्ति के हाथ में होगा।

जीवन भर संघर्ष करते हुए होरी की दयनीय मृत्यु दिखाकर प्रेमचन्द समाज के सामने यह मूक प्रश्न उपस्थित कर देते है कि यह व्यवस्था कब तक चलेगी। साथ ही गोबर के विद्रोह के रूप मे यह संन्देश भी देते है कि यह व्यवस्था अधिक दिन चलने की नही है।

"किस प्रकार अपनी परिस्थितियॉं और संस्कारो से पिसता हुआ वह दरिद्र प्राण (होरी–किसान) करूण मृत्यु प्राप्त करता है , किस प्रकार सभी का पेट भरता हुआ वह स्वयं अपने जीवन की किसी सामान्य इच्छा को पूर्ण करने में असमर्थ रहता है, यह सब कुछ दिखाना 'गोदान' का लक्ष्य है।"

'गोदान' भारत में अबाध चल रहे शोषण– चक्र का यथार्थ रूप सामने रख देता है। इसमे भारतीय जनता का दुःख दरिद्रता और पीडा स्पष्ट हो जाती है और साथ ही पीडा और दुःख–दरिद्रता के मूल स्त्रोत भी सामने आ जाते है। पाठको के समक्ष पतनोन्मुख रूढिवादी हिन्दू–समाज के चरमराते हुए ढॉचें का यथार्थ रूप सामने आ जाता है।

'गोदान' मे तीन वर्ग है। पहला कृषक वर्ग है यह वर्ग सर्वाधिक दुःखी ,पीडित ,शोषित और निराश है । होरी इसका प्रतिनिधित्व करता है। दूसरा वर्ग मालती–मेहता जैसे लोगो का है। इसे मध्यम वर्ग कह सकते है। इस वर्ग की आर्थिक दशा अच्छी नही है। मेहता अपने लिए अचकन तक नही सिलवा पाते। उनके ऊपर मकान–किराये की डिग्री तक हो जाती है। तीसरा वर्ग शोषको का है , इनका प्रतिनिधित्व रायसाहब और खन्ना आदि करते है इस शोषक वर्ग की करतूतो का 'गोदान' से भंडाफोड हुआ है रायसाहब सर्वाधिक शोषक है। वे ऊपर से मीठी बातें करते है , किन्तु यथार्थ में वे हिंसक पशु है। मेहता ने रायसाहब की पोल खोल कर उनकी यथार्थ स्थिति पाठको के सामने रख दी है–

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

" मानता हूँ आपका व्यवहार अपने आसामियो के साथ अत्यन्त नरम है पर यह तों इसलिए कि मद्धिम आग में भोजन और भी स्वादिष्ट पकता है।"

'गोदान' में प्रेमचन्द ने ऐसे ही शोषको का भंडाफोड़ किया है। इसमे पूँजीवादी शोषण का यथार्थ चित्र सामने आ जाता है।

—00—

छत्तीसगढ़ के आर्थिक विकास में कृषि का योगदान

कु. पूनम गौरहा, एम.ए.अंतिम इतिहास
कु. संतोषी साहू एम.ए.पूर्व इतिहास
शास.माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

देश के 26 वे राज्य के रूप में छत्तीसगढ राज्य का गठन 1 नवम्बर सन् 2000 को हुआ। गठन के इन 16 वर्षो मे छत्तीसगढ ने विकास के बहुआयामी पायदानो को प्राप्त किया है। प्राकृतिक संसाधनो से समृद्ध यह राज्य जहॉ खनिज राजस्व की दृष्टि से देश का दूसरा बडा राज्य एवं वनोपज की दृष्टि से तीसरा बडा राज्य है,वही फसल की दृष्टि से अंगेजी धान का कटोरा कहे जाने वाले राज्य मे कुल कृषि योग्य भूमि के 67 प्रतिशत भाग मे चावल की खेती होती है।

छत्तीसगढ की अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान है छत्तीसगढ की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग धंधो पर आश्रित है छत्तीसगढ की कुल भूमि के लगभग 51.5 प्रतिशत भाग मे कृषि कार्य किया जाता है। छत्तीसगढ मे वृहत और मध्यम उद्योगो का विकास अपेक्षित रूप से नही हो पाया है अतः अधिकांश लोगो के अजीविका का मुख्यतः कृषि पर आधारित होने के साथ–साथ लोगो के रोजगार का प्रमुख साधन भी है प्रदेश की आय का प्रमुख साधन अनेक उद्योगो के लिए कच्चे माल का स्त्रोत सरकार के राजस्व का स्त्रोत एवं पशुधन के विकास मे सहायक तथा अंतराष्ट्रीय व्यापार के विकास मे सहायक है।

छत्तीसगढ मे हरित कांति सन् 1966 में जिला सघन कृषि कार्यकम के माध्यम से शुरू हुई इसके लिए रायपुर जिला का चयन किया गया था। इस योजना के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय में अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की गई जहां नई प्रजातियो के उन्नत बीज तैयार किये गये। इसके लिए सरकार द्वारा अनुदान की व्यवस्था की गई और सिंचाई परियोजनाओ को प्राथमिकता दी गई इसी उद्देश्य से राज्य के केदार बांध तथा पं. रविशंकर शुक्ल जलाशय का निर्माण किया गया।

छत्तीसगढ राज्य का प्रमुख व्यवसाय कृषि है कृषि समस्त उद्योगो की जननी तथा औद्योगिकरण का मूल आधार है भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है इसलिए कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ माना जाता है। कृषि उद्योग आर्थिक विकास मे परिवर्तन के लिए आवश्यक ही नही बल्कि यह महत्वपूर्ण हैं। फसलो के उत्पादन एवं उत्पादकता मे वृद्धि के लिए उच्च

युक्त बीज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है प्रमाणित बीज के उत्पादन कृषको को अनुदान ाज प्रकिया केन्द्रो की स्थापना बीज गोदाम निर्माण कराने के फलस्वरूप प्रदेश मे उच्च युक्त बीज के उत्पादन एवं उपयोग मे उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

—00—

धारणीय कृषि एंव आर्थिक विकास

ज्योति कौषिक, साधना यादव
एम.ए. पूर्व इतिहास, शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

पिछड़े एंव अर्द्धविकसित देशो की समस्याओ कि स्थायी समाधान उनके समुचित एंव चहूँमुखी में निहित है। अतः यह आवश्यक है कि विकास की प्रकिया इस प्रकार की होनी चाहिए की इन देशो के निवासियो की आय में वृद्धि हो और उनका जीवन सभी प्रकार से सुखमय कास की प्रकिया में उत्पत्ति के साधन यथा श्रम ,पूँजी , तकनीकी , आदि का प्रयोग इस ो हो कि उत्पादन एंव आय में वृद्धि के साथ–साथ विषमताऍ कम हो और जन साधारण को ाद्यान्न पेयजल एंव स्वास्थ्य की अच्छी सुविधाऍ उपलब्ध हो सके। दूसरे शब्दो में विकास ऐसा ाहिए जिससे कि जन साधारण की मूल आवश्यकताऍ पूरी हो सके। आधुनिक अर्थशास्त्रीयो ने की माप के लिए आर्थिक मानदण्डो के साथ–साथ सामाजिक सूचको एंव मानव विकास को मलित किया है। सामान्यतः मूल गरीबी उन्मूलन से संबंधित कार्यक्रमो को प्राथमिकता के आधार यान्वित करने से संबंधित है जिससे कि मानव जीवन का गुणात्मक स्तर ऊँचा उठ सके। ः युग मे विश्व के प्रायः सभी देश आर्थिक विकास की दौड़ में लगे हुए है। ये देश उपलब्ध ः एंव मानवीय संसाधनो का उपयोग इस प्रकार से करने का प्रयास कर रहे है कि उत्पादन , आय एंव रोजगार का स्तर ऊँचा उठे जिससे कि जन साधारण को अधिक अच्छा जीवन स्तर ा सके। इस प्रकिया में अर्ध–विकसित एंव गरीब देशो को अनेक समस्याओ का सामना करना है इन्ही समस्याओ के कारण ये देश विकास की दौड मे पीछे रहने के लिए विवश है। " के अर्थशास्त्र " के अंतर्गत इन्ही समस्याओ तथा उन्हे हल करने से संबंधित सिद्धांतो) एंव उपायो का अध्ययन किया जाता है । विश्व मे प्रायः सभी देशो में परम्परागत कृषि के ार उन्नत तकनीकी का उपयोग बढ़ रहा है जहॉ विकसित देशो मे पूर्णतः नवीन तकनीकी के ृषि कार्य किए जाते है। वही भारत जैसे विकासशील देशो मे कृषि विकास की यह प्रकिया ार है मोटे तौर पर कृषि में तकनीकी के दो रूप होते है–

थम – स्त्रोतो मे उर्वरक अधिक उपज देने वाले बीज एंव कीटनाशक आदि का प्रयोग बडे ार होता है।

धारणीय कृषि एंव आर्थिक विकास को इस प्रकार की मान्यताऍ दिये गये है।

—00—

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

ब्रिटिश काल में भारतीय हस्तशिल्प उद्योगो की स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था और भारतीय पूँजीपति वर्ग

उषा साहू एम.ए. पूर्व इतिहास,
ज्योति साहू, बी.ए. अंतिम वर्ष
शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

सन् 1600 ई. में ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारत तथा अन्य पूर्वी एशियाई देशो से व्यापार करने की अनुमति रानी एलिजाबेथ से प्राप्त कर लिया था। प्रारम्भ में कम्पनी के व्यापारियो का मुख्य उद्देश्य भारत की बनी वस्तुओ को यूरोप और इग्लैंड के बाजारो में पहुँचाना था। इन वस्तुओ के इग्लैंड में लोकप्रिय होने के कारण इंग्लैड के व्यापार को आघात लगा। परिणाम स्वरूप इंग्लैड के उद्योगपतियो ने इसके विरूद्ध आवाज उठाकर इंग्लैड में इन वस्तुओ के उपयोग पर रोक लगवा दिया ।

भारतीय पूंजीपतियो ने सूतीवस्त्रो और इस्पात उद्योग के क्षेत्र में आयात प्रतिस्थापन प्रांरभ किया और धीरे–धीरे बैंकिग जूट, विदेश व्यापार , कोयला और चाय जैसे क्षेत्रो को अधिग्रहित करना प्रांरभ कर दिया । सन् 1920 के बाद उन्होने शक्कर , सीमेंट , कागज , रसायन , लोहा और इस्पात के क्षेत्र मे नया निवेश प्रांरभ किया परिणामस्वरूप स्वंतत्रत प्राप्ति तक भारतीय बाजार के करीब 72% भारतीय उद्योगो का अधिकार हो चुका था। भारतीय पूंजीपति वर्ग का यह आश्चर्यजनक और स्वतंत्र विकास औपनिवेशिक परिस्थितियो कि दृष्टि से अद्भूत था। स्वतंत्रोन्तर भारत में तो पूजीवाद का स्वरूप प्रत्यक्षतः उभरकर सामने आने लगा।

भारत में अंग्रेजो की आर्थिक नीति का मूल प्रयोजन भारतीय हस्तशिल्प या लघुउद्योगो को विनष्ट करना था।यूरोप में हुई औद्योगिक कांति से इंग्लैड को तो मशीनीकरण के कारण कच्चे माल एंव तैयार माल के लिए मंडियो के नितांत आवश्यकता थी। इसलिए अंग्रेजो ने भारत में इंग्लैड में बनी मशीनीकृत वस्तुओ के लिए बाजार स्थापित करने के उद्देश्य से भारत आये थे। और भारत के कच्चे माल को ले जाकर अपने देश में मशीनो से माल बनाते थे। भारतीय हस्तशिल्प उद्योगो का इस प्रकार ह्रास्य का दौर बीसवी सदी के मध्य तक चलता रहा। इस प्रकार की नीतियो के पश्चात भी भारतीय शिल्प जीवित रहा। परन्तु भारतीय लघु उद्योग मशीनो का मुकाबला कब तक कर सकते थे। अतः भारतीय उद्योग में लगे श्रमिको कि सख्या दिन–प्रतिदिन कम होती चली गई।ब्रिटिश शासन भारतीयो के लिए अभिशाप शाबित हुआ।

भारतीय कुटीर उद्योगो के पतन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी प्रभाव हुआ। इसने भारतीय अर्थव्यवस्था के संतुलन को बिगाड दिया।क्योकि भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि तथा घरेलू निर्यात वस्तुओ के सामंजस्य पर ही आधारित थी। कुटीर उद्योगो कि तबाही उन शहरी उद्योगो कि तबाही के रूप में सामने आयी जो अपनी विनिर्मित वस्तुओ के लिए प्रसिद्ध थे। ढॉका , सूरत , मुर्शिदाबाद और कई अन्य घनी आबादी वाले समृद्ध औद्योगिक केन्द्र जन –शून्य हो गये।

—00—

आर्थिक विकास और औद्योगिकीकरण

कु. संगीता लिबर्टी एम.ए. पूर्व इतिहास,
कु. सुधा लिबर्टी, बी.ए. प्रथम वर्ष
शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर छ.ग.

औद्योगिकीकरण का विकास :– भारत में औद्योगिकीकरण के विकास का आरंभ चाय,कहवा,एवं नील की खेती में यूरोपीय व्यापारियों के प्रयत्नों से हुआ आज भारत विश्व में चाय उत्पादन करने वाले देशों में दुसरे स्थान पर है । 1840 में यूरोप के लोगों द्वारा कहवे की खेती प्रारम्भ की गयी थी । 1960 से 1992 के बीच में इस उद्योग में प्रगति हुई और यह उद्योग निरन्तर प्रगति पर है।

भारत में औद्योगिकीकरण का प्रारम्भ 1850 से माना जाता है। जब पहली बार भारत में कपडे की मिल की स्थापना की गयी । सन् 1879 तक कोयले की 56 मिलें तथा कोयले 56 खानें काम कर रही थीं। कपड़ा एवं जूट उद्योग बढ़ने लगे। 1939 से 1942 के बीच सरकार ने लौह – इस्पात कागज, माचिस, सूती, कपड़ा, चीनी, एवं लुग्दी बनाने वाले कारखानों को संरक्षण प्रदान किया 1939 में द्वितीय महायुद्ध के कारण उद्योगों को प्रोत्साहन नहीं मिला।

आज मुम्बई, अहमदाबाद, कोलकाता, दिल्ली, भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला, सोनीपत, अम्बाला, लुधियाना, अमृतसर, चेन्नई, मैसुर, बंगलौर, आदि नगरों में अनेक उद्योग स्थापित हुए हैं।

आर्थिक विकास :– 15 अगस्त 1947 की आजादी भारत देश के लिए वरदान थी। सदियों से दबी–ढकी इच्छा, अपने देश में अपना राज्य पूर्ण होने वाला था। छ.ग.में भी आजादी का जश्न मनाते लोग आर्थिक विकास की राह जोहने लगे थे। आर्थिक विकास की धीमी गति परिलक्षित हो रही थी।

कृषि क्षेत्र में विकास :– " उत्तम खेती मध्यम वान
अधम नौकरी भीख निदान।"

छत्तीसगढ़ के लोगों में कृषि को सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय कुल जनसंख्या का 85 प्रतिशत भाग कृषि का अपनाया हुआ है किसान आज भी धान की पैदावार लेने के लिए आकुल व्याकुल है। धान की फसल 3465 हजार हैक्टर में बोई जाती है। उड़द 213 हैक्टर, अरहर, 175 हजार हैक्टर , गेहूँ 151 हजार हैक्टर में बोया जाता है। जिससे आर्थिक विकास में उन्नति की ओर अग्रसर होते जा रहे है।

—00—

छ.ग. के रायगढ़ जिले मे पलायन पावर हब से डाइंग सिट

श्रीमती स्नेहलता सिंह, राजकुमारी साहू
एम.ए. पूर्व, शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर छ.ग.

जल, जंगल और जमीन का जमकर दोहन करके रायगढ़ जिले में बीते दो द तेजी से औद्योगिक विकास हुआ। विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार 79.407 राजस्व भूमि उद्योगों के नाम पर कुर्बान कर दी गई।

(2) 90 के दशक से पॉवर हब की पहचान बनाकर औद्योगिक की बुलंदी पर पहुंची छत्त नगरी अब औद्योगिक ढलान पर है। तीन साल पहले कोयला खदाने और पॉवर प्रोजेक्ट ब से इनमें काम कर रहे अधिकांश परिवारों के चूल्हे बुझ गए या बुझने की स्थिति में है प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 60 हजार कामगारों को रोजगार मिला था। इनसे करीब ढा लोगों का पेट भरता था। रायगढ़, तमनार और इसके आसपास से यह आबादी पलायन क है। "पावर हब" अब "डाइंग सिटी" की और बढ़ रहा है। तमनार और आसपास रौनक ग चुकी है। रायगढ़ के बाजार और बस्तियों में खालीपन सबको अखरने लगा है।

(3.अ.) तीन साल पहले निजी क्षेत्र का आंबटित 15 कोल ब्लॉक को बंद करने के न्यायालय के आदेश ने इस शहर से इसकी चमक छीन ली है। हालत यह है कि बीते तीन में ही यह कोल ब्लॉक और उसके भरोसे चलने वाले पावर और स्टील उद्योगों के 30 ह ज्यादा प्रत्यक्ष कर्मचारियों की नोकरी चली गई। काम से हाथ धोने वाले अप्रत्यक्ष कर्मचा संख्या इससे दोगुनी बताई जा रही है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर्मचारियों के परिवार को लगभग ढाई लाख के आबादी रायगढ़ से पलायन कर चुकी है।

(ब) बीते वित्तीय वर्ष कुल 14 प्रमुख पावर जनरेटर उद्योगों में बिजली खपत हर म मेगावाट गिर गई। इसका सीधा असर बिजली विभाग पर पडा, जिसे राजस्व के तौर म महीने न्यूनतम सवा दो करोड़ रूपए मिलते थे। अकेले रायगढ़ सर्किल में कुल 144 उच्च कनेक्शन हैं। इसमें लघु, मध्यम और बड़े उद्योग शामिल हैं। बीते वर्ष विभाग के पास म नए कनेक्शन आए। पावर सेक्टर के उद्योगों की हालत ज्यादा खराब है। 6 कंपनियों क सैकड़ो एकड़ जमीन देने के बाद भी अन्नदाताओं की जमीन पर निर्माण के लिए ईट त रखी जा सकी है। इसके पास न खेत है, न ही रोजगार। इससे जिले के पतरापाली, सिय कोटमार, भोजपुर, खम्हार, भेंगारी, चिराईपानी और गेरवानी क्षेत्र प्रभावित हैं। यहां प्रस्ता बंद उद्योगों के पास किसानों की लगभग 750 हेक्टयर जमीन है। इनमें जेएसडब्लू, ट सिंघल, एई स्टील, वीसा स्टील और इंड्स एग्रो आदि का नाम शामिल है।

(4) रायगढ़ के स्टील उद्योग पर भी मंदी का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। एक के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबित दो साल पहले स्टील मार्केट पहले से ही गिरा हुआ थ प्राइवेट खदानों से कोल निकालने का काम छीन लेने के बाद स्टील सेक्टर पर दोहरी म क्योंकि यह इंडस्ट्री 70 प्रतिशत से ज्यादा कोल पर निर्भर है।

भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के उपबन्धन

दुर्गेश्वरी राजपूत, अमृता देवांगन
एम.ए. अंतिम वर्ष राजनीति विज्ञान, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय सीपत रोड, बिलासपुर, (छ.ग.)

भारतीय संविधान

यह बात सच है कि ब्रिटिश हुकुमत समाप्त होने के बाद 26 जनवरी 1650 को भारत का नया संविधान लागू किया गया वह विभिन्न देशी–विदेशी से मुक्त है।

तीय संविधान का मूल दस्तावेज–

83वें संविधान के पश्चात कतिपय अनुच्छेदों के निरसित होने एवं कतिपय अनुच्छेदों में परिच्छेद को जोड़ने के बाद कुल 395 अनुच्छेद है जो 22 भागों में विभाजित है और 12 सूचियाँ है। यह विश्व का सर्वव्यापक संविधान है।

तीय संविधान में कठोरता एवं लचीलेपन का समन्वय–

1. लोकप्रिय प्रभुसत्ता पर आधारित संविधान
2. निर्मित लिखित और सर्वाधिक व्यापक संविधान
3. सम्पूर्ण प्रभुत्ता सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य
4. समाजवादी राज्य
5. पथनिरपेक्ष राज्य (धर्म निरपेक्ष)
6. कठोरता और लचीलेपन का समन्वय
7. संसदात्मक शासन व्यवस्था
8. एकात्मक लक्षणों सहित संघात्मक शासन
9. संसदीय प्रमुख प्रमुता तथा न्यायिक सर्वोच्चता में समन्वय
10. मौलिक अधिकार और मूल कर्तव्य
11. नीति निर्देशक तत्व
12. स्वतंत्र न्यायपालिका और स्वतंत्र अभिकरण
13. साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व का अन्त और व्यस्क मताधिकार का प्रारम्भ
14. एकल नागरिकता
15. समाजिक समानता की स्थापना
16. कल्याणकारी राज्य की स्थापना का आदर्श

जिक न्याय, भारतीय संविधान

ठी के बारे में

"न्याय सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक के रूप में अपनाना हमारे संविधान की मूल और दृष्टि है। सामाजिक न्याय की अवधारणा का यह अभिप्राय है कि नागरिक नागरिक

S. Naveen Girls College Govt. Bilaspur (C.G.)

के बीच सामाजिक स्थिति के आधार पर किसी प्रकार का भेद न माना जाए और प्रत्येक व्यक्ति का किसी भी रूप में शोषण न हो और उसके व्यक्तिव को एक पवित्र सामाजिक न्याय की दृष्टि के लिए माना जाए मात्र साधन के लिए नहीं। सामाजिक न्याय की सफलता बहुत व्यापक है जिसमें अन्तर्गत सामान्य हित के मानक से संबंधित सब कुछ आ जाता है जो अल्पसंख्यक के हितो की रक्षा से लेकर निर्धनता और निरक्षता के उन्मूलन तक सब कुछ पहलुओं को इंगित करता है।

एक विचार के रूप में सामाजिक न्याय की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने की भावना पर आधारित है। इसकें मुताबिक किसी के साथ सामाजिक धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहो के आधार पर भेद भाव नहीं होना चाहिए। व्यावहारिक राजनीतिक के क्षेत्र में भी भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय का नारा वंचित समुहों की राजनीति वोट बंदी का एक प्रमुख आधार रहा है। आम लोग साठ साल से अधिक समय बीत जाने के बाद बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं से वंचित है। रोटी, कपड़ा और मकान आज भी एक सपना है। मार्क्सवाद और गाँधीवाद दोनों विचारधाराओं का समग्र भारतीय संविधान सामाजिक न्याय और व्यवस्था को महत्व देती है।

—00—

ब्रिटिश कालीन भारत में कृषि का वाणिज्यीकरण

पद्मावती खोभे

एम.ए. अंतिम (इतिहास), शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर. (छ.ग.)

कृषि का वाणिज्यीकरण

कृषि के वाणिज्यीकरण का अर्थ नकदी फसलों को उगाना था। नकदी फसले उन फसलों को कहते है, जिनको बाजार में बेचकर किसानों को अधिक पैसा मिल सकता था। उदारहण के लिए कपास, चाय, फल, आलू, सरसों, सब्जी आदि नकदी फसले कहलाती है।

कृषि के वाणिज्यीकरण का प्रमुख कारण भारत में ब्रिटिश सरकार की साम्राज्यवादी नीति थी। जो ब्रिटिश में प्रचलित राजनीतिक दर्शन तथा विचारधाराओं से प्रभावित थी। इसका मुख्य उद्देश्य साम्राज्यवाद की आवश्यकताओं के लिए कृषि को पूरा करना था।

कृषि के वाणिज्यीकरण का प्रभाव

1. **किसान तथा श्रमिकों का शोषण –**

नील तथा चाय की खेती पर अंग्रेजों का वर्चस्व था। वे कृषक तथा मजदूरों पर अनेक प्रकार के अत्याचार करते थे। अंग्रेज व्यापारी नील के रंग का उत्पादन करते थे, जिससे उनको भारी लाभ होता था। नील की खेती के लिए उनके अपने बगान थे। जिनमें वे किराये के मजदूरों को खेती करवाते थे किन्तु नील के अधिकांश उत्पादन का बोझ किसानों पर पड़ता था।

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

जमींदार तथा ऋणदाता व्यापारियों को लाभ–

कृषि के वाणिज्यीकरण के परिणामस्परूप जमींदार तथा श्रणदाता व्यापारी सशक्त हो गये, उनके द्वारा कृषकों का शोषण पहले से बढ़ गया। इस प्रणाली का मुख्य आधार अग्रित ऋण प्रदान करना था। इस ऋण की अदायगी के लिए छोटे किसानों का फसल आते ही उसे बेचना पड़ता था। वाणिज्यीकरण से सामान्य किसान को कोई लाभ नहीं हुआ। बड़े किसान तथा जमींदार ही इससे लाभान्वित हुए।

कृषि ऊपज के व्यापार का लाभ किसानों को नहीं–

पंजाब में हालात ऊपरी तौर पर अच्छी प्रतीत होती थी, किन्तु इसका लाभ भी जमींदारों तथा व्यापारियों को ही मिलता था। लाभ पंजाब में सिंचाई के विस्तार से 40 लाख एकड़ जमीन पर खेती होने लगी।

प्रति व्यक्ति उत्पादन तथा खाद्यानों में कमी तथा अकाल–

उपर्युक्त कारणों से ही प्रति व्यक्ति उत्पादन तथा खाद्यान की प्राप्ति में कमी आयी। इसके परिणामस्वरूप अनेक बार अकाल पड़े, जिसमें हजारों लोग भूख से तड़प–तड़प कर मर गये। 1800ई. के अकालों में मरने वालों की संख्या 10,000,000 थी जो 1875ई. से 1800ई. के बीच बढ़कर [illegible]00,000 हो गई।

खाने की वस्तुओं का अभाव–

कृषि का वाणिज्यीकरण होने के कारण किसानों ने खाने की वस्तुओं की खेती करना प्रारंभ कर दिया। इससे देश की जनता पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ा।

1900 ई. से 1945 ई. तक आते–आते व्यवसायिक वस्तुओं के उत्पादन में 85 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई जबकि खाने की वस्तुओं का उत्पादन बढ़ने के स्थान पर 7 प्रतिशत घट गया।

कुटीर उद्योगोंका पतन–

कृषि वाणिज्यीकरण के परिणामस्वरूप गाँवों का शेष विश्व के साथ सम्पर्क हुआ। अतः कृषि से [illegible] विभिन्न उपज बाहर जाने वाली तथा मशीनों से बना हुआ पदार्थ गाँवों में आने लगा। अतः कुटीर उद्योगों का पतन होने लगा।

राष्ट्रीय बाजार का विकास–

कृषि के वाणिज्यीकरण से पूर्व ग्राम एक निर्भर ईकाइ थे, किन्तु कृषि के वाणिज्यीकरण ने ग्रामों के स्वरूप में परिवर्तन किया। इससे राष्ट्रीय बाजार का विकास हुआ। वहाँ किसान अपनी ऊपज बेच सकता था तथा अपनी आवश्यकता की वस्तुओं को खरीद सकता था। उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि व्यवसायिक खेती से गरीब किसानों को काई लाभ नहीं हुआ। इससे बड़े किसानों तथा जमींदारों तथा व्यापारियों को ही लाभ मिला।

—00—

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

आर्थिक विकास एवं पर्यावरण

पूनम अहिरवार, पूर्णिमा साहू
एम.ए.अंतिम समाजशास्त्र, शा.माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

आर्थिक विकास किसी भी देश की मजबुत आधारशिला प्रगति व उच्च जीवन के लिए एक बुनियादी और महत्वपुर्ण आवश्यकता है। आर्थिक विकास वह पहिया है जिस पर सवार होकर एक अल्पविकसित देश विकास की ओर बढ़ता है। आर्थिक विकास नवीन तकनीक को अपनाकर अर्थव्यवस्था को कृषि आधारित अर्थव्यवस्था से औद्योगिक अर्थव्यवस्था की ओर बढाना और देश कि आर्थिक स्थिति को मजबूत करके सामाजिक जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। इसके माध्यम से राष्ट्र अपने नागरिको की सामाजिक,आर्थिक स्थितियों में सुधार करने के उद्देश्य से उपलब्ध संसाधनो का समुचित नियोजन नवीन तकनीक उच्च क्रय शक्ति और बेहतर आर्थिक समृद्धि को प्राप्त करने का प्रयास करता है।

आर्थिक विकास मानव जीवन का महत्वपूर्ण पहलू है। यह देश में सामाजिक,आर्थिक,और सांस्कृतिक बदलाव लाता है। देश में सबके के लिए आधारभुत सुविधाएँ उपलब्ध करता है जिससे लोगो की मूलभूत आवश्यकता पूरी हो सके और वे समाजिक, मानसिक,राजनैतिक,शैक्षणिक और वैज्ञानिक रूप से अपना विकास कर सकें। देश में LPG उदारीकरण नीजीकरण व भूमंडलीकरण इसी आर्थिक विकास की देन हैं। जिसके द्वारा पूरी दुनिया एक "ग्लोबल विलेज " बन गए है और प्रतिस्पर्धा और विकास के नए आयाम सामने आ रहे है। इस प्रतिस्पर्धा और विकास की होड में देश आर्थिक संवृद्धि को बढ़ाना चाहते है अंतरिक्ष क्षेत्र में विज्ञान प्रौद्योगिकी में अपनी शक्ति स्थापित करना चाहते है और इसके लिए नित्य नए नए उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं नाभिकीय प्रदूषण किए जा रहे हैं। आधारभूत संरचना के विकास की होड में प्रकृति को अनदेखा कर पुल,बांध, सडक ऐसी जगहो पर बनाए जा रहे जहाँ पर्यावरण इसकी अनुमति नहीं देता।

प्राकृतिक प्रकोप के समय मानव मूकदर्शक बन कर अपनी तबाही का मंजर देखने के अलावा कुछ भी करने में असमर्थ होता है। "पर्यावरण " का अर्थ है हमारे आसपास का आवरण जिसमे मनुष्य, पशु, पक्षी, पौधे, आदि जैविक व अजैविक घटक सह अस्तित्व में रहते है। तथा एक दुसरे से अंतःक्रिया करते हैं। जिसमें मनुष्य एक ऐसा जीव है जो पर्यावरण से प्रभावित होने के साथ साथ उसे सबसे ज्यादा प्रभावित करता है। भूगोल वेत्ताओं ने पर्यावरण को मनुष्य से ज्यादा बलवान माना है। लेकिन वैज्ञानिक व तकनीकी विकास ने मनुष्य ने मनुष्य को न सिर्फ बलशाली बनाया है उसे अहंवादी भी बनाया। अब वह समझने लगा कि प्रकृति उसकी मुठ्ठी में तथा वह विकास को जिस रूप में चाहे उस रूप में गति दे सकता है। इसी अवधारणा के तहत मानव ने प्रकृति का अंधाधुन दोहन किया जिसके दुष्परिणाम शीघ्र सामने आने लगें।

आज विश्व की यही प्राथमिकता होनी चाहिए इसी संदर्भ में विश्व मे कई जलवायु सम्मेलन आयोजित कर रहा है अंतराष्ट्रीय पर्यावरणीय कानून बना रहा हैं। और जलवायु परिवर्तन

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

वैश्विक सम्मेलन में मटेरियल, प्रोटोकाल, क्योंटो, प्रोटोगल, कार्बन, डेडिंग तथा सतत सी अवधारणाएँ व नीतियॉं लाएँ जा रही है आवश्यकता इस बात की है कि चाहे वह देश हो या विकासशील पर्यावरण के महत्व को समझते हुए उन्हे इसे अनिवार्य रूप से लाना चाहिए यही आर्थिक विकास व पर्यावरण के मुद्दे को साकारात्मक व मंडलित और सतत आर्थिक विकास की अवधारणा कामयाब होगा।

—00—

कुटीर उद्योग एवं आर्थिक विकास

त्रिवेणी साहू
एम.ए. अंतिम समाजशास्त्र, शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

प्राचीन भारत में ग्रामीण समुदाय आत्मनिर्भर थे। व्यक्तियो की सीमित आवश्यकताएं थी, पूर्ति समुदाय में ही हो जाती थी। परन्तु अंग्रेजी शासनकाल में भारतीय ग्रामीण समुदायो र्क आवागमन के विकसित साधनो के कारण बाहरी जगत से हुआ।

परम्परागत भारत में एक सुदृढ अर्थव्यवस्था पाई जाती है गांवो में रहने वाली विभिन्न परस्पर सेवाओ का विनिमय करके आपस में आवश्यकताएँ पूरी कर परम्परागत व्यवसाय जाति के सभी सदस्य करते थे।

यद्यपि प्रमुख रूप से भारत एक कृषि प्रधान देश है क्योकि इसकी दो– तिहाई जनसंख्या आश्रित है फिर भी भारत में अनेक लघुस्तरीय तथा कुटीर उद्योग पाए जाते है। जिनका केवल अपने देश मे ही नही अपितु विदेशो मे भी बिकता है लगभग 2 करोड से भी व्यक्ति कुटीर उद्योगो मे लगे है जिनमे से 10 लाख हथकरघा उद्योग मे काम करते है जो उद्योगो मे और खनन उद्योगो मे काम कने वाले अधिक है ।

भारतीय अर्थव्यवस्था प्रमुख रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था है तथा लघु उद्योग एवं कुटीर का इसमे विशेष महत्व लघु एवं कुटीर उद्योग केवल भारत मे ही महत्वपूर्ण नही अपितु देशो मे भी इनकी तरफ विशेष ध्यान दिया जाता है भारत मे कुटीर उद्योग मे लगभग 2 व्यक्तियो को काम मिला हुआ है महात्मा गॉधी जी भी लघु तथा कुटीर उद्योगो के विकास लिए बल देते थे। क्योकि इनसे ही भारत का उद्धार हो सकता है।

भारत जैसे विकासशील देश मे लघु तथा कुटीर उद्योग इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है इनके लिए न ही तो अधिक पूॅजी की आवश्यकता होती है और न ही विकसित तकनीकी भारतीय सरकार का लक्ष्य एक समाजवादी तथा कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना तथा उद्देश्य की पूर्ति लघु एवं कुटीर उद्योगो के विकास मे ही सम्भव है क्योकि इससे अर्थव्यवस्था समाज पर नियंत्रण हो जाएगा।

—00—

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

छत्तीसगढ़ में पलायन की समस्या और सामाजिक न्याय

कु. आरती साहू, कु. ममता चन्द्राकर
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर राजनीति विज्ञान, शा. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

"एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर रहना और अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास करना ही पलायन कहलाता है।"

छत्तीसगढ़ में भी पलायन एक विकट समस्या बन गयी है क्योंकि जब हम विगत तीन वर्षो के आँकड़ों पर नजर डालते है तो ऐसा प्रतीत होता है कि मानों इसे रोक पाना सम्भव नही है। वर्ष 2012 – 15 तक 95,924 लोगों ने छ.ग. राज्य से पलायन किया है, जिसमें वर्ष 2012 – 13 में 22,149, 2013 – 14 में 27,830, 2014 – 15 में 45,945 लोगों ने छ.ग. से पलायन किया है।हम देखते है कि छ.ग. में सामाजिक न्याय का ही अभाव है जिसके कारण ग्रामीण जनता अपने उदर – पोषण के लिए, आस – पास में कही भी रोजी – रोजगार की संभावना के अभाव में पलायन करने को विवश हो रहे है। वही शहरी जनता नये राज्य के लाभों का फायदा उठा रही है। छ.ग. में पलायन के अनेक कारण हमारे समक्ष आते है जैसे – औद्योगिकीकरण, नगरीकरण, शिक्षा और साक्षरता का अभाव, रोजगार व मौलिक सुविधाओं का अभाव। इन बुनियादी कमियों के साथ – साथ गाँवों में भेद – भाव पूर्ण सामाजिक व्यवस्था के चलते शोषण व उत्पीड़न से तंग आकर भी बहुत से लोग शहरों का रूख कर लेते है। अतः आज यदि पलायन को रोकना है तो आवश्यकता है " सामाजिक न्याय युक्त आर्थिक विकास" की।

—00—

आर्थिक व्यवस्था में कैशलेस प्रणाली की उपादेयता

कु. दुर्गा साहू, कु. सावित्री देवांगन
एम.ए. पूर्व (राजनीति विज्ञान), शा. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 8 नवम्बर 2016 को घोषणा की, कि 500 व 1000 रूपये के नोट बंद कर दिये जायेंगे व अब कैशलेस प्रणाली को अपनाना है, जिससे देश की आम जनता अचंभित हो गई कि यह संभव नही है, क्योंकि वे कैशलेस प्रणाली की उपादेयता व आर्थिक व्यवस्था में सुधार को नही समझ पाये थे। अतः निम्नांकित बिन्दु के आधार पर कैशलेस प्रणाली को समझा जा सकता है–

- कैशलेस या नकदीरहित अर्थव्यवस्था वो होती है जिसमें वित्तीय लेन–देन का माध्यम नोट और सिक्के न होकर। अमूर्त या प्रतीकात्मक धन होता है। यद्यपि वस्तु विनिमय

Govt. Maveen Girls College Bilaspur (C.G.)

व्यवस्था के रूप में कैशलेस समाज पहले भी अस्तित्व में रह चूके है, परन्तु वर्तमान में कैशलेस व्यवस्था का तात्पर्य डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट व्यवस्था से है।

जब हम भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था बनाने पर चर्चा करते है, तो उसका अर्थ यह नही होता कि शत–प्रतिशत लेन–देन इलेक्ट्रॉनिक रूप में हो भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था बनाना है, अर्थात् एक ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें नकदी का कम से कम प्रयोग हो।

दैनिक जीवन से जुड़ा शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो, जिसमें डिजिटल क्रांति ने दस्तक न दी हो। डिजिटल सिद्धांत पर आधारित कम्प्यूटर, रेफ्रीजरेटर, मोबाईल, सेल्युलर, कैमरा, टेलीविजन आदि मानव जीवन को सुगम बना रहे है।

इटरनेट के माध्यम से ऑनलाईन संचार क्रांति ने मानव जीवन को काफी सरल बना दिया है। 90 के दशक में वैश्वीकरण व भूमण्डलीय का सपना देखा था, जो आज साकार हो रहा है।

इस व्यवस्था ने सरकारी क्षेत्र में होने वाले सभी कामकाज को पेपरलेस बना दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में कार्यो को भेजने और व्यापार के क्षेत्र में खरीददारी करने को कैशलेस प्रणाली ने अत्यंत ही सरल बना दिया है।

——00——

जनसंख्या वृद्धि एंव खाद्य समस्या का इतिहास परक अध्ययन

ममता पटेल, उर्मिला कश्यप

एम. ए. पूर्व इतिहास, शास. माता शबरी नवीन कन्या, महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

सम्पूर्ण विश्व में पिछले दशको एवं पिछली शताब्दी में मानव जनसख्या मे अत्याधिक तीव्र वृद्धि हुई है जिसके कारण अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो गई। मनुष्य प्रकति का सर्वाधिक प्राणी है। जिनमें चिन्तन करने कि शक्ति होती है। अतः मनुष्य ने इस बढ़ती हुई कि ओर अपना ध्यान आकृष्ट किया है।

किसी निश्चित समयावधि में एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में उपस्थित मनुष्यो कि को ही जनसंख्या या आबादी (Population) कहते है।"

खाद्य पदार्थो की तुलना में जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि – वे विद्वान जो यह मानते है त में जनाधिक्य है उनका कहना है कि भारत में खाद्य पदार्थो का उत्पादन उतनी तेजी बढ़ रहा है जितनी तेजी से जनसंख्या बढ रही है और इसी का परिणाम है कि भारत मे दार्थो की कमी बनी रहती है। जिसको पूरा करने के लिये खाद्यानो का आयात करना साथ ही यहां 1921 व 2001 के बीच कृषि क्षेत्र का प्रति व्यक्ति क्षेत्रफल 1.11 एकड़ से

गिरकर 0.38 एकड रह गया है यह कमी यह सिद्ध करती है कि खाद्य कि पदार्थो के उत्पादन को बढाने के लिए प्रति व्यक्ति क्षेत्रफल बढाया जाना चाहिए । भारत मे इस प्रकार के प्राकृतिक अवरोध सामान्य है जैसे सूखा , अनावृष्टि ,बाढ ,महामारी आदि भारत में जन्म दर व मृत्यु दर दोनो अन्य देशो कि तुलना में ऊँची है भारत का क्षेत्रफल विश्व कि जनसंख्या का लगभग 16.7 प्रतिशत निवास करता है इसके परिणाम–स्वरूप प्रति व्यक्ति भूमि कि उपलब्धता भी कम होती जा रही है। आवश्यक सुविधाओ का अभाव जैसे बेरोजगारी बढ रही है , शिक्षण संस्थाओ का अभाव है खाद्य – सामाग्री पर्याप्त मात्रा में उत्पन्न नही हो पाती है। निम्न जीवन–स्तर भारत में अधिकांश जनसंख्या का जीवन सार निम्न है । उनको भरपेट दो वक्त का भोजन भी नही मिल पाता है पहनने के लिए पर्याप्त कपडे नही है। एक अनुमान के अनुसार 20 प्रतिशत जनसंख्या को केवल एक समय ही भोजन मिल पाता है व 36 प्रतिशत जनसंख्या को कम पौष्टिक भोजन मिलता है।

अतः यह कहा जा सकता है कि 1921 से 2001 के बीच कृषि क्षेत्र में गिरावट आई और आज हम गुलाम भारत से स्वतंत्र भारत मे चैन की सांस ले रहे है फिर भी कई ऐसे पिछडे जनता है जिन्हे न तो भर पेट भोजन मिलता है , न ही पहनने के लिए कपडे , कई ऐसे लोग है जिनके सिर के ऊपर छत भी नही है।

—00—

ब्रिटिश कालीन भारत में कृषि का वाणिज्यीकरण

कु. प्रज्ञा शर्मा, कु. विजेता ठाकुर
बी.ए. द्वितीय वर्ष, शास. माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

भारतीय कृषि के वाणिज्यीकरण की प्रक्रिया लगभग सन् 1850 के पश्चात् ही शुरू हो गई थी और सन् 1870 तक भारतीय कृषि का आंशिक वाणिज्यीकरण हो चुका था। सन् 1880 के पश्चात् और विशेषकर सन् 1990 के पश्चात कुछ विशेष कारणो से भारतीय कृषि का अपेक्षाकृत अधिक सीमा तक वाणिज्यीकरण होने लगा था। फलतः अब कृषि केवल खाद्यान्न उत्पादन एंव उपभोग का माध्यम नही रह गयी थी। बल्कि उसके उत्पादन का विदेशी व्यापार भी किया जाने लगा था। इसके अतिरिक्त गैर– खाद्यान्न फसलो, कपास, पटसन, तिलहन आदि के उत्पादन मे वृद्धि होने लगी थी।

भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की स्थापना और विकास के साथ ही इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रांति भी हो रही थी और उस औद्योगिक क्रांति के कारण ब्रिटिश उद्योगो के लिए कच्चे माल की विशेषतः कपास और खाद्यान्नो की आवश्यकता हुई जिसकी, पूर्ति के लिए उन उद्योगपतियो ने

सरकार की सहायता से भारतीय कृषि में रूचि लेना प्रारंभ किया। फलतः कृषि के वाणिज्यीकरण को प्रेरणा मिली।

ब्रिटिश सरकार भारत को इस प्रकार विकसित करना चाहती थी कि वह ब्रिटिश उद्योगो के लिए कच्चे माल की पूर्ति कर सके और वहॉ के उद्योगो की निर्मित वस्तुओ की खपत कर सके। ऐसी अवस्था में भारतीय कृषि के वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहन मिला।

ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी अपने औद्योगिक उत्पादो के लिए बाजार की तालाश करते हुए आयी थी और भारतीय उपमहाद्वीप पर अपना शासन स्थापित कर लिया।

ब्रिटेन को भारत से कच्चा माल चाहिए था जिससे कि उद्योग ब्रिटेन में चल सके। अतः यहॉ ब्रिटेन को निर्यात करने के लिए नकदी फसलो की मांग अधिक थी जिसमें उनके मूल्य में वृद्धि हो गई। जिससे किसान नकदी फसल का उत्पादन अधिक करने लगे और धीरे–धीरे कृषि का वाणिज्यकीकरण हो गया।

ब्रिटिश कालीन व्यवस्था ने तो कृषक के जीवन–निर्वाह मूलक को ही बदल दिया किसान अपनी आवश्यकताओ को देखते हुए नकदी फसलो का उत्पादन करने लगे। ब्रिटिश व्यवस्था ने ही भारतीय कृषि का पुराना आधार ही बदल दिया और उसे बाजार मूलक अर्थात वाणिज्यीकरण कर दिया।

—00—

"CASHLESS ECONOMY: OPPORTUNITIES & CHALLENGES AHEAD FOR INDIA"

Arun Vadyak
Asst. Professor, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur. Chhattisgarh.

Kalpana Kanwar
Asst. Professor, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur. Chhattisgarh.

Deepika Darshan
Asst. Professor, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur. Chhattisgarh.

hen the flow of cash is negligible and all financial transactions are through electronic ediums it is known as cash less economy. After the demonetization when the country is ving the cash crunch. This is the right time for India to move towards cashless economy. is not something new which India is doing, there are many more countries like Sweden, rway, Denmark & Belgium are already cashless economy. India has lot of opportunities challenges ahead to make this in to reality. This paper is all about the journey plan of ia towards cashless economy.

rwords: Cashless Economy, Demonetization, Cash Crunch.

Naveen Girls College Govt. M.S. Bilaspur (C.G.)

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. हिन्दी

सेमेस्टर–IV

प्रश्नपत्र–IV (वैकल्पिक)

(ख) लघुशोध प्रबंध

(एम.ए. हिन्दी प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में सम्मिलित रूप से 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही लघुशोध प्रबंध लिखने की पात्रता रखेंगे)

पूर्णांक–100

प्रस्तावना–

अदृश्य को दृश्य, असष्ट को स्पष्ट, अज्ञेय को ज्ञेय और आवृत को अनावृत करने की जिज्ञासा मानव में स्वभाविक रूप से होती है। इसी क्रम में मनुष्य जीवन पर्यन्त अनुसंधान में लगा रहता है। नये–नये उपकरण, नये–नये तथ्य, नयी–नयी उपलब्धियाँ इसी शोध का परिणाम है।

हिन्दी भाषा में अनेक विधाओं की रचनाएँ, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, लघुकथा, कविता, महाकाव्य, खण्डकाव्य, व्यंग्य, यात्रावृतान्त, आलेख, संस्मरण, रेखाचित्र आदि निरन्तर प्रकाशित हो रहे है। इन प्रकाशित रचनाओं का अध्ययन करना तथा उनकी समीक्षा करना आवश्यक है।

पाठ्य विषय–

1. किसी भी विधा की कम से कम दो अधिक से अधिक चार नवीनतम् कृतियों का अध्ययन और समीक्षा
2. समीक्षा कम से कम 80–100 टंकित पृष्ठो मे की जायें।
3. छात्र द्वारा चयन की गई कृति का प्रकाशन तीन वर्ष पूर्व हुआ हों ।

उदाहरण– छात्र यदि 2017 की मुख्य परीक्षा में शामिल हो रहा है तो उसके द्वारा चयन की गई कृति का प्रकाशन वर्ष 2014 के पहले का नहीं होना चाहिए।

अंक विभाजन

आंतरिक परीक्षक (जो निर्देशक भी हो)– 50 अंक

बाह्य परीक्षक– 50 अंक

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

क्रमांक ....220..... / परीक्षा / 2018 बिलासपुर, दिनाँक – 07 / 07 / 2018

प्रति ,

परीक्षा नियंत्रक,
बिलासपुर विश्वविद्यालय
जिला–बिलासपुर (छ.ग)

विषय :– मूल्याँकन हेतु लघुशोध प्रबंध संप्रेषण।

संदर्भ :– 1)कुल सचिव, बिलासपुर विश्वविद्यालय का पत्र क्र / 0175 / परीक्षा–गोपनीय / 2018 दिनाँक 26 / 04 / 2018।
2) प्राचार्य शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर का पत्र क्रं. / 58 / परीक्षा / 2018 / दिनाँक 28 / 04 / 2018

—00—

उपरोक्त संदर्भित विषयांतर्गत लेख है कि एम. ए.–हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की निम्न छात्राओं द्वारा चतुर्थ प्रश्न पत्र के विकल्प में लिखे गए शोध प्रबंध मूल्याँकन हेतु प्रेषित है–

क्रं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	User Id	Roll No.	Enrollment Id
1	कु. मिनाक्षी साहू	भगवती प्रसाद साहू	BUB17060374	803196	2016050081
2	कु. हेमलता साहू	तुकराम साहू	BUB17057932	803195	BUA/13/105/019
3	कु. निकिता देवागंन	फागू राम देवांगन	BUB17059744	803197	BUA/12/105/048

श्रीमती बेला महंत

(विभागाध्यक्ष हिन्दी)

प्राचार्य
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या
महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

क्रमांक 221........./परीक्षा/2018 बिलासपुर, दिनाँक – 07/07/2018

प्रति ,

परीक्षा नियंत्रक,
बिलासपुर विश्वविद्यालय
जिला–बिलासपुर (छ.ग)

विषय :– लघुशोध प्रबंध आंतरिक मूल्याँकन परिणाम।

संदर्भ :– 1)कुल सचिव, बिलासपुर विश्वविद्यालय का पत्र क्र/0175/परीक्षा–गोपनीय/ 2018 दिनाँक 26/04/2018।
2) प्राचार्य शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर का पत्र क्रं./58/परीक्षा/2018/ दिनाँक 28/04/2018

—00—

उपरोक्त संदर्भित विषयांतर्गत लेख है कि एम. ए.–हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की निम्न छात्राओं द्वारा चतुर्थ प्रश्न पत्र के विकल्प में लिखे गए शोध प्रबंध के आंतरिक मूल्याँकन परिणाम प्रेषित हैं।

संलग्नः– 1) आंतरिक मूल्याँकन परिणाम की फाईल और कांउटर फाईल।

श्रीमती बेला महंत

(विभागाध्यक्ष हिन्दी)

एक बंद लिफाफा
प्राप्त किया
Uthaker
09/7/18

O/C

07.07.18
प्राचार्य
Principal
Govt. M.S. Naveen Girls College
Bilaspur (C.G.)
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या
महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

पटवारी प्रशिक्षण के पास, सीपत रोड़ बिलासपुर (छत्तीसगढ़) बिलासपुर 495006, महाविद्यालय कोड क्र. – 2804

e-mail id : gmsngc1989@gmail.com, www.gmsngcbsp.co.in

क्रमाँक /165/परीक्षा/2019 बिलासपुर, दिनाँक – 11/07/2019

प्रति ,

परीक्षा नियंत्रक,
अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय
जिला–बिलासपुर (छ.ग)

विषय :– मूल्याँकन हेतु लघुशोध प्रबंध संप्रेषण।

संदर्भ :– 1). कुल सचिव, अटल बिहारी वाजपेयी, विश्वविद्यालय का पत्र क्र/0175/परीक्षा–गोपनीय/ 2018 दिनाँक 26/04/2018।

2) प्राचार्य शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर का पत्र क्रं./843/परीक्षा/2019 दिनाँक 23/03/2019

——00——

उपरोक्त संदर्भित विषयांतर्गत लेख है कि एम. ए.–हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की निम्न छात्राओं द्वारा चतुर्थ प्रश्न पत्र के विकल्प में लिखे गए शोध प्रबंध मूल्याँकन हेतु प्रेषित है–

क्रं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	User Id	Roll No.	Enrollment Id	प्रति
1	कु. मंजू साहू	स्व. खोरबहरा साहू	BUB17061988	801465	BUA/13/105/037	02
2	कु. पूजा डहरे	श्री राधेलाल डहरे	BUB17057810	801466	BUA/14/105/064	02
3	कु. सीमा साहू	श्री फागूराम साहू	BUB17061892	801467	BUA/13/105/064	02
4	कु. वंदना श्रीवास	श्री बलवंत श्रीवास	BUB17062016	801470	BUA/13/105/077	02

डॉ. श्रीमती इसाबेला लकड़ा
(विभागाध्यक्ष हिन्दी)
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

O/C Received 11/07/2019

I/C प्राचार्य 11.7.2019
शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

शा. माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर

लघु शोध प्रबंध

सत्र – 2018–19

"पढ़े जाये के डर म" – डॉ. बलदाऊ प्रसाद निर्मलकर, "माटी महतारी"– श्रीमती गीता शिशिर चन्द्राकर, "कथा आय न कंथली"– श्री वीरेन्द्र 'सरल' की कहानियों में छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति

अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के अंतर्गत एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर चतुर्थ प्रश्न पत्र के विकल्प में।

शोध निर्देशिका	शोधकर्ता
श्रीमती बेला महंत	कु. पूजा डहरे
सहायक प्राध्यापक (हिंदी)	एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
शा.माता शबरी नवीन कन्या	शा. माता शबरी नवीन कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

शोध केन्द्र

हिंदी विभाग, शा. माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

मानव कौल की 'ठीक तुम्हारे पीछे' और 'प्रेम कबूतर' कहानियों का तात्विक विश्लेषण

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)
के अंतर्गत एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न-पत्र के विकल्प में

लघु शोध-प्रबंध
2018-19

शोध निर्देशक
श्रीमती बेला महंत
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)
शासकीय माता शबरी नवीन
कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

शोधार्थी
कु. मंजू साहू
एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
शासकीय माता शबरी नवीन
कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

शोध केन्द्र
हिन्दी विभाग : शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

S. Naveen Girls College * Govt. * Bilaspur (C.G.)

'अकाल में उत्सव' - पंकज सुबीर
एवं
'पच्चीस वर्ग गज़' - अर्पण कुमार
के उपन्यासों का तात्विक विश्लेषण

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)
के अंतर्गत एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र के विकल्प में

लघु शोध प्रबंध
2018-19

शोध निर्देशक
डॉ. इसाबेला लकड़ा
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शासकीय माता शबरी नवीन
कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

शोधार्थी
वंदना श्रीवास
एम. ए. हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर
शासकीय माता शबरी नवीन
कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

शोध केन्द्र
हिन्दी विभाग – शासकीय माता शबरी नवीन कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

श्यौराज सिंह बेचैन के काव्य में दलित-चेतना

('चमार की चाय' एवं 'भोर के अंधेरे में' के विशेष संदर्भ में)

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

के अंतर्गत एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न-पत्र के विकल्प में

लघु शोध-प्रबंध
2018-19

शोध निर्देशक
डॉ. इसाबेला लकड़ा
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शासकीय माता शबरी नवीन
कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

शोधार्थी
कु. सीमा साहू
एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
शासकीय माता शबरी नवीन
कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

शोध केन्द्र

हिन्दी विभाग : शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Govt. M.S. Naveen Girls College Bilaspur (C.G.)

''एक औरत की नोटबुक - सुधा अरोड़ा, मुकुटधारी चूहा - राकेश तिवारी''

कहानियों का तात्विक विश्लेषण

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

के अंतर्गत एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र के विकल्प में

लघु शोध-प्रबंध

2017-18

शोध निर्देशक

श्रीमती बेला महंत

विभागाध्यक्ष (हिंदी)

शा. माता शबरी नवीन कन्या

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

शोध छात्रा

हेमलता साहू

एम.ए. (हिंदी)

शा. माता शबरी नवीन कन्या

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

शोध केंद्र

हिंदी विभाग, शा. माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर

महाविद्यालय बिलासपुर

Govt. M.S. Naveen Girls College ★ Bilaspur (C.G.)

''लाल लकीर - हृदयेश जोशी, गायब होता देश - रणेन्द्र'

उपन्यासों का तात्विक विश्लेषण

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

के अंतर्गत एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र के विकल्प में

लघु शोध-प्रबंध

2017-18

शोध निर्देशक,

श्रीमती वेला महंत

विभागाध्यक्ष (हिंदी)

शा. माता शबरी नवीन कन्या

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

शोध छात्रा

मिनाक्षी साहू

एम.ए. (हिंदी)

शा. माता शबरी नवीन कन्या

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

शोध केंद्र

हिंदी विभाग, शा. माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर

महाविद्यालय बिलासपुर

Govt. Naveen Girls College ★ Bilaspur (C.G.)

''फाँस - संजीव, फसक - राकेश तिवारी''

उपन्यासों का तात्विक विश्लेषण

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
के अंतर्गत एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र के विकल्प में

लघु शोध-प्रबंध

2017-18

शोध निर्देशक
श्रीमती बेला महंत
विभागाध्यक्ष (हिंदी)
शा. माता शबरी नवीन कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

शोध छात्रा
निकिता देवांगन
एम.ए. (हिंदी)
शा. माता शबरी नवीन कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

शोध केंद्र
हिंदी विभाग, शा. माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय बिलासपुर

भारतीय इतिहास में नारी

• डॉ. सुरेश चन्द्र शुक्ला
• डॉ. (श्रीमती) अर्चना शुक्ला

मातुश्री पब्लिकेशन

विभिन्न विश्वविद्यालयों के एम.ए. (इतिहास) की परीक्षा हेतु स्वीकृत पाठ्यक्रमानुसार तथा प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु सर्वश्रेष्ठ पाठ्यपुस्तक

भारतीय इतिहास में नारी

डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ला
पूर्व प्राध्यापक (इतिहास)

डॉ. (श्रीमती) अर्चना शुक्ला
विभागाध्यक्ष (समाज शास्त्र)
शासकीय माता शबरी नवीन स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

मातुश्री पब्लिकेशन, रायपुर (छ.ग.)

© लेखकाधीन

- इस पुस्तक के प्रकाशन में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती ... किसी प्रकार की त्रुटि के लिये प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा।
- किसी भी परिवाद के लिये न्यायिक क्षेत्र रायपुर ही होगा।
- इस पुस्तक को अथवा इसके किसी भी अंश को बिना लेखक की लिखित ... प्रकाशित करना अवैधानिक कृत्य होगा, अतः किसी भी प्रकार से ... विद्युतप्रणाली, यांत्रिकी व अन्य रूप में किसी भी उपयोग के लिये नहीं ...

प्रथम संस्करण – 2009

संशोधित एवं परिवर्धित
द्वितीय संस्करण – 2019

मूल्य : रुपये 280/– मात्र

ISBN: 978-81-939385-5-3

प्रकाशक –
[illegible] पब्लिकेशन
[illegible]
रायपुर (छ.ग.) 492007
[illegible]
ई-मेल – [illegible]

काव्य संकलन

के.बी.एस. प्रकाशन
दिल्ली

काव्य मधुबन

संपादक
डॉ. इसाबेला लकड़ा
ज्योति कुशवाहा

काव्य मधुबन

काव्य संकलन

संपादक
डॉ. इसाबेला लकड़ा
ज्योति कुशवाहा

अनेकता में एकता का प्रतीक
के.बी.एस. प्रकाशन, दिल्ली

छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

- डॉ. सुरेश चन्द्र शुक्ला
- डॉ. (श्रीमती) अर्चना शुक्ला

मातुश्री पब्लिकेशन

विभिन्न विश्वविद्यालयों के एम.ए. (इतिहास) की परीक्षा हेतु स्वीकृत
पाठ्यक्रमानुसार तथा प्रतियोगी परिक्षाओं हेतु सर्वश्रेष्ठ पाठ्यपुस्तक

छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ला
पूर्व प्राध्यापक (इतिहास)

डॉ. (श्रीमती) अर्चना शुक्ला
विभागाध्यक्ष (समाज शास्त्र)
शासकीय माता शबरी नवीन स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

मातुश्री पब्लिकेशन, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

• डॉ. सुरेश चन्द्र शुक्ला
• डॉ. (श्रीमती) अर्चना शुक्ला

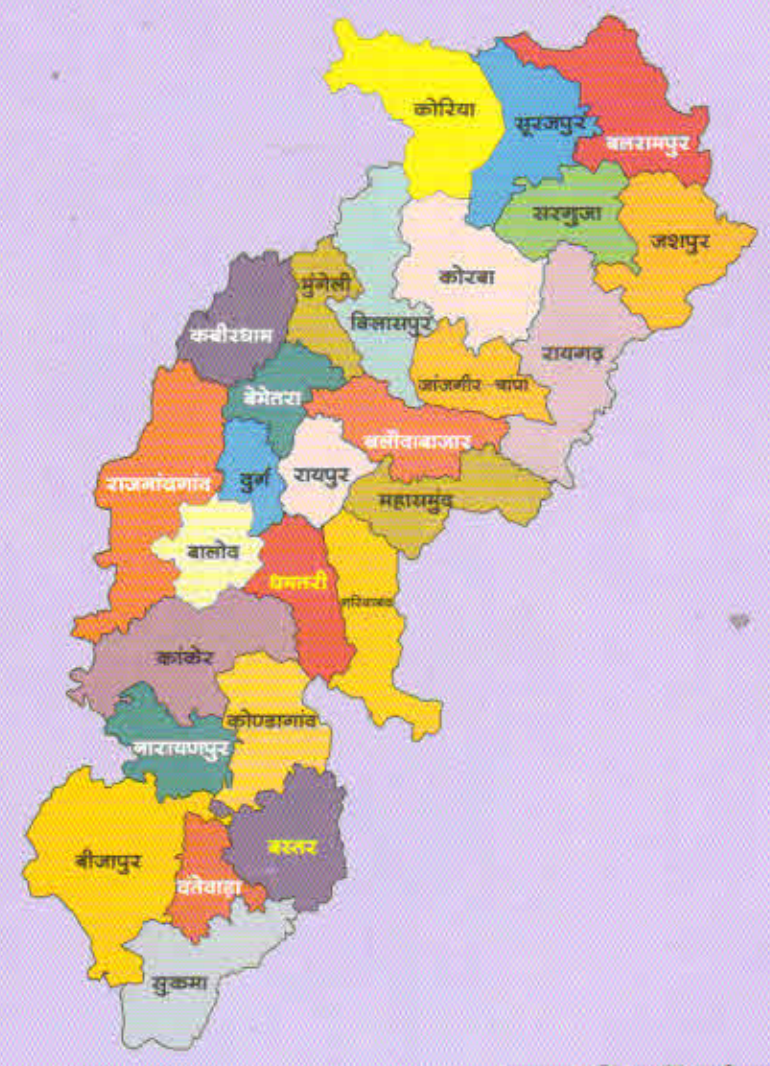

मातुश्री पब्लिकेशन

विभिन्न विश्वविद्यालयों के एम.ए. (इतिहास) की परीक्षा हेतु स्वीकृत
पाठ्यक्रमानुसार तथा प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु सर्वश्रेष्ठ पाठ्यपुस्तक

छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ला
डॉ. (श्रीमती) अर्चना शुक्ला

मातुश्री पब्लिकेशन, रायपुर (छ.ग.)

© लेखकाधीन

- इस पुस्तक के डेटा संग्रहण एवं प्रकाशन में लेखक तथा प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी प्रकार की त्रुटि के लिये लेखक या प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा।
- किसी भी परिवाद के लिये न्यायिक क्षेत्र रायपुर ही होगा।
- इस पुस्तक को अथवा इसके किसी भी अंश को बिना लेखक के लिखित पूर्वानुमति के प्रकाशित करना अवैधानिक होगा, अतः किसी भी रूप में जैसे– फोटोकॉपी, विद्युतग्राफी, यांत्रिकी व अन्य रूप में किसी भी उपयोग के लिये नहीं छापा जा सकता।
- आवरण पृष्ठ एवं अध्यायों पर चित्रित नक्शे यथा छत्तीसगढ़ राज्य का नक्शा इत्यादि पैमाने पर नहीं है (Map not to scale, just for reference), केवल संदर्भ हेतु प्रदर्शित है।

प्रथम संस्करण – 2002
द्वितीय संस्करण – 2018
तृतीय संस्करण – 2020

मूल्य : रुपये 299/–

ISBN: 978-81-939385-0-8

मुद्रक: सागर प्रिन्टर्स, रायपुर

प्रकाशक:
मातुश्री पब्लिकेशन
आर–2, श्रीराम नगर, फेस–2,
रायपुर (छ.ग.) 492007
मो. 79870–45932
ई–मेल: matushreepublication@gmail.com

छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

• डॉ. सुरेश चन्द्र शुक्ला
• डॉ. (श्रीमती) अर्चना शुक्ला

मातुश्री पब्लिकेशन

विभिन्न विश्वविद्यालयों के एम.ए. (इतिहास) की परीक्षा हेतु स्वीकृत
पाठ्यक्रमानुसार तथा प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु सर्वश्रेष्ठ पाठ्यपुस्तक

छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ला

डॉ. (श्रीमती) अर्चना शुक्ला

मातुश्री पब्लिकेशन, रायपुर (छ.ग.)

© लेखकाधीन

- इस पुस्तक के डाटा संग्रहण एवं प्रकाशन में लेखक तथा प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी प्रकार की त्रुटि के लिये लेखक या प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा।
- किसी भी परिवाद के लिये न्यायिक क्षेत्र बिलासपुर ही होगा।
- इस पुस्तक को अथवा इसके किसी भी अंश को बिना लेखक के लिखित पूर्वानुमति के प्रकाशित करना अवैधानिक होगा, अतः किसी भी रूप में जैसे– फोटोकॉपी, विद्युतग्राफी, यांत्रिकी व अन्य रूप में किसी भी उपयोग के लिये नहीं छापा जा सकता।
- आवरण पृष्ठ एवं अध्यायों पर चित्रित नक्शे यथा छत्तीसगढ़ राज्य का नक्शा इत्यादि पैमाने पर नहीं है (Map not to scale, just for reference), केवल संदर्भ हेतु प्रदर्शित है।

प्रथम संस्करण	–	2002
द्वितीय संस्करण	–	2018
तृतीय संस्करण	–	2020
चतुर्थ संस्करण	–	2021

मूल्य : **रुपये 315/–**

ISBN: 978-81-939385-0-8

मुद्रकः सागर प्रिन्टर्स, रायपुर

प्रकाशकः
मातुश्री पब्लिकेशन
आर–2, श्रीराम नगर, फेस–2,
रायपुर (छ.ग.) 492007
मो. 79870–45932, 75666–64333
ई–मेलः matushreepublication@gmail.com

प्राक्कथन

यह बात सच है कि छत्तीसगढ़ के इतिहास की
विद्यमान है क्योंकि भारत के राजनैतिक,
एवं अन्य क्षेत्रों में भी यहाँ के इतिहास का
आजादी की लड़ाई में यहाँ के व्यक्तियों ने भी
सहयोग किया तथा बहुत से महापुरुषों ने अपने
थी, परिणामस्वरूप अंग्रेजों को भारत छोड़ना
व्यक्तियों के श्रीचरण यहाँ की पावन धरा
महापुरुषों की यह जन्मभूमि भी रही और कई
साँसें छत्तीसगढ़ में ही लीं। भगवान श्रीरामचन्द्र
शबरी माता के हाथों से जूठे बेर यहीं खाये थे,
जन अनभिज्ञ नहीं है। भारतीय इतिहास में
सन्यासी, कवि, राजा–महाराजा, वीर, विचारक
विशेष स्थान रहा है, जिन्होंने अपने कर्म से
गौरवान्वित किया है।

आर्य–अनार्य युग से आज वर्तमान युग
खान–पान, भाषा, राजनैतिक, आर्थिक, भौगोलिक
क्षेत्रों में अत्यधिक उथल–पुथल होते रहे हैं।
परिवर्तन आया है, यही वजह है कि आज
का नाम (रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, भिलाई,
विश्व के लोगों की जुबान एवं नक्शे पर है। यहाँ
का विशाल भंडार है, इसके साथ–साथ यहाँ की
उर्वरा शक्ति अधिक पायी जाती है, इसलिये
कटोरा' एवं 'धनाड्य राज्य' कहा जाता है।
स्थल भी हैं, जिनकी नैसर्गिक सौंदर्यता बेहद
पर्यटन के क्षेत्र में एवं राजमार्गों द्वारा भी निरंतर
यहाँ के वृक्षों, नदियों, गुफाओं, मंदिरों, शिलालेख
अवलोकन करने से प्राचीनकाल की नई–नई
और यह भी शोध के विषय बने हुए हैं। भारत
इतिहासकारों ने यहाँ बहुत से शोध कार्य किये
इतिहासकार नये–नये शोध कार्य में लगे हुए हैं
फल है कि छत्तीसगढ़–इतिहास के पन्ने दिनों–
हैं। इन शोधों से छत्तीसगढ में छिपी हुई
जानकारियाँ मिलती रहेंगी, जिससे भावी पीढ़ी
शोधकर्ताओं के लिये भी यह जानकारी बेहद
भविष्य में भी शोधार्थियों के लिये छत्तीसगढ़
आकर्षण का केन्द्र होगा।

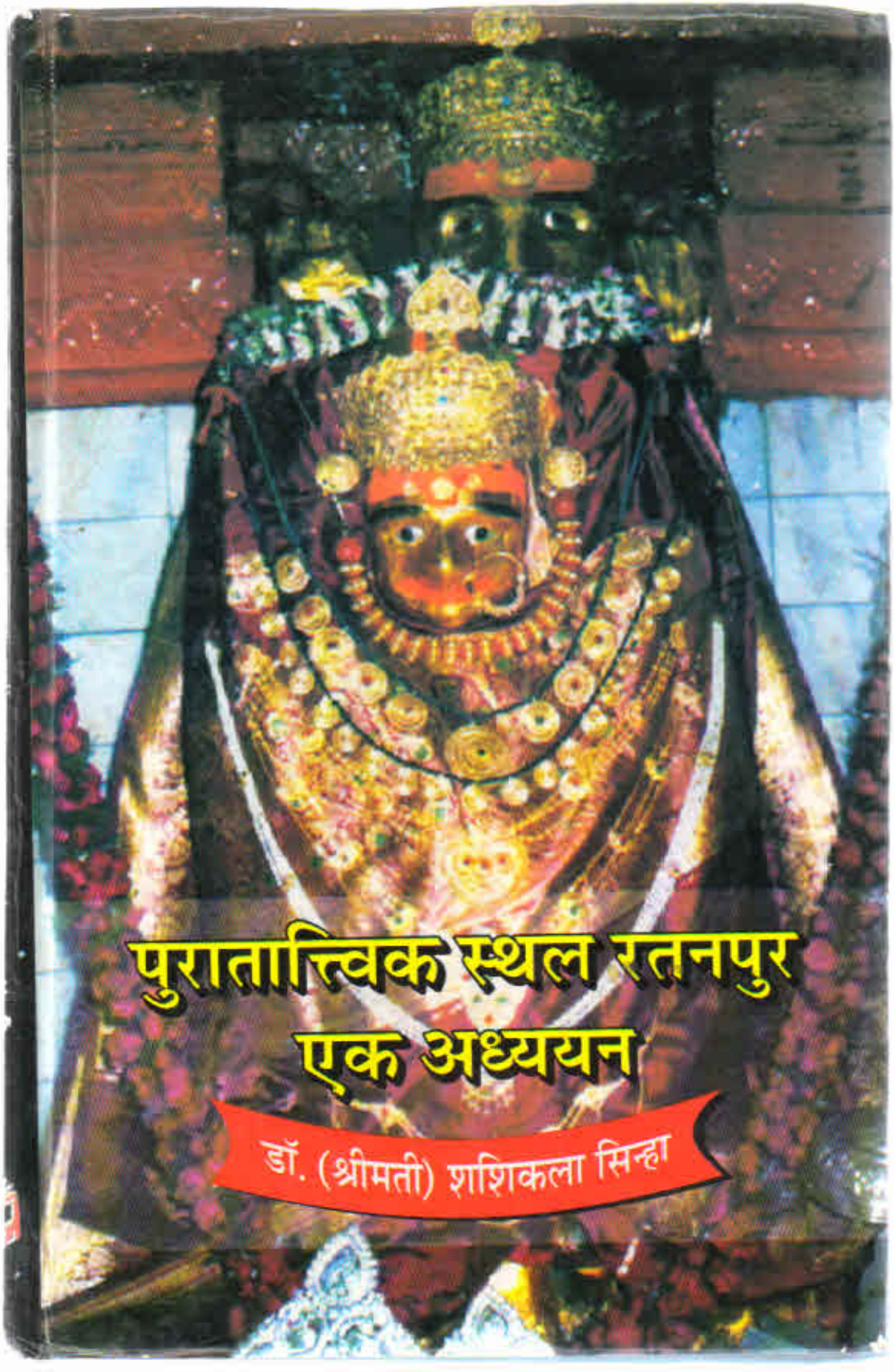

पुरातात्त्विक स्थल रतनपुर एक अध्ययन

डॉ. (श्रीमती) शशिकला सिन्हा

पुरातात्त्विक स्थल रतनपुर
एक अध्ययन

डॉ. (श्रीमती) शशिकला सिन्हा

समता प्रकाशन, कानपुर-देहात

मूल्य : तीन सौ पचास रुपये मात्र
ISBN : 978-93-80511-38-2

पुस्तक का नाम	:	पुरातात्त्विक स्थल रतनपुर एक अध्ययन
लेखक	:	डॉ. (श्रीमती) शशिकला सिन्हा
कापीराइट	:	प्रकाशक
प्रकाशक	:	समता प्रकाशन बजरंग नगर, रूरा कानपुर देहात-209303 मोबाइल : 09450139012, 09936565601
ई-मेल	:	samataprakashanrura@gmail.com
संस्करण	:	प्रथम 2016 ई0
मूल्य	:	350.00 रुपये मात्र
शब्द सज्जा	:	शिखा ग्राफिक्स, जूही, कानपुर मोबाइल : 09305960328
मुद्रक	:	मधुर प्रिन्टर्स 128/141, वाई ब्लाक किदवईनगर, कानपुर

PURATATVIK STHAL RATANPUR EAK ADHYYAN
By: Dr. (Mrs) Shashikala Sinha
Price: Rs. Three Hundred Fifty Only

महिला सशक्तिकरण
का वर्तमान परिदृश्य

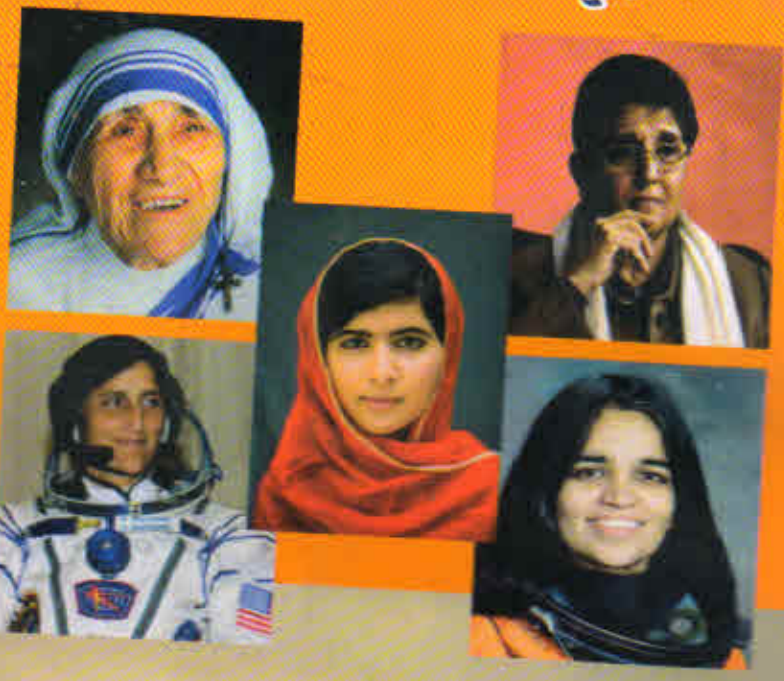

सम्पादक- दीपक कुमार, डॉ सुश्री भावना कमाने
डॉ० (श्रीमती) शशिकला सिन्हा

महिला सशक्तिकरण
का
वर्तमान परिदृश्य

सम्पादक
दीपक कुमार
डॉ. सुश्री भावना कमाने
डॉ. (श्रीमती) शशिकला सिन्हा

समता प्रकाशन, कानपुर-देहात

मूल्य : छः सौ रुपये मात्र
ISBN : 978-93-80511-47-4

पुस्तक का नाम	:	महिला सशक्तिकरण का वर्तमान परिदृश्य
सम्पादक	:	दीपक कुमार, डॉ. सुश्री भावना कमाने, डॉ. (श्रीमती) शशिकला सिन्हा
कापीराइट	:	प्रकाशक
प्रकाशक	:	समता प्रकाशन बजरंग नगर, रूरा कानपुर देहात-209303 मोबाइल : 09450139012, 09936565601, 09455589663
ई-मेल	:	samataprakashanrura@gmail.com
संस्करण	:	प्रथम 2016 ई0
मूल्य	:	600.00 रुपये मात्र
शब्द सज्जा	:	शिखा ग्राफिक्स, जूही, कानपुर मोबाइल : 09305960328
मुद्रक	:	मधुर प्रिन्टर्स 128/141, वाई ब्लाक किदवईनगर, कानपुर

Mahila Sashaktikaran ka Vartman Paridrshya
By: Deepak Kumar, Dr, Sushri Bhavana Kamane,
Dr. (Shrimati) Shashikala Sinha
Price : Six Hundred Only

जनजातीय विकास
की
अवधारणा

डॉ. कमाने, डॉ. त्रिपाठी, डॉ. सिन्हा

जनजातीय विकास की अवधारणा

डॉ. सुश्री भावना कमाने
डॉ. (श्रीमती) आभा त्रिपाठी
डॉ. (श्रीमती) शशिकला सिन्हा

समता प्रकाशन, कानपुर-देहात

डॉ. (श्रीमत

जन्म तिथि : 0

शिक्षा : ए

शोध निर्देशक

प्रकाशन :

सम्प्रति :

सम्पर्क :

ISBN :

मूल्य : चार सौ रुपये मात्र
ISBN : 978-93-80511-39-9

पुस्तक का नाम	:	जनजातीय विकास की अवधारणा
लेखिका	:	डॉ.कमाने, डॉ. त्रिपाठी, डॉ. सिन्हा
कापीराइट	:	प्रकाशक
प्रकाशक	:	समता प्रकाशन बजरंग नगर, रूरा कानपुर देहात-209303 मोबाइल : 09450139012, 09936565801
ई-मेल	:	samataprakashanrura@gmail.com
संस्करण	:	प्रथम 2016 ई0
मूल्य	:	400.00 रुपये मात्र
शब्द सज्जा	:	शिखा ग्राफिक्स, जूही, कानपुर मोबाइल : 09305960328
मुद्रक	:	मधुर प्रिन्टर्स 128/141, वाई ब्लाक किदवईनगर, कानपुर

JANJATIYA VIKAS KI AVADHARNA
By: Dr. **Kamane, Dr. Tripathi, Dr.Sinha**
Price: Rs. Four Hundred Only